हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, बुधवार 30 जुलाई 2025

खास बातें

- एक घंटा 40 मिनट के भाषण में पीएम मोदी ने नहीं लिया ट्रंप का नाम
- यूएन के 193 देशों में सिर्फ 3 देशों ने पाकिस्तान के समर्थन में दिया था बयान

ऑपरेशन महादेव : लोकसभा में केंद्रीय गृहमंत्री ने दी जानकारी

शाह ने कहा- सेना, सीआरपीएफ और कश्मीर पुलिस की कामयाबी

शाह ने इस बात पर जोर दिया, ये हमारे देश की सेना, सीआरपीएफ और जम्मू कश्मीर पुलिस, तीनों की साझा तौर पर बहुत बड़ी कामयाबी है। हमें इस पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस नेता और पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम के एक बयान का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि चिदंबरम ने पाकिस्तान को क्लीन चिट दी है।

पीएम मोदी बोले- दुनिया के किसी नेता ने नहीं रुकवाया ऑपरेशन सिंदूर

पाक ने लगाई थी गुहार कहा-बस करो...

संसद के मानसून सत्र के छठे दिन दोनों सदनों में ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम हमले को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। सरकार की ओर से प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षामंत्री सहित तमाम नेताओं ने अपना पक्ष रखा, वहीं विपक्ष ने सरकार की नीति और नियत पर सवाल खड़े किए। सदन की कार्यवाही बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में यह स्पष्ट किया कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने के लिए नहीं कहा।

तीन मुद्दों पर चर्चा

पहला - क्या पहलगाम हमला खुफिया तंत्र की विफलता थी?
दूसरा - युद्धविराम क्यों हुआ?
तीसरा- क्या ऑपरेशन सिंदूर के दौरान लड़ाकू विमानों का नुकसान हुआ?

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर करारा प्रहार किया और कहा कि इस अभियान के दौरान पूरी दुनिया का समर्थन मिला, लेकिन जवानों के पराक्रम को मुख्य विपक्षी दल का समर्थन नहीं मिला। उन्होंने हां, दुनिया के किसी भी नेता ने हमें ऑपरेशन (सिंदूर) रोकने के लिए नहीं कहा।

उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय की है जब विपक्ष संघर्ष विराम के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता संबंधी दावे पर जवाब की मांग कर रहा। प्रधानमंत्री ने कहा, 22 अप्रैल के बाद मैंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि यह हमारा संकल्प है कि हम आतंकियों को मिट्टी में मिला देंगे। सजा उनके आकाओं को भी मिलेगी और ऐसी सजा मिलेगी जो कल्पना से भी बड़ी होगी। उन्होंने कहा, 22 अप्रैल को मैं विदेश में था। वहां से लौटने के तुरंत ▶▶|शेष पेज 6 पर

ऑपरेशन सिंदूर पर राहुल समेत कई विपक्षी नेताओं ने उठाया ट्रंप के दखल से सीजफायर का मुद्दा

लम्हों ने खता की, सदियों ने सजा पाई : मोदी

पीएम मोदी ने तीखी टिप्पणियों की एक श्रृंखला में कहा कि मुझे एक शेर याद आता है, लम्हों ने खता की, सदियों ने सजा पाई। आजादी के बाद जो फैसले लिए गए, उनकी सजा देश आज तक भुगत रहा है। कांग्रेस के नेता पूछ रहे हैं कि मैंने पीओके वापस क्यों नहीं लिया? और वे इसकी उम्मीद भी मुझी से कर सकते हैं, लेकिन इसका जवाब पहले सवाल पूछने वालों को ही देना होगा। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों द्वारा लिए गए कुछ ऐतिहासिक निर्णयों के दीर्घकालिक परिणाम हुए हैं, जिनमें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को पुनः प्राप्त करने के अवसर चूकना, अक्साई चीन को बंजर भूमि बताकर चीन के हवाले कर देना और सिंधु जल संधि के तहत भारत के जल अधिकारों का पाकिस्तान के समक्ष आत्मसमर्पण करना शामिल है।

राज्यसभा में नड्डा-खड़गे में तीखी बहस

राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता सदन जेपी नड्डा के बीच तीखी बहस देखने को मिली। नड्डा ने खड़गे पर निशाना साधते हुए कुछ ऐसा कहा जिसपर विपक्ष सांसद भड़क गए। जेपी नड्डा ने अपना बयान वापस लेते हुए खड़गे से माफी भी मांग ली और उस शब्द को कार्यवाही से हटाने का अनुरोध किया, लेकिन खड़गे ने इसे अपना अपमान बताते हुए जेपी नड्डा को चेतावनी दी है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

पीएम में इंदिरा की आधी भी हिम्मत है तो बोलें कि ट्रंप का बयान असत्य

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल ने किया सवाल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपनी छवि बचाने के लिए सेना के इस्तेमाल का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर प्रधानमंत्री में इंदिरा गांधी का '50 प्रतिशत भी साहस' है, तो उन्हें यह बोलना चाहिए कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मध्यस्थता संबंधी दावा असत्य है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को यह समझना चाहिए कि देशहित और सैन्यबल उनकी छवि और 'पीआर' से ऊपर हैं। राहुल गांधी ने कहा कि यदि सरकार ने चीन और पाकिस्तान के गठजोड़ को लेकर उनकी चेतावनी पर अमल किया होता तो 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान ▶▶|शेष पेज 6 पर

पहलगाम नरसंहार के तीनों 'ना-पाक' आतंकी मारे गए, शाह ने बताए 'सबूत'

शाह ने बताए 'सबूत'

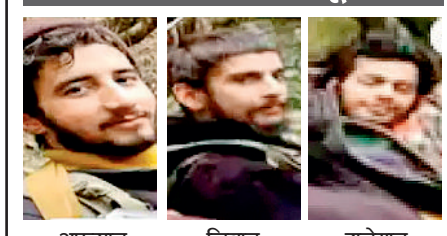

अफगान | जिब्रान | सुलेमान

कौन हैं ये आतंकवादी

- सुलैमान शाह उर्फ मूसा
- हम्जा उर्फ फैसल अफगान
- जिबरान उर्फ हबीब उर्फ छोटू अफगानी

पाकिस्तानी होने के सबूत

- दो आतंकियों की पाकिस्तानी मतदाता संख्या
- तीनों की राइफलें पाकिस्तान की
- आतंकी के पास जो चॉकलेट मिली, वह भी पाक निर्मित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों की हत्या करने वाले तीन आतंकवादी 'ऑपरेशन महादेव' के तहत मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं। उन्होंने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ऑपरेशन सिंदूर पर 1 घंटा 14 मिनट बोले। उन्होंने भाषण की शुरुआत में पहलगाम हमले के आतंकियों के मारे जाने की जानकारी दी।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा, मैं सदन के माध्यम से, कल हुए 'ऑपरेशन महादेव' की जानकारी पूरे देश को देना चाहता हूं। सोमवार को 'ऑपरेशन महादेव' में सुलेमान, अफगान और जिब्रान नाम के तीन आतंकवादी सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में मारे गए। उन्होंने बताया, सुलेमान, लश्कर-ए-तैयबा का ए श्रेणी का कमांडर था। पहलगाम और गगनगीर ▶▶|शेष पेज 6 पर

1055 लोगों से तीन हजार घंटे पूछताछ

पहलगाम हमले की जांच में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ने मृतकों के परिजनों, पर्यटकों, खच्चर वालों, फोटोग्राफर, कर्मचारियों आदि कुल मिलाकर 1055 लोगों से तीन हजार घंटे से अधिक पूछताछ की। शाह ने कहा कि इसके आधार पर आतंकियों के स्केच बनाए गए। उन्होंने कहा कि गत 22 जून को बशीर और परवेज नामक दो लोगों की पहचान की गई जिन्होंने हमले के अगले दिन आतंकियों को शरण दी थी। शाह ने कहा कि उन दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया, दोनों हिरासत में हैं। गृह मंत्री के अनुसार, उन दोनों ने इन आतंकियों की पहचान की।

ऑपरेशन महादेव

- 22 मई को आईबी के पास एक 'ह्यूमन इंटेल' आई और दाचीगाम क्षेत्र के अंदर आतंकियों की उपस्थिति की सूचना मिली।
- आईबी और सेना ने दाचीगाम में अल्ट्रा सिग्नल कैप्चर करने के लिए 22 मई से 22 जुलाई तक लगातार प्रयास किए
- 22 जुलाई को आतंकियों के वहां होने की पुष्टि हुई।
- सेना के पैरा 4 के नेतृत्व में, सीआरपीएफ और जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक साथ आतंकवादियों को घेरा और मार गिराया

ऐसे हुई पुष्टि

- पहलगाम में घटनास्थल से मिले कारतूस के खोखों की एफएसएल रिपोर्ट तैयार की गई
- मारे गए आतंकवादियों की तीन राइफल मिलीं जिनमें एक एम9 अमेरिकी राइफल और दो एके 47 राइफलें थीं
- राइफलों को विशेष विमान से चंडीगढ़ पहुंचाया गया और जांच की गई

महादेव सट्टा में नाम आने के बाद आरक्षक ने की आत्महत्या की कोशिश

अंबिकापुर। महादेव सट्टा एप मामले में आरक्षक प्रवीण सिंह का नाम सामने आने के बाद मामले में नया मोड़ आया है। वीडियो वायरल होने के बाद आरक्षक ने आत्महत्या का प्रयास किया। सुबह सुबह आरक्षक ने जहर पी लिया। गनीमत रही कि समय पर पुलिसकर्मियों ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसका उपचार जारी है। आरक्षक की पत्नी ने भी आईजी से मुलाकात कर गुहार लगाई है। इधर आईजी ने भी इस मामले की जांच के निर्देश दे दिए हैं। बता दें कि महादेव सट्टा के मामले में फरार चल रहे सटोरिए सत्यम केसरी ने 28 जुलाई को एक वीडियो वायरल किया था। वायरल वीडियो में लम्बे समय से फरार चल रहे सटोरिया ने आरक्षक प्रवीण सिंह पर गंभीर आरोप लगाया है। सटोरिया ने आरक्षक पर महादेव सट्टा संचालित करने और जबरन काम कराने का आरोप लगाया। इसके साथ ही सट्टा कारोबार में महज एक माह में 48 लाख रुपए तक की कमाई ▶▶|शेष पेज 6 पर

■ वीडियो वायरल कर सटोरिया ने लगाया था आरोप, पुलिस कर रही जांच

सुसाइड नोट भी छोड़ा

बड़ी बात यह है कि आरक्षक ने आत्म हत्या का प्रयास करने के साथ ही एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि सुसाइड नोट में क्या लिखा है या किस किस पर आरक्षक ने आरोप लगाया है लेकिन यह माना जा रहा है कि और भी लोगों के नाम इसमें शामिल हो सकते है। इधर घटना के बाद आरक्षक प्रवीण सिंह कि पत्नी ने आईजी दीपक झा से मुलाकात कर मौखिक शिकायत की है की पति को फंसाया जा रहा है। आईजी ने उन्हें निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है।

देश में पहला मामला, हरियाणा के सीए ने हीलियम गैस से किया सुसाइड

नई दिल्ली । नई दिल्ली के पॉश इलाके गोल मार्केट में एक होटल में चार्टेड एकाउंटेंट (सीए) ने शरीर के अंदर हीलियम गैस लेकर खुदकुशी कर ली। वह बैड पर मृत पड़े मिले। मृतक धीरज कंसल ने हीलियम गैस के सिलिंडर से पाइप मुंह में डाला हुआ था।

सूचना मिलने पर नई दिल्ली जिले की बाराखंभा थाना पुलिस ने सिलिंडर व पाइप के साथ मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए लेडी हार्डिंग अस्पताल में रखवा दिया है। देश में हीलियम गैस से खुदकुशी करने का पहला मामला सामने आया है। हालांकि पश्चिमी देशों में इस गैस को लेकर खुदकुशी करने के कई मामले सामने आ चुके हैं।

आत्महत्या की वजह- माना जा रहा है, अकेलेपन से परेशान होकर 25 साल के धीरज ने यह कदम उठाया है। बाराखंभा थाना पुलिस को जांच में पता चला कि मृतक धीरज के पिता की 2003 में मृत्यु हो गई थी और मां ने पिता की मौत के बाद किसी और से शादी कर ली थी। उसका कोई भाई-बहन नहीं है। वह फिलहाल में पीजी में रह रहा था।

■ गुरुग्राम की कंपनी में नौकरी, करनाल के सालवन का रहने वाला

पोस्ट न मिले तो सुसाइड नोट पढ़ लेना

पुलिस को उसके दाहिने हाथ के नीचे एक सुसाइड नोट मिला। उसने सुसाइड नोट में कहा था कि मैं चला जाऊंगा और इसके लिए किसी को दोषी नहीं ठहराया जाए। सुसाइड नोट में धीरज ने लिखा-प्लीज मेरी मौत पर दुखी मत होना। मेरे लिए, मौत मेरे जीवन का सबसे खूबसूरत हिस्सा है। आत्महत्या करना बुरा नहीं है, क्योंकि मुझ पर किसी की जिम्मेदारी नहीं थी और मैं किसी से बहुत जुड़ा हुआ नहीं था, न ही कोई मुझसे था। मेरी वजह से कोई अवसाद में नहीं जाएगा।

CHOUKSEY GROUP OF COLLEGES
An ISO 9001:2015 Certified Institute
B.TECH, M.TECH, MBA, PHARMACY, LAW, BAMS, DEGREE COURSES
ESTABLISHED IN 2001 EXCELLENCE IN TECHNICAL EDUCATION
ACCREDITED WITH GRADE B++ NAAC
NBA ACCREDITED
Ranked AAA INDIA'S BEST ENGG. COLLEGE CENTRAL ZONE SURVEY 2025 BY CAREERS360

COURSES OFFERED
B.TECH M.TECH MBA
ADMISSIONS OPEN UNDER "MANAGEMENT QUOTA"
Limited Seats Available – Apply Now!
D.PHARMA
B.PHARMA
M.PHARMA
LAW ARTS
SCIENCE BBA
COMMERCE
BCA PGDCA M.Sc
PH.D (Pharmacy/CSE/Botany)
FEW SEATS LEFT

PLACEMENT HIGHLIGHTS
653+ JOB OFFERS (IN LAST 2 YEARS)
90+ COMPANIES
HIGHEST PACKAGE 12 LPA
AVERAGE PACKAGE 5 LPA
Upcoming Course* BAMS

Now Introducing LLM@
CHOUKSEY GROUP OF COLLEGES!
ADMISSION OPEN FOR SESSION 2025-26
SCAN QR CODE FOR ONLINE REGISTRATION

Aditya Saxena 9 LPA
Shivam Ku.Yadav 9 LPA
Anirudh Trivedi 9 LPA
Shruti Das 9 LPA
Sangeeta Singh 7 LPA
Khushbu Gupta 7 LPA
Twinkal Kumari 6 LPA
and many more...

OUR RECRUITERS
airtel Volvo BOSCH Tech Mahindra ICICI Bank HDFC BANK ZenSar TECHNOLOGIES Godrej amazon Justdial LG Collabera EICHER Triveni TURBINES Escorts Limited EICHER L&T Finance tcs TATA CONSULTANCY SERVICES wipro NUVOCO Shree Cement

SCHOLARSHIP PLACEMENT SEPARATE HOSTEL FOR BOYS AND GIRLS
For Admissions Contact us 82182-38282
www.cecbilaspur.ac.in Follow us on
Lal Khadan, Masturi Road, NH-49, Bilaspur

पीएससी 2021 के मामले में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

चयनित 44 डिप्टी कलेक्टर और डीएसपी को दी जाए ज्वाइनिंग

सभी उम्मीदवारों की ज्वाइनिंग सीबीआई की जांच और हाईकोर्ट के फैसले के अधीन रहेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

हाईकोर्ट ने पीएससी 2021 के मामले में बड़ा फैसला दिया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि जो भी चयनित अभ्यर्थी है और जिनके खिलाफ सीबीआई ने चार्जशीट पेश नहीं किया है उन्हें नियुक्ति दी जाए। दरअसल राज्य लोकसेवा आयोग (पीएससी) में कथित गड़बड़ी के आरोपों के बाद राज्य शासन ने मामले की जांच का जिम्मा सीबीआई को सौंपा है। सीबीआई ने 4 अभ्यर्थियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। बाकी चयनित लोगों के खिलाफ जांच में फिलहाल कुछ नहीं मिला है। इन्हीं 44 लोगों ने अभ्युदय सिंह सहित अन्य वकीलों के माध्यम से ज्वाइनिंग के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इन सभी का चयन डिप्टी कलेक्टर और डीएसपी के पद पर हुआ है। हाईकोर्ट ने पूरी सुनवाई के बाद 2 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था जिसमें सोमवार को अंतिम फैसला सुनाया गया है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा है कि सभी उम्मीदवारों की ज्वाइनिंग ▶▶|शेष पेज 6 पर

■ जो भी चयनित अभ्यर्थी हैं और जिनके खिलाफ सीबीआई ने चार्जशीट पेश नहीं किया है उन्हें नियुक्ति दी जाए

अब तक मामले में सात आरोपी गिरफ्तार

ज्ञात हो की सीबीआई ने अब तक मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें सीजीपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी, उनके भतीजे नितेश सोनवानी और साहिल सोनवानी, तत्कालीन उप नियंत्रक परीक्षा सीजीपीएससी ललित गणवीर, श्री बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड के निदेशक श्रवण कुमार गोयल, उनके बेटे शशांक गोयल और बहू भूमिका कटियार शामिल हैं। शशांक गोयल, उनकी पत्नी भूमिका कटियार और नितेश को तब डिप्टी कलेक्टर के पद पर चुना गया था। जबकि साहिल को पुलिस उपाधीक्षक के रूप में चुना गया था।

सीबीआई ने दायर किया है आरोप पत्र

शासन की ओर से बताया गया कि सीबीआई ने 16 जनवरी 2025 को रायपुर की एक विशेष अदालत के समक्ष मामले में आरोप पत्र दायर किया है। इसमें इन सभी सात लोगों को आरोपी बनाया गया है। इसमें कहा गया है कि बड़ी साजिश का पता लगाने के लिए अन्य उम्मीदवारों, सीजीपीएससी के अधिकारियों और अन्य के संबंध में आगे की जा रही है। आरोप पत्र में कहा गया है कि टामन सिंह सोनवानी ने कथित तौर पर अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया और परीक्षा से पहले अपने भतीजे नितेश और साहिल को प्रश्न पत्र उपलब्ध कराए। तत्कालीन उप परीक्षा नियंत्रक ललित गणवीर और सोनवानी ने श्री बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक श्रवण कुमार गोयल के साथ आपराधिक साजिश रची। इन्होंने अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करते हुए श्रवण को प्रश्नपत्र मुहैया कराया। जिसे वे उनके बेटे शशांक और बहू भूमिका को दे सके। आरोप पत्र के अनुसार इसके लिए उन्होंने 45 लाख रुपये का अनुचित लाभ उठाया।

रायपुर रेल मंडल ने नई अमृत भारत ट्रेनें और वंदेभारत का प्रस्ताव बनाकर रेलवे बोर्ड को भेजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मंडल की ओर से रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है, जो अब रेल मंत्रालय तक पहुंच चुका है। अब मंजूरी और रैक तैयार होने के बाद यह सुविधा मिलेगी। बता दें कि इस प्रस्ताव में ट्रेनों के संभावित रूट शामिल किए गए हैं, ताकि यात्रियों को अधिकतम लाभ मिल सके और रेलवे को आर्थिक दृष्टि से भी फायदा हो। मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी ने जानकारी दी कि वंदेभारत ट्रेनों को रायपुर से रांची और जबलपुर रूट में चलाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इन दोनों रूट पर वंदेभारत ट्रेनें चलने से यात्रियों को एक ही दिन में आना-जाना संभव हो सकेगा, जिससे समय की बचत के साथ ही सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा। खासकर रांची के लिए प्रस्तावित वंदेभारत सेवा यात्रियों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी, वहीं जबलपुर रूट पर इस ट्रेन की लंबे समय से मांग की जा रही है।

भारतीय रेलवे अगले दो से तीन वर्षों में देशभर में 200 वंदेभारत ट्रेनें, 100 अमृत भारत ट्रेनें और 50 नमो भारत रैपिड रेल चलाने की योजना पर तेजी से काम कर रहा है। इस योजना की शुरुआत विभिन्न राज्यों में हो चुकी है और अब रायपुर समेत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के यात्रियों को भी इस सुविधा का लाभ मिलने वाला है। रायपुर रेल मंडल ने वंदेभारत और अमृत भारत ट्रेनों को लेकर तैयारी शुरू कर दी है।

रायपुर से मुंबई-हावड़ा के बीच दौड़ेगी अमृत भारत ट्रेन, वंदेभारत से रांची-जबलपुर पहुंचना होगा आसान

पूर्वोत्तर भारत तक पहुंचेगी अमृत भारत

मंडल के अधिकारी ने बताया कि अमृत भारत ट्रेनों के लिए रायपुर से मुंबई, हावड़ा और कामाख्या के लिए भी प्रस्ताव भेजा गया है। इनमें खास तौर पर कामाख्या रूट पूर्वोत्तर भारत को जोड़ता है, जहां यात्रियों की संख्या अधिक होती है। इन रूटों पर अमृत भारत ट्रेनें शुरू होने से लंबी दूरी के यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी और यात्रा अधिक आरामदायक होगी। रेलवे की इस योजना से न केवल यात्रियों की यात्रा सुखद और सुविधाजनक बनेगी, बल्कि क्षेत्रीय कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी और रेलवे के राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी।

प्रस्ताव भेज दिया गया है

नई अमृत भारत और वंदे भारत ट्रेनों को लेकर प्रस्ताव तैयार कर रेल मंत्रालय को भेज दिया गया है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने और रैक उपलब्ध होने के बाद यात्रियों को ये सुविधाएं मिलनी शुरू हो जाएंगी।

- अवधेश कुमार त्रिवेदी
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक

अभी तैयार नहीं हुए हैं रैक

रेलवे देश के सभी लंबे रूटों पर आधुनिक वंदेभारत और अमृत भारत ट्रेनें चलाने की योजना पर कार्य कर रहा है। वर्तमान में रायपुर से नागपुर और विशाखापट्टनम के लिए वंदेभारत ट्रेन की सुविधा उपलब्ध है। योजना के तहत अमृत भारत ट्रेनें उन रूटों पर चलाई जाएंगी, जिनका सफर एक दिन से अधिक का होगा, जबकि वंदेभारत ट्रेनें ऐसे रूट के लिए प्रस्तावित हैं, जिन्हें एक दिन में तय किया जा सके। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, सभी रेलवे बोर्ड से यह जानकारी मांगी गई थी कि किन-किन रूटों पर इन आधुनिक ट्रेनों की आवश्यकता है।

हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला- तलाक के बाद पत्नी का पति की संपत्ति पर उत्तराधिकार का अधिकार नहीं रह जाता

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि तलाक के बाद महिला ने पत्नी का दर्जा खो दिया है इसलिए पति की संपत्ति पर उसका अधिकार और दावा नहीं बनता है।

विवाह विच्छेद के बाद पति द्वारा मकान खरीदे जाने के बाद सिविल कोर्ट में आवेदन देने के मामले में महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि महिला और युवक ने कानूनी रूप से शादी की थी लेकिन 31 मार्च 2014 को दोनों के बीच तलाक भी हो गया था। इसलिए पत्नी का पति की संपत्ति पर उत्तराधिकार का अधिकार पत्नी के रूप में समाप्त हो गया। याचिका के मुताबिक 11 मई 2007 को रायगढ़ निवासी जिंदल स्टील के कर्मचारी ने प्रेम विवाह किया था। चारित्रिक रूप से एक दूसरे पर लांछन लगाए जाने के कारण दोनों 2010 से अलग-अलग रह रहे थे। अंततः पति ने तलाक के लिए सिविल वाद दायर किया। फैमिली कोर्ट रायगढ़ ने 31 मार्च 2014 को तलाक की डिक्री का आदेश पारित कर दिया।

- फैमिली कोर्ट रायगढ़ ने 31 मार्च 2014 को तलाक की डिक्री का आदेश पारित किया था

मकान में लोगों के साथ अवैध कब्जा

तलाक की डिग्री के खिलाफ पत्नी द्वारा दायर संपत्ति के अधिकार की बहाली के लिए प्रोफेशनल सिविल वाद को भी पारिवारिक न्यायालय, रायगढ़ द्वारा खारिज कर दिया गया था। इसी बीच पति द्वारा 2005 में खरीदे गए मकान में तलाकशुदा पत्नी ने 8-10 लोगों के साथ घुस गई और अवैध रूप से कब्जा कर लिया। पति ने पुलिस में इसकी रिपोर्ट दी। महिला के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 452 और 448/34 के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। रायगढ़ सिविल कोर्ट से पति के पक्ष में आदेश जारी होने के खिलाफ पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील भी की। हाईकोर्ट ने रायगढ़ सिविल कोर्ट के आदेश की पुष्टि की व अपील को खारिज कर दिया है।

शराब घोटाला, अनवर ढेबर की याचिका खारिज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले के आरोपी अनवर ढेबर की याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। इस याचिका में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की गिरफ्तारी को अवैधानिक बताते हुए एफआईआर रद्द करने समेत कई मांगें थी। ईडी के अनुसार सिंडिकेट बनाने वाले कारोबारी अनवर ढेबर को 90 करोड़ से ज्यादा मिले थे। सुनवाई के दौरान शासन ने बताया कि सरकारी शराब दुकानों से अवैध शराब डुप्लीकेट होलोग्राम लगाकर बेची गई थी। जिससे शासन को करोड़ों के राजस्व का नुकसान हुआ है। यह गंभीर अपराध है। पहले भी दो बार याचिका खारिज हो चुकी है। ध्यान रहे कि शराब घोटाले मामले में ईडी की जांच रिपोर्ट के आधार पर एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई गई है। ईडी ने अपनी जांच में पाया है कि तात्कालीन सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के अवैध सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था। आरोपी अनवर ढेबर ने अपनी याचिका में एसीबी की एफआईआर और गिरफ्तारी को चुनौती दी थी।

अवैध तरीके से रिमांड पर लिया

अनवर ने बताया कि उसे अवैध तरीके से रिमांड पर लिया गया, इसलिए राहत दी जाए। याचिका में संविधान के अनुच्छेद 21 और 22 का हवाला देते हुए कहा कि, उसे 4 अप्रैल को बिना सूचना हिरासत में लिया गया। परिवार को भी सूचना नहीं दी गई। अगले दिन दोपहर 2 बजे औपचारिक गिरफ्तारी की गई। अनवर ने आरोप लगाया कि गिरफ्तारी का पंचनामा, कारणों की सूचना और केस डायरी की कॉपी नहीं दी गई। यह सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के खिलाफ है। याचिका में 5 और 8 अप्रैल को विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) के दिए गए पुलिस रिमांड आदेशों को भी रद्द करने की मांग की। सुनवाई के दौरान राज्य शासन की तरफ से बताया गया कि, सरकारी शराब ढुकानों से अवैध शराब डूप्लीकेट होलोग्राम लगाकर बेची गई थी। जिससे शासन को करोड़ों के राजस्व का नुकसान हुआ है। इसमें अनवर ढेबर की अहम भूमिका सामने आई है। आरोपी की दो जमानत याचिकाएं पहले ही खारिज की जा चुकी हैं। तर्कों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी है।

प्राचार्य पदोन्नति पर सुनवाई जारी, आज शासन की ओर से पेश होगा जवाब

बिलासपुर। प्राचार्य पदोन्नति प्रकरण में सिंगल बेंच से नारायण प्रकाश तिवारी केश में स्टे की सुनवाई मंगलवार को हाईकोर्ट जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल के कोर्ट में लगातार दूसरे दिन हुई। याचिकाकर्ता के वकील ने पूरे समय मंगलवार को अपना पक्ष रखा है। बुधवार को शासन की ओर से जवाब दिया जाएगा। ध्यान रहे कि छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन की ओर से इंटरविनर अधिवक्ता अनूप मजूमदर ने हस्तक्षेप याचिका दाखिल की है। ज्ञात हो शिक्षा विभाग ने 30 अप्रैल को प्राचार्य पदोन्नति की सूची जारी की थी, जिसमें हाईकोर्ट ने 1 मई को स्टे दे दिया था। लंबी सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने 17 जून को फैसला सुरक्षित रख लिया था। बाद में हाईकोर्ट ने शासन के पक्ष को सही माना था। इसमें इंटरविनर अधिवक्ता अनूप मजूमदर ने नई हस्तक्षेप याचिका दाखिल की है।

नागपंचमी पर नागदेवता की पूजा कर मांगी सुरक्षा

नागलोक के नाम से प्रसिद्ध पचराही में हुई पूजा- अर्चना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

कबीरधाम जिले में प्राचीनकाल में पचराही क्षेत्र को नागलोक कहा जाता था और यह क्षेत्र जलमग्न था। इस बात की पुष्टि पूर्वज करते हैं। इस बात की जानकारी छत्तीसगढ़ के वरिष्ठतम पुरातत्वविद स्व. डॉ. विष्णु सिंह ठाकुर ने कवर्धा के साहित्यकार आदित्य श्रीवास्तव को एक पुरातत्व सेमिनार के दौरान भी दी थी। जिले के प्रमुख मंदिरों में नाग देवता की प्राचीनकाल से चली आ रही। पूजा अर्चना के प्रमाण भी मिलते हैं। इस बात की पुष्टि इससे भी होती है कि जिले के पांडातराई के प्राचीन शिव मंदिर में नाग नागिन का जोड़ा पत्थर पर उत्कीर्ण किया हुआ स्थापित है। पचराही क्षेत्र के बकेला में प्रभु पार्श्वनाथ की प्राचीन प्रतिमा में भगवान के सिर पर फणिनाग छाया किए हुए हैं। भोरमदेव स्वयं फणिनाग वंशी राजाओं का क्षेत्र है और गर्भगृह में प्रमाण स्वरूप पांच फनों वाले नाग देवता की पाषाण प्रतिमा रखी है। रानी सागर कवर्धा के शिव मंदिर की अद्भुत शिवलिंग की जलहरी पर दुर्लभ नाग अंकित है। दशरंगपुर के दशरथ तालाब में शेषशायी विष्णु जी विराजमान हैं। सर्प हमारी पृथ्वी पर हमारे पूर्वज हैं।

सभी जीवों, पेड़ पौधों में ईश्वर का वास माना जाता

नाग पंचमी हिन्दू धर्म का एक प्रमुख पर्व है, जिसमें नाग देवता की पूजा की जाती है। यह पर्व श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार नागों को दिव्य शक्तियों का प्रतीक माना गया है और वे भगवान शिव के गले का आभूषण भी हैं। स्कन्द पुराण, महाभारत और कई अन्य ग्रंथों में नागों का उल्लेख मिलता है। इन्हीं मान्यताओं का अनुसरण करते हुए मंगलवार को कवर्धा सहित अंचल में नागपंचमी का पर्व श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया गया। पर्व के मौके पर जहां लोगों ने अपनी श्रद्धा और आस्था के अनुरूप घरों में ,मंदिरों में तथा खेतों में नाग देवता की पूजा अर्चना की और सुरक्षा के लिए आशिर्वाद प्राप्त किया। यहां बताना लाजिमी होगा कि नाग देवता की पूजा के पीछे धार्मिक और प्राकृतिक दोनों ही तर्क हैं। धार्मिक दृष्टि से यह माना जाता है कि नागों की पूजा करने से भय, विष, रोग और आपदाओं से रक्षा होती है। साथ ही, नाग कुल का सम्मान कर हम प्रकृति और जीवों के संतुलन को बनाए रखते हैं। वैसे भी भारतीय सनातन धर्म में सभी जीवों, पेड़ पौधों में ईश्वर का वास माना जाता हैं। इसके पीछे का वैज्ञानिक तथ्य जैवविविधता के संरक्षरण को माना जाता है। इसी के चलते हमारे विद्वान पूर्वजों ने विभिन्न पर्व एवं त्यौहार बनाए हैं उनमें से एक है नाग- पंचमी भी है।

नागलोक कायस्थों का ननिहाल

कवर्धा के साहित्यकार आदित्य श्रीवास्तव बताते है कि नागलोक कायस्थों का ननिहाल है। उन्होने बताया कि हम कायस्थों के पूर्वज आदि देव भगवान श्री चित्रगुप्त हैं। उनकी दो पत्नियों से उत्पन्न बारह पुत्रों का विवाह नागराज वासुकी की बारह कन्याओं के साथ विवाह हुआ था। इस नाते नाग-लोक कायस्तो का ननिहाल हुआ। कायस्थ नाग पंचमी पर पूजन कर आशीर्वाद लेते हैं। वैसे तो सभी सनातनधर्मी नागपंचमी के दिन नागपूजा करते हैं लेकिन कायस्थों को विशेष रूप से नाग देवता की पूजा अर्चना करना चाहिए। साथ ही सर्पों को नहीं मारना चाहिए।

तालाब में नहाने गए भाई-बहन समेत 4 बच्चों की डूबने से मौत, परिजन को मिला 4-4 लाख रुपए का मुआवजा

बिलासपुर। हाइकोर्ट ने जांजगीर-चांपा जिले में तालाब में नहाने गए भाई-बहन समेत 4 बच्चों की डूबने से हुई मौत के मामले को संज्ञान में लिया है। मुख्य सचिव से व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर जवाब मांगा गया था। सचिव ने जवाब में कहा है कि मृत बच्चों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए का मुआवजा दिया गया है। इसके साथ ही व्यवस्था की जा रही है कि इस तरह की दुर्घटना फिर से ना हो।

ध्यान रहे कि जांजगीर-चांपा जिले में स्कूल से लौटते वक्त तालाब में नहाने गए भाई बहन समेत 4 बच्चों की डूबकर मौत हो गई। घटना बलोदा थाना क्षेत्र के भैंसतरा गांव की थी। इस मामले में मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा और विभु दत्त गुरु को डबल बेंच में जनहित याचिका के रूप में सुनवाई हुई। जिसमें मुख्य न्यायाधीश ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर टिप्पणी करते हुए कहा कितनी गलत बात है..? कि स्कूल से लौटते वक्त 4 बच्चे पानी में डूब जाते हैं। यह सरकार की भी जिम्मेदारी है। वही कांकेर में प्रकाशित एक अन्य खबर को भी संज्ञान लिया है जिसमें स्कूली बच्चों को जान जोखिम में डालते हुए नाला पार कर स्कूल जाने की मजबूरी नजर आई। इन दोनों खबरों के मीडिया में प्रकाशित किए जाने पर हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया। वही इस मामले में राज्य शासन की तरफ से मुख्य सचिन को व्यक्तिगत शपथ पत्र में जवाब देने का आदेश दिया था। कांकेर से मामले में सरकार ने कहा कि पुलिया बनाने का प्रस्ताव बना लिया गया है जिसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

कलेक्टर को बीईओ के निलंबन अधिकार नहीं

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने जगदलपुर में पदस्थ बीईओ मानसिंह भारद्वाज के निलंबन आदेश को रद्द कर दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने कहा कि कलेक्टर को ऐसा आदेश देने का अधिकार नहीं है। उन्होंने यह आदेश अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर जारी किया।

दरअसल, मानसिंह भारद्वाज ने हाईकोर्ट में याचिका लगाकर बताया कि वे 2 जून से 6 जून 2025 तक अपने भतीजे की शादी में शामिल होने मध्यप्रदेश के सिवनी गए थे।उनकी छुट्टी स्वीकृत थी, लेकिन 4 जून को उसे रद्द कर दिया गया और 5 जून को उपस्थिति देने का निर्देश मिला। वे लौटते उससे पहले ही 6 जून को निलंबन आदेश जारी कर दिया गया। याचिकाकर्ता का कहना था कि कार्रवाई से पहले न तो कारण बताओ नोटिस दिया गया और न ही कोई व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर मिला। पहले सिंगल बेंच ने याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद डिवीजन बेंच में अपील दायर की गई। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि कलेक्टर नियुक्ति प्राधिकारी नहीं हैं, इसलिए उनके पास निलंबन का अधिकार नहीं है। यह अधिकार केवल संभागीय आयुक्त या स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव को है। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की, कि आदेश पर कलेक्टर के हस्ताक्षर नहीं थे, बल्कि किसी अधीनस्थ अधिकारी ने हस्ताक्षर किए थे, जो नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि संभागीय आयुक्त चाहें तो नियमों के तहत दो सप्ताह के भीतर आवश्यक कार्रवाई कर सकते हैं।

कार्यालय आयुक्त चिकित्सा शिक्षा

स्वास्थ्य भवन, द्वितीय तल, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर, अटल नगर, छ.ग. 492002

क्रमांक / 6694 / छात्र/ काउंसिलिंग / संचिशि / 2025 रायपुर, दिनांक/28/07/2025

छ.ग. राज्य शासकीय एवं निजी चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा महाविद्यालयों में NEET-UG (MBBS & BDS) पाठ्यक्रम में प्रवेश वर्ष 2025 हेतु ऑनलाईन आवेदन सूचना

छत्तीसगढ़ राज्य के शासकीय एवं निजी चिकित्सा महाविद्यालयों एवं दंत चिकित्सा महाविद्यालयों में संचालित स्नातक पाठ्यक्रम (एमबीबीएस/ बीडीएस) में प्रवेश वर्ष 2025 हेतु ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये जाते है।

सभी आवेदक ऑन-लाईन आवेदन करने के पूर्व क्रमांक: RULE-503/30/2025/ MED. छत्तीसगढ़ चिकित्सा, दंत चिकित्सा एवं भौतिक चिकित्सा (फिजियोथेरेपी) स्नातक प्रवेश नियम, 2025 (विशेषकर आरक्षण/ काउंसिलिंग प्रक्रिया/ बॉण्ड इत्यादि) का पूर्णत: अध्ययन कर ही ऑनलाईन आवेदन प्रारंभकरें, जो की वेबसाइट www.cgdme.in एवं https://cgdme.admissions.nic.in/ में उपलब्ध है।

क्र.	प्रक्रिया का विवरण	विवरण
1	ऑनलाईन आवेदन शुल्क (Non Refundable)	1. अनारक्षित श्रेणी (UR) एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) श्रेणी हेतु रू. 1000/- (रू. एक हजार मात्र) 2. अनुसूचित जनजाति (ST) एवं अनुसूचित जाति (sc) श्रेणी हेतु रू. 500/- (रू. पांच सौ मात्र) 3. अप्रवासी भारतीय नियतांश (NRI) हेतु रू. 10000/- (रू. दस हजार मात्र)
2	पंजीयन राशि (सुरक्षा निधि राशि) -(Registration/ Security Deposit Money)	देखें इस सूचना के पेज क्र.2 की पंजीयन राशि तालिका
3	ऑनलाईन आवेदन- प्रारंभ तिथि	दिनांक 29 जुलाई 2025, समय Server Time 11:00 Hrs (11:00 AM) से
4	ऑनलाईन आवेदन- अंतिम तिथि	दिनांक 04 अगस्त 2025, समय Server Time 23:59 Hrs (11:59 PM) तक
5	च्वाइस फिलिंग एवं लॉकिंग (Choice Filling and Locking)	दिनांक 29 जुलाई 2025, समय Server Time 11:00 Hrs (11:00 AM) से दिनांक 05 अगस्त 2025 समय Server Time 23:59 Hrs (11:59 PM) तक

ऑनलाईन आवेदन से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाइट www.cgdme.in एवं https://cgdme.admissions.nic.in/ का अवलोकन करें। (आयुक्त चिकित्सा शिक्षा द्वारा अनुमोदित)

अध्यक्ष,
काउंसिलिंग समिति,
संचालनालय चिकित्सा शिक्षा

जी. 252602450/3

परमिट खत्म होने के बाद भी दौड़ रही साढ़े 6 सौ गाड़ियां फंसीं, कल से होगी सुनवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ में परमिट खत्म होने के बाद भी सड़कों पर दौड़ रही 652 बसें अब परिवहन विभाग के शिकंजे में आ चुकी हैं। विभाग ने इन गाड़ियों के मालिकों का पक्ष सुनने के लिए उन्हें एक मौका दिया है। इस मामले में 31 जुलाई से सुनवाई शुरू होगी। या तो गाड़ी वाले परमिट का नवीनीकरण कराने के लिए फीस अदा करेंगे या उनका परमिट निरस्त कर दिया जाएगा। परिवहन विभाग ने पता लगाया था कि राज्य में 1 हजार 114 वाहन परमिट की अवधि समाप्त होने के बाद भी वाहनों का संचालन कर रहे हैं। इनका परमिट साल-दो साल या बरसों पहले खत्म हो गया है। परिवहन विभाग ने इस तरह बिना वैध परमिट चल रही 14 बसों के संचालकों, मालिकों को नोटिस जारी किया था। बताया गया है कि नोटिस जारी होने के बाद वाहनों के संचालक सामने आए। कई के पास परमिट नवीनीकरण के दस्तावेज मौजूद थे, लेकिन साफ्टवेयर में अपडेट नहीं हुआ था। इस तरह के वाहनों को क्लीयरेंस दे दिया गया। लेकिन 652 वाहन मालिक फंस गए।

परिवहन विभाग के सूत्रों के अनुसार इस मामले में विभाग ने तय किया कि जिन वाहनों के परमिटों का नवीनीकरण कराए बिना संचालन हो रहा है, उन वाहनों के मालिकों को सुनवाई का एक मौका दिया जाना चाहिए। इसी आधार पर अब 31 जुलाई से विभाग संबंधित वाहन मालिकों की सुनवाई वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से करने वाला है। इन गाड़ी वालों के खिलाफ अब कार्रवाई होगी। या तो इन्हें नवीनीकरण कराना होगा या परमिट रद्द किया जाएगा। इस पूरे मामले को लेकर सवाल ये भी है कि परिवहन विभाग की जांच चौकियां और उड़न दस्तें क्यों इन वाहनों को बेजा तरीके से चलने से रोक नहीं पाए हैं।

सरकार को राजस्व की क्षति

खास बात ये है कि परिवहन विभाग राज्य के लिए राजस्व जुटाने वाला एक अत्यंत महत्वूर्ण अमला है, लेकिन परमिट खत्म होने के बाद भी गाड़ियों के संचालन से विभाग को राजस्व की क्षति हो रही है। हर नवीनीकरण के लिए उतनी ही राशि लगती है, जितनी परमिट जारी करने के लिए लगती है। इस हिसाब से राज्य शासन को इससे करोड़ो रुपयों की इस हिसाब से राज्य शासन को इससे करोड़ो रुपयों की क्षति का अनुमान है।

पांच साल में नवीनीकरण का है नियम

मोटरयान अधिनियम की धारा 87 के अधीन जारी अस्थायी परमिट या धारा 88 की उपधारा (8) के अधीन जारी विशेष परमिट से भिन्न कोई परमिट उसके जारी होने या नवीनीकरण की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी होगा। इसका मतलब ये है कि परमिट पांच वर्ष के लिए होगा, उसके बाद नवीनीकरण कराना होगा। नियम में साफ है कि परमिट की समाप्ति की तारीख से कम से कम पंद्रह दिन पूर्व आवेदन करने पर उसका नवीनीकरण किया जा सकेगा।

न्यायालय तहसीलदार नजूल जिला-कोरबा (छत्तीसगढ़)

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र. 202507051100002/अ-20 (1)/2024-25
ग्राम-कोरबा, प.ह.नं. 16 तहसील व जिला-कोरबा (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि ग्राम/नगर कोरबा प.ह.नं. 16, रा.नि.मं. कोरबा तहसील व जिला कोरबा स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 274/1क रकबा 17.40 एकड़ एवं खसरा नंबर 291/1 रकबा 11.60 एकड़, कुल रकबा 29.00 एकड़ भूमि को "आई.डी.एस.एम.टी. योजनान्तर्गत भू-खण्ड योजना" हेतु आयुक्त नगर पालिक निगम कोरबा को भूमि आबंटित किया जाना प्रस्तावित है।

इस संबंध में जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 11.08.2025 तक दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा के साथ जारी किया गया।

तहसीलदार नजूल
कोरबा (छत्तीसगढ़)

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)

मुख्य कार्यालय-साकेत भवन, आई.टी.आई. चौक, कोरबा (छ.ग.)
सर्वमंगला नगर जोन

फा.क्र./877 से 880/निर्माण (सर्वमंगला नगर जोन)/2025/ कोरबा दिनांक 23.07.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु मैनुअल निविदा दिनांक 13.08.2025 को सायं 3.00 बजे तक स्पीड पोस्ट से आमंत्रित की जाती है :-

1. निर्धारित प्रारूप में निविदा प्रपत्र प्राप्त होने अंतिम तिथि - 13.08.2025 सायंकाल 3:00 बजे तक
निविदा खुलने की तिथि से..... - 13.08.2025 सायंकाल 4:30 बजे से

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि में
1	वार्ड क्र. 64 इमलीछापर कपाटमुड़ा के नवापारा मोहल्ला में गणेश चौहान घर से रामलाल पटेल घर एवं लालाजी घर तक सी.सी. रोड का निर्माण कार्य। (पार्षद मद 2025-26)	7,00,000/-
2	वार्ड क्र. 61 में सूरज घर से कन्हैया पटेल घर तक सी.सी. रोड एवं नाली का निर्माण कार्य। (पार्षद मद 2025-26)	7,00,000/-
3	वार्ड क्र. 62 अंतर्गत पार्षद घर के पास सी.सी. रोड एवं कलवर्ट का निर्माण कार्य। (पार्षद मद 2025-26)	7,00,000/-
4	वार्ड क्र. 66 डंगनियाखार में घूर सिंह घर एवं गरीब सिह घर के पास कलवर्ट एवं नाली का निर्माण कार्य। (पार्षद मद 2025-26)	7,00,000/-

नगर निगम के विभागीय वेबसाइट Website: www.korbamunicipal.in एवं www.uad.cg.gov.in से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम कोरबा (छ.ग.)

बिलासपुर

बुधवार, 30 जुलाई 2025

श्रावण शुक्ल पक्ष षष्ठी

वर्ष : 25, अंक : 129

पृष्ठ : 10+6 = 16 मूल्य : 4.00***

मौसम

अधि. 27.8

न्यून. 24.6

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

haribhoomi.com

समाचार ही नहीं, विचार भी

7 गिल-विराट सहित इन बल्लेबाजों ने टेस्ट...

विचार पेज

2 सब भाषाओं को पढ़कर जुड़ेगा भारत

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

वर्ल्डकप जीतने पर दिव्या को रास में दी गई बधाई

नई दिल्ली। राज्यसभा में शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख को फिडे महिला शतरंज विश्व कप 2025

जीतने के लिए बधाई दी गई। बैठक शुरू होने पर उप सभापति हरिवंश ने दिव्या की उपलब्धि का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने देश को गौरवान्वित किया है। हरिवंश ने कहा कि यह उपलब्धि शतरंज के क्षेत्र में एक नया प्रतिमान है।

दोषसिद्धि के 19 साल बाद तीन दोषी बरी

अहमदाबाद। गुजरात उच्च न्यायालय ने गोधरा कांड के बाद हुए दंगों से जुड़े एक मामले में तीन दोषियों को यह कहते हुए बरी कर दिया कि उनकी दोषसिद्धि विश्वसनीय साक्ष्यों पर आधारित नहीं थी। यह फैसला मामले में त्वरित अदालत के सचिन पटेल, अशोक पटेल और अशोक गुप्ता को दोषी ठहराए जाने और उन्हें पांच-पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाए जाने के लगभग 19 साल बाद आया।

1,490 तीर्थयात्रियों का 27वां जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू। दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा

मंदिर में दर्शन करने के लिए 1,490 तीर्थयात्रियों का 27वां जत्था भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ। 38 दिवसीय तीर्थयात्रा के दौरान अब तक 3.86 लाख से अधिक तीर्थयात्री बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं।

एसबीआई से 10 किलो सोना, 38 लाख की चोरी

हिंदूपुर। आंध्र प्रदेश में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा से 10 किलोग्राम सोना और 38 लाख रुपए नकद लूटकर चोर फरार हो गए। बैंक में सुरक्षा गार्ड तैनात नहीं था। यह घटना श्री सत्य साईं जिले के थुमकुंटा गांव में हुई। शनिवार देर रात करीब दो बजे हुई चोरी की इस घटना के बारे में पुलिस को सोमवार को जानकारी मिली। हिंदूपुर मंडल की थुमुकुंटा एसबीआई शाखा से 38 लाख रुपये नकद और 10 किलोग्राम सोना चोरी हो गया।

जगन्नाथ मंदिर में गुप्त कैमरे के साथ गिरफ्तार

पुरी। पुरी के जगन्नाथ मंदिर में गुप्त कैमरा लेकर पहुंचे एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया।

उसने गुप्त कैमरे वाला चश्मा पहना हुआ था और 12वीं सदी के इस मंदिर में फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी पूरी तरह प्रतिबंधित है। तैनात सुरक्षाकर्मियों को कैमरे की रोशनी चमकने पर संदेह हुआ।

ननों की गिरफ्तारी का मामला गहराया, सांसदों ने जेल में की मुलाकात

इंडिया गठबंधन के सांसदों से सीएम साय ने कहा- कानून स्वतंत्र रूप से कर रहा काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर/दुर्ग

धर्मांतरण और मानव तस्करी के आरोप में दो ननों की गिरफ्तारी का मामला और गहरा गया है। इंडिया गठबंधन के सांसदों ने मंगलवार को दोनों ननों से जेल में मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से भी सीएम हाउस में भेंट की और मामले की जानकारी से अवगत हुए। श्री साय ने उनको आश्वस्त किया कि मामले की जांच न्यायिक प्रक्रिया के तहत की जा रही है। कानून स्वतंत्र रूप से अपना कार्य कर रहा है। इधर, ननों की जमानत अर्जी कोर्ट ने नामंजूर कर दी। दोनों अभी दुर्ग जेल में हैं। इंडिया गठबंधन के सांसदों ने ननों को फंसाए जाने का आरोप लगाते हुए संसद में भी मामले को उठाने की बात कही है।

छत्तीसगढ़ के दुर्ग में धर्मांतरण और मानव तस्करी के आरोप में दो नन की गिरफ्तारी के बाद सियासत गर्म है। मंगलवार को दुर्ग जेल में बंद दोनों नन से मिलने के लिए इंडिया गठबंधन के सांसद छत्तीसगढ़ पहुंचे। इनमें केरल के चार सांसद शामिल हैं। उन्होंने जेल में ननों से मुलाकात की, साथ ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से भी मिले और वस्तुस्थिति से अवगत कराया। इधर, दुर्ग जेल में बंद ननों की जमानत ⏭शेष पेज 6 पर

हरिभूमि फॉलोअप

दुर्ग में नन की गिरफ्तारी की गूंज दिल्ली तक, राहुल और प्रियंका भी कूदे, संसद के बाहर जोरदार प्रदर्शन

- दो नन की गिरफ्तारी के बाद सियासत गर्म
- केरल से चार सांसद पहुंचे

भूपेश बघेल भी जेल परिसर पहुंचे

मामले में पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा, कांग्रेस के सांसदों ने जेल प्रबंधन से ननों से मिलने के लिए समय मांगा। जब आज का समय मिला तो वो लोग मिलने आए, लेकिन प्रबंधन ने सांसदों को कल मिलने के लिए कहा। जब इस बात की जानकारी मुझे लगी तो मैं भी यहां आया और जेल प्रबंधन से पूछा कि जब ⏭शेष पेज 6 पर

डिप्टी सीएम बोले...

छत्तीसगढ़ में ननों की गिरफ्तारी मामले केरल के भाजपा महामंत्री अनूप एंटोनी मंगलवार को रायपुर पहुंचे। एंटोनी ने डिप्टी सीएम व गृहमंत्री विजय शर्मा के निवास पर उनसे मुलाकात कर बैठक की।

अनूप एंटोनी केरल भाजपा के स्टेट जनरल सेक्रेटरी है। मंगलवार को उन्होंने गृहमंत्री विजय शर्मा से मुलाकात करने के लिए उनके निवास पहुंचे। इस दौरान धर्मांतरण केस में अरेस्ट दो ननों की गिरफ्तारी को लेकर बातचीत हुई। बता दें कि गिरफ्तार दोनों केरल की रहने ⏭शेष पेज 6 पर

मुख्यमंत्री ने कहा-

न्यायिक प्रक्रिया के तहत की जा रही जांच

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मंगलवार को मंत्रालय, महानदी भवन में केरल एवं ओडिशा के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में लोकसभा सांसद चलाकुडी से बेनी बेहनन, कोट्टायम से के. फ्रांसिस जॉर्ज, कोल्लम से एन. के. प्रेमचंद्रन, कोरापुट से सप्तगिरि उल्का, और केरल विधानसभा सदस्य श्रीमती रोजी एम. जॉन शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से राज्य में हाल ही में चर्चा में आए धर्मांतरण प्रकरण की जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ एक शांतिप्रिय और समरसता में विश्वास रखने वाला प्रदेश है, जहां सभी धर्मों के लोग सौहार्दपूर्वक रहते हैं। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि मामले की जांच न्यायिक प्रक्रिया के तहत की जा रही है। कानून स्वतंत्र रूप से अपना कार्य कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश की बेटियाँ और नागरिक सुरक्षित और सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत करें।

- साय से केरल एवं ओडिशा के सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने की सौजन्य मुलाकात

दिन में 50 बार से ज्यादा चेक नहीं कर पाएंगे बैलेंस, 1 अगस्त से यूपीआई बदल रहा नियम

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

यूपीआई यानी यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस का इस्तेमाल देश में तेजी से बढ़ा है। लेकिन एक अगस्त में इसके नियमों में बदलाव होने जा रहा है। दरअसल, एक अगस्त के बाद से एक दिन में यूपीआई ऐप के जरिए पचास बार से ज्यादा आप अपना बैलेंस नहीं चेक कर पाएंगे।

मर्चेंट्स से लेकर बैंक और यूजर्स सभी के लिए ये बदलाव वाला नियम लागू होगा। यूपीआई पर ऑटो-पे ट्रांजेक्शन (जैसे बिल पेमेंट, ईएमआई और सब्सक्रिप्शन) का समय अब निश्चित स्लॉट में ही हो पाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये समय सुबह 10 बजे के पहले या फिर दोपहर एक बजे से लेकर शाम के पांच बजे के बीच रहेगा। इसके अलावा, रात साढ़े नौ बजे के बाद भी स्लॉट फिक्स हो पाएगा। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि ट्रांजेक्शन तेजी से हो पाएंगे और सिस्टम पर लोड कम पड़ेगा।

अप्रैल में यूजर्स परेशान हुए थे

यदि कोई ट्रांजेक्शन फेल हो जाता है, तो आप सिर्फ तीन दिन बाद में उसका स्टैटस देख सकते हैं। इसके लिए कम से कम 90 सेकेंड का हर बार गैप होना चाहिए। यूपीआई के सभी यूजर्स पर ये नियम लागू होंगे, वो चाहे गूगल पे, फोन पे या फिर पेटीएम के यूजर्स हों। इस साल मार्च और अप्रैल के महीने में सिस्टम डाउन होने की दो बड़ी घटनाएं हुई थी, जिसकी वजह से लाखों यूजर्स परेशान हुए थे।

फिंगरप्रिंट से भी कर पाएंगे पेमेंट

बायोमेट्रिक पेमेंट में पहचान फिंगरप्रिंट, फेस आईडी जैसी अनोखी शारीरिक विशेषताओं से होगी। ये पिन या पासवर्ड से ज्यादा सुरक्षित और आसान है, क्योंकि इसे कॉपी करना मुश्किल है। जैसे आप अपने स्मार्टफोन को फिंगरप्रिंट और फेस आईडी के जरिए अनलॉक कर पाते हैं। पिन की तुलना में बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन से फ्रॉड का खतरा कम रहता है। वहीं ये सिस्टम तेज और ज्यादा आसान होगा।

बस्तर में ऑपरेशन

मुठभेड़ में नक्सली ढेर ब्लास्ट में 3 जवान घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- वर्दीधारी शव के अलावा हथियार, गोलाबारूद, विस्फोटक बरामद
- सुकमा के अंदरूनी इलाके में फोर्स ने चलाया तलाशी अभियान

सुकमा जिले में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक वर्दीधारी नक्सली को जवानों ने ढेर कर दिया है। वहीं, ऑपरेशन के दौरान आईईडी ब्लास्ट होने से डीआरजी के तीन जवान घायल हो गए है। देर शाम तक दोनों ओर से रूक रूककर फायरिंग होती रही।

बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सुकमा-दंतेवाड़ा जिले के सरहदी इलाके में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षाबलों द्वारा क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन प्रारंभ किया गया था। ऑपरेशन के दौरान मंगलवार सुबह से सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच देर शाम तक रुक-रुककर कई बार मुठभेड़ हुई।

अब तक तलाशी अभियान के दौरान एक वर्दीधारी पुरुष नक्सली का शव बरामद किया गया है। वहीं, मुठभेड़ स्थल से हथियार, गोलाबारूद, ⏭शेष पेज 6 पर

ऑपरेशन जारी, फोर्स के लौटने का इंतजार

आईजी ने बताया कि चूंकि ऑपरेशन अभी भी जारी है, इसलिए मुठभेड़ स्थल, ऑपरेशन में शामिल यूनिट्स तथा अन्य संवेदनशील जानकारी सुरक्षा कारणों से इस समय साझा नहीं की जा सकती। ऑपरेशन पूर्ण होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट अलग से प्रदान की जाएगी।

नक्सलियों के शहीदी सप्ताह के दौरान मिली सफलता

नक्सलियों द्वारा 28 जुलाई से 3 अगस्त तक हर वर्ष शहीदी सप्ताह मनाया जाता है। इस बार नक्सलियों के अंदरूनी इलाकों में शहीदी सप्ताह के दूसरे दिन सुरक्षाबलों ने नक्सल संगठन को तगड़ा झटका देते हुए उनके एक वर्दीधारी साथी को मार गिराया है। वहीं भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक व गोलाबारूद बरामद किया गया है। गौरतलब है कि नक्सली शहीदी सप्ताह के दौरान अंदरूनी इलाकों में अपने मारे गए साथियों को श्रद्धांजलि देने कार्यक्रम आयोजित करते है। इस दौरान नक्सल स्मारक ⏭शेष पेज 6 पर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अगर यही रवैया रहा तो हर दोषी जेल में ही मरेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने नीतीश कटारा मर्डर के एक मामले में सजा समीक्षा बोर्ड को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने मार्च में 20 साल की सजा पूरी कर लेने के बाद भी एक दोषी को रिहा नहीं करने पर कोर्ट नाराज दिखा। कहा कि अगर यही हाल रहा तो हर दोषी जेल में ही मरेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 2002 के नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी सुखदेव यादव उर्फ पहलवान को रिहा करने का आदेश दिया। कोर्ट ने माना कि इस साल मार्च में उसने ⏭शेष पेज 6 पर

- सजा काटने के बाद भी दोषी की रिहाई रोकने पर कोर्ट खफा

क्या है मामला : बता दें कि 3 अक्टूबर 2016 को सुप्रीम कोर्ट ने विकास यादव और उसके चचेरे भाई विशाल यादव को नीतीश कटारा के अपहरण और हत्या के लिए बिना किसी छूट के 25 साल की जेल की सजा सुनाई थी।

हाईकोर्ट के आदेश को दी थी चुनौती

गौरतलब है कि नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी सुखदेव यादव की याचिका में दिल्ली हाईकोर्ट के नवंबर 2024 के आदेश को चुनौती दी गई थी। इसमें उन्हें तीन सप्ताह के लिए फर्लो पर रिहा करने की उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी।

बस और ट्रक की टक्कर में छह कांवड़ियों की मौत, 24 घायल

एजेंसी ⏭ रांची/देवघ

झारखंड के देवघर में मंगलवार को एक बस और एक ट्रक के बीच टक्कर होने से कम से कम छह कांवड़ियों की मौत हो गई और 24 अन्य लोग घायल हो गए।अधिकारी ने बताया कि कांवड़ियों को ले जा रही एक बस मोहनपुर थाना क्षेत्र के जमुनिया जंगल के पास सुबह करीब साढ़े पांच बजे गैस सिलेंडर ले जा रहे एक ट्रक से टकरा गई। देवघर के उपायुक्त नमन प्रियेश लाकड़ा ने बताया, देवघर के जमुनिया में हुए हादसे में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए।

देवघर में बड़ा हादसा

सीएम सोरेन ने जताया शोक

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कांवड़ियों की मौत पर शोक व्यक्त किया और कहा कि जिला प्रशासन बचाव अभियान में लगा हुआ है। घायलों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

सांसद का दावा 18 की हुई मौत

सांसद निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि इस दुर्घटना में 18 कांवड़ियों की मौत हुई है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "मेरे लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत देवघर में श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के दौरान बस और ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण 18 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है।

पड़ोसी जिलों में पूरा हो चुका जुलाई का कोटा, बेमेतरा में अब तक 312.7 मिमी. बारिश

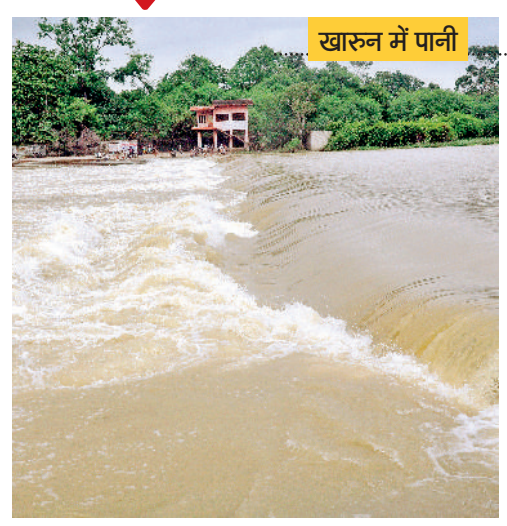

- छत्तीसगढ़ में अब तक 611.5 मिमी वर्षा, रायपुर समेत 31 जिले में जुलाई की औसत बारिश का आंकड़ा पार

बेमेतरा जिला बना 'रेन शैडो एरिया'

पांच साल से झेल रहा अल्पवर्षा का संकट, इस बार भी 38 फीसदी कम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दुर्ग से अलग होकर जिला बना बेमेतरा रेन शैडो एरिया बन चुका है। पिछले पांच साल से वहां के लोगों को अल्पवर्षा का संकट झेलना पड़ता है। जुलाई में जहां पड़ोसी जिलों में औसत से अधिक बारिश हो चुकी है, वहीं बेमेतरा मे 312.7 मिमी. वर्षा हुई, जो सामान्य से 38 फीसदी ⏭शेष पेज 6 पर

हरिभूमि सरोकार

पड़ोसी जिलों में पर्याप्त बारिश : बेमेतरा से लगे जिलों में पर्याप्त मात्रा में बारिश हो चुकी है। इनमें कबीरधाम में 395 की तुलना में 495 मिमी., रायपुर में 467 की तुलना में 558 मिमी., बिलासपुर में 629 की तुलना में 770 मिमी., मुंगेली 470 की तुलना में 650 मिमी. और दुर्ग जिले में 473 की तुलना में ⏭शेष पेज 6 पर

वर्षा मापक यंत्र वाले क्षेत्र में कम वर्षा

मौसम विज्ञान केंद्र की विशेषज्ञ डॉ. गायत्री वाणी कांचिभोटला का कहना है कि वर्षा की मात्रा की गणना निर्धारित स्टेशन में मौजूद यंत्र के माध्यम से की जाती है। संभवतः बेमेतरा में जिस इलाके में स्टेशन हो वहां कम बारिश हुई है और अन्य इलाके में स्थिति सामान्य हो।विभाग वर्षा मापक यंत्रों की संख्या बढ़ा रहा है। जिले की औसत वर्षा तीस साल की गतिविधि के आधार पर तय किया जाता है। हो सकता है कि बेमेतरा की औसत वर्षा सामान्य स्थिति से अधिक हो।

चिंतन

एसआईआर संबंधी सभी आशंकाएं दूर करे आयोग

बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दूसरी बार सुनवाई की है। अब शीर्ष अदालत ने साफ कहा है कि बिहार में यदि मतदाता सूची के एसआईआर में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए जाते हैं, तो न्यायालय हस्तक्षेप करेगा। न्यायालय के इस कथन को चुनाव आयोग को गंभीर चेतावनी के रूप में लेना चाहिए। अभी गत 23 जुलाई को बिहार राज्य चुनाव आयोग ने एसआईआर की जारी प्रक्रिया के दौरान एक दिलचस्प आंकड़ा दिया कि बिहार में मतदाता सूची में दर्ज नामों में से 20 लाख की मौत हो चुकी है, 7 लाख मतदाता फर्जी हैं, लगभग 28 लाख अपने पहले पंजीकृत किए गए स्थानीय पते से स्थायी रूप से पलायन कर गए हैं, 1 लाख मतदाता लापता हैं व करीब 15 लाख मतदाता फॉर्म वापस नहीं आए हैं। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग ने कहा है कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 65 लाख लोगों ने गणना प्रपत्र जमा नहीं किए हैं, क्योंकि वे या तो मृत हैं या स्थायी रूप से कहीं और स्थानांतरित हो गए हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को आईना भी दिखाया है कि आप ऐसे 15 लोगों को लेकर आइए, जिन्हें मृत बताया गया है, लेकिन वे जीवित हैं। इस आलोक में सर्वोच्च न्यायालय की चेतावनी स्पष्ट है। हालांकि दूसरा अहम पहलू यह भी है कि बिहार में बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी व नेपाली प्रवासी मतदाता लिस्टेड हैं। एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को दुरुस्त करना, साफ-सुथरा व पारदर्शी बनाना है और अयोग्य, डुप्लिकेट/फर्जी या गैर-मौजूद प्रविष्टियों को हटाया जाना है। पहली सुनवाई 10 जुलाई को हुई थी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया जारी रखने की अनुमति देते हुए उससे आधार, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने पर विचार करने को कहा था। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21 भारत निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची तैयार करने और संशोधित करने का अधिकार देती है, जिसमें दर्ज कारणों के साथ किसी भी समय विशेष संशोधन करना भी शामिल है। संविधान के अनुच्छेद 324 निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची तैयार करने और चुनाव कराने का पर्यवेक्षण तथा नियंत्रण करने की शक्ति प्रदान करता है। मोहिंदर सिंह गिल बनाम मुख्य चुनाव आयुक्त मामले, 1977 में सर्वोच्च न्यायालय ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए अनुच्छेद 324 के तहत केंद्रीय चुनाव आयोग की व्यापक शक्तियों को बरकरार रखा, जिसमें आवश्यकता पड़ने पर पुनर्मतदान का आदेश देना भी शामिल है, और इस बात पर जोर दिया कि अनुच्छेद 329(बी) के अनुसार चुनावों के दौरान न्यायिक समीक्षा प्रतिबंधित है। देश के विभिन्न भागों में वर्ष 1952–56, 1957, 1961, 1965, 1966, 1983–84, 1987–89, 1992, 1993, 1995, 2002, 2003 और 2004 में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) आयोजित किए गए थे। अनुच्छेद 327 संसद को विधानमंडलों के चुनावों के संबंध में प्रावधान करने का अधिकार प्रदान करता है। अनुच्छेद 328 राज्य की विधानमंडल को उसके अपने चुनावों के संबंध में प्रावधान करने का अधिकार देता है। एसआईआर एक व्यक्ति एक वोट के अधिकार को सशक्त करता है। दरअसल, एसआईआर के दौरान जन्म प्रमाण पत्र या वंशानुगत दस्तावेज़ों की मांग को परोक्ष रूप से नागरिकता परीक्षण के रूप में देखा जा रहा है।

भाषा विवाद

विवेक शुक्ला

सब भाषाओं को पढ़कर जुड़ेगा भारत

सच पूछो तो भाषा के मसले पर होने वाले विवादों का एक मात्र हल है कि हम अपनी मातृभाषा के अलावा भी किसी प्रांत की जुबान पढ़ें और सीखें। अगर सारे देश के स्कूलों के बच्चे अपनी मातृभाषा के अलावा किसी अन्य राज्य की भाषा भी पढ़ें और सीखें तो कितना अच्छा हो। मुंबई के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को तमिल, बांग्ला, असमिया आदि जुबानें सीखने का अवसर मिले और तमिलनाडु के बच्चों को पंजाबी, हिन्दी, मलयाली आदि भाषाएं सीखने का विकल्प हो। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, जहां भाषा और संस्कृति लोगों को जोड़ने के साथ-साथ अलग भी करती है, बहुभाषी शिक्षा एकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है।

भारत में अपने देश की भाषाओं को लेकर होने वाले विवाद से संबंधित हम सब खबरें पढ़ते रहते हैं। इस मसले पर सियासत भी खूब होती है। तो इस समस्या का हल क्या है? सच पूछो तो भाषा के मसले पर होने वाले विवादों का एक मात्र हल है कि हम अपनी मातृभाषा के अलावा भी किसी प्रांत की जुबान पढ़ें और सीखें। अब एक उदाहरण लीजिए। सुष्मिता बोस और अमना जकी राजधानी के अपने स्कूल की लाइब्रेरी के बाहर धाराप्रवाह पंजाबी में बातचीत कर रही थीं। इनके बीच में हो रहे संवाद को सुनकर कोई नहीं कह सकता था कि इन दोनों की मातृभाषा पंजाबी नहीं है। बांग्ला भाषी सुष्मिता और अमना के घर में उर्दू या कहें हिन्दुस्तानी बोली जाती हैं। इन दोनों ने पंजाबी लिखना और बोलना अपने राजधानी के दशमेश पब्लिक स्कूल, विवेक विहार में सीखा। इधर पंजाबी भाषा सभी बच्चों को आठवीं कक्षा तक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ाई जाती है।

अगर सारे देश के स्कूलों के बच्चे अपनी मातृभाषा के अलावा किसी अन्य राज्य की भाषा भी पढ़ें और सीखें तो कितना अच्छा हो। मुंबई के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को तमिल, बांग्ला, असमिया आदि जुबानें सीखने का अवसर मिले और तमिलनाडु के बच्चों को पंजाबी, हिन्दी, मलयाली आदि भाषाएं सीखने का विकल्प हो। दशमेश पब्लिक स्कूल की मैनेजिंग कमेटी के चेयरमैन सरदार बलबीर सिंह कहते हैं कि भारत में 22 आधिकारिक भाषाएं और सैकड़ों बोलियां बोली जाती हैं, जो इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती हैं। लेकिन यह विविधता कभी-कभी क्षेत्रीय और भाषाई दीवारें भी खड़ी कर देती है, जो लोगों के बीच आपसी समझ और एकता को कमजोर कर सकती है। इस संदर्भ में, भारत के स्कूलों में विभिन्न प्रांतों की भाषाओं को पढ़ाने की अवधारणा न केवल एक शैक्षिक सुधार है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देने का एक प्रभावी माध्यम भी हो सकता है। भारत में भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि यह संस्कृति, इतिहास, और पहचान का प्रतीक भी है। प्रत्येक भाषा अपने साथ साहित्य, परंपराएं, और जीवनशैली की एक अनूठी झलक लेकर आती है। उदाहरण के लिए, बांग्ला भाषा रवींद्रनाथ टैगोर और बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जैसे साहित्यकारों की विरासत को समेटे हुए है, तो पंजाबी भाषा गुरबानी और लोक संगीत की जीवंतता को दर्शाती है। इसी तरह, असमिया और मलयालम जैसी भाषाएं अपनी साहित्यिक और सांस्कृतिक गहराई के लिए जानी जाती हैं। आजकल महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध हो रहा है। ये दुखद है। वे इस बाबत महाराष्ट्र के संत नामदेव का उदाहरण देते हैं। वे मूल रूप से महाराष्ट्र से थे। उन्होंने अपने जीवन के करीब दो दशक पंजाब में व्यतीत किए। उनके अनेक दोहे श्री गुरु ग्रंथ साहिब में हैं। संत नामदेव के नाम पर एक मंदिर भीष्म पितामह मार्ग है। इसे संत नामदेव ट्रस्ट चलाता है। नामदेव ने मराठी के साथ ही साथ हिन्दी में भी रचनाएं लिखीं। आज भी इनके रचित गीत पूरे महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब समेत सारे देश में भक्ति और प्रेम के साथ गाए जाते हैं। संत नामदेव का जन्म सन् 1270 में महाराष्ट्र के जिला सतारा में हुआ। उनके जीवन के साथ अनेक अलौकिक घटनाएं जुड़ी हुई हैं परंतु उन्होंने कभी

भी करामाती होने का दावा नहीं किया। प्रख्यात शिक्षाविद सरिता सक्सेना कहती हैं कि यदि स्कूलों में बच्चों को विभिन्न प्रांतों की भाषाएं पढ़ाई जाएं, तो यह न केवल उनकी भाषाई क्षमता को बढ़ाएगा, बल्कि उन्हें अन्य क्षेत्रों की संस्कृति, परंपराओं, और जीवनशैली को समझने का अवसर भी देगा। उदाहरण के तौर पर, एक बांग्ला भाषी बच्चा जो पंजाबी सीखता है, वह न केवल भाषा सीखेगा, बल्कि पंजाब के इतिहास, सिख संस्कृति, और वहां के लोकनृत्यों जैसे भांगड़ा को भी समझेगा। इसी तरह, एक हिंदी भाषी बच्चा जो असमिया सीखता है, वह असम के चाय बागानों, बिहू नृत्य, और वहां की प्राकृतिक सुंदरता से परिचित होगा। यह प्रक्रिया बच्चों में एक-दूसरे के प्रति सहानुभूति और सम्मान विकसित करेगी, जो राष्ट्रीय एकता की नींव बन सकती है। सरिता सक्सेना का कहना है कि जो बच्चे एक से अधिक भाषाएं सीखते हैं, उनकी संज्ञानात्मक लचीलापन, समस्या-समाधान क्षमता और रचनात्मक सोच में वृद्धि होती है। भारत जैसे बहुभाषी देश में, जहां हर कुछ सौ किलोमीटर पर भाषा और बोली बदल जाती है, बच्चों को विभिन्न भाषाएं सिखाने से उनकी बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी। उदाहरण के लिए, मलयाली बच्चों को हिंदी पढ़ाने से न केवल उन्हें एक नई भाषा सीखने का अवसर मिलेगा, बल्कि यह उन्हें उत्तर भारत की संस्कृति और साहित्य से जोड़ेगा। हिंदी, जो भारत की राजभाषा है, देश के कई हिस्सों में संवाद का प्रमुख माध्यम है। मलयाली बच्चे जब हिंदी सीखेंगे, तो वे हिंदी साहित्य के महान कवियों जैसे सूरदास, तुलसीदास और प्रेमचंद की रचनाओं से परिचित होंगे। यह उनके लिए एक नई सांस्कृतिक खिड़की खोलेगा। भारत में क्षेत्रीयता और भाषाई पहचान कई बार सामाजिक तनाव का कारण बनती है। सरदार बलबीर सिंह कहते हैं कि विभिन्न भाषाई समूहों के बीच गलतफहमियां और पूर्वाग्रह अक्सर इसलिए उत्पन्न होते हैं, क्योंकि लोग एक-दूसरे की संस्कृति और भाषा से अपरिचित होते हैं। यदि स्कूलों में बच्चों को कम उम्र से ही विभिन्न प्रांतों की भाषाएं सिखाई जाएं, तो यह एक-दूसरे के प्रति समझ और सहानुभूति को बढ़ावा देगा। उदाहरण के तौर पर, जब एक बांग्ला भाषी बच्चा पंजाबी सीखता है, तो वह न केवल भाषा सीखता है, बल्कि पंजाब की संस्कृति, त्योहारों और जीवनशैली को भी समझता है। बहुभाषी शिक्षा के व्यावहारिक लाभ भी कम नहीं हैं। भारत एक तेजी से वैश्विक होने वाला देश है, जहां नौकरी और व्यापार के अवसर अब क्षेत्रीय सीमाओं से परे हैं। विभिन्न भाषाओं का ज्ञान बच्चों को भविष्य में बेहतर अवसर प्रदान कर सकता है। इसके अलावा, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्र में भी बहुभाषी शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जब लोग एक-दूसरे की भाषा और संस्कृति को समझते हैं, तो वे अधिक आसानी से एक-दूसरे के साथ घुल-मिल सकते हैं। हालांकि विभिन्न प्रांतों की भाषाओं को स्कूलों में पढ़ाने का विचार आकर्षक है।

इसके कार्यान्वयन में कई चुनौतियां भी हैं। सबसे पहले, भारत में शिक्षा का ढांचा पहले से ही जटिल है और कई स्कूलों में संसाधनों की कमी है। विभिन्न भाषाओं को पढ़ाने के लिए योग्य शिक्षकों की आवश्यकता होगी, जो एक बड़ी चुनौती हो सकती है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए कुछ व्यावहारिक कदम उठाए जा सकते हैं। सबसे पहले, स्कूलों में भाषा शिक्षा को वैकल्पिक विषय के रूप में शुरू किया जा सकता है, ताकि छात्र अपनी रुचि के अनुसार भाषा चुन सकें। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, जहां भाषा और संस्कृति लोगों को जोड़ने के साथ-साथ अलग भी करती है, बहुभाषी शिक्षा एकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है।

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

असुरक्षा

योगेश कुमार सोनी

दिल्ली से लोग गायब हो रहे और शासन-प्रशासन मौन

देश की राजधानी दिल्ली से एक चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है जिससे हर कोई हैरान व विचलित सा हो गया है। मामला सीधे मानव जीवन से जुड़ा और यह दिल्ली वालों पर प्रहार भी माना जा रहा है। जोनल इंटीग्रेटेड पुलिस नेटवर्क (जिपनेट) के आंकड़ों के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से लगभग 8000 लोग लापता हो गए हैं जिनका अभी तक कोई सुराग नहीं लगा। लापता लोगों में महिलाएं और पुरुष दोनों शामिल हैं। हैरानी की बात ये है कि ये संख्या 1 जनवरी से 23 जुलाई तक की है। यानी 7 महीने में करीब आठ हजार लोगों का अब तक पता नहीं चल सका। देश की सबसे सुरक्षित कहे व समझे जाने वाली दिल्ली की यह स्थिति है तो बाकी राज्यों के विषय में सुरक्षा को लेकर सोचना बेमानी सा लग रहा है। चूंकि कैमरों व सुरक्षा से लैस दिल्ली में अपहरणकर्ताओं के हौसले इतने बुलंद हैं कि यह बेहद आश्चर्य की बात है। पीड़ा तब हुई जब इतनी बड़ी घटना को लेकर शासन-प्रशासन की ओर से किसी भी नेता व अधिकारी का बयान नहीं आया और यदि मीडिया ने बात करने की कोशिश भी तो किसी ने भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। बीते दिनों पूर्वी दिल्ली के सीमापुरी इलाके के अंतर्गत कुछ पत्रकारों ने भिखारियों के एक अड्डे पर रिपोर्टिंग करनी चाही लेकिन भिखारियों ने उन पर हमला कर दिया। पत्रकारों का उद्देश्य यह था कि जिन बच्चों व लोगों से भीख मंगवाई जाती है आखिर वह कौन हैं और उनकी पहचान क्या है? लेकिन वह अपने मिशन में कामयाब न हो सके। पत्रकारों ने इस मामले की पुलिस में शिकायत की लेकिन पत्रकारों के अनुसार वहां पुलिस भी जाने से डरती है और वह न जाने उन पर कार्यवाही करने में असक्षम क्यों है। दरअसल कुछ पत्रकारों को इस बात का शक है कि जो लोग गायब हो जाते हैं उनसे भीख मंगवाई जाती है व अन्य किसी घिनौने काम करने के लिए प्रयोग किया जाता है। यह मानव तस्करी का सबसे बड़ा उदाहरण भी है। बहरहाल,यह आंकड़े आने के बाद दिल्ली की जनता में एक भय का माहौल है और इसके बाद लोगों ने यही तय किया है कि अपना व अपने बच्चों की सुरक्षा का स्वयं ही ध्यान दिया जाए तो बेहतर है। चूकि यहां पुलिस बहुत ज्यादा कुछ नहीं कर पा रही। कारण क्या है, यह तो समझ से परे है लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए चूंकि जिन तंत्रों का प्रयोग करके पुलिस काम कर सकती है उतना स्वयं पीड़ित नहीं कर सकता। कूड़ा चुगने वाले, कबाड़ी वाले या सर्वे के नाम पर आपको सुविधा देने या बिना वजह पानी व बिजली या अन्य किसी की जांच करने वाले लोगों से सावधान रहने की जरूरत है चूंकि सबसे ज्यादा ऐसी घटनाओं को इसी तरह के लोग अंजाम देते हैं। इस तरह के लोग पहले रेकी करते हैं फिर उसके बाद शिकार करते हैं। सीसीटीवी में सबकुछ देखने के बाद भी कुछ न होना बहुत सारे सवाल खड़े कर जाता है। क्या यह गैंग इतना पावरफुल है कि इस पर अब तक कोई कार्यवाही नहीं हो पा रही या कोई अन्य बड़ा कारण? यह तो अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन इन आंकड़ों के आने के बाद सुरक्षा को लेकर कलई खुल गई। महानगरों में जितनी सुविधाएं हैं लेकिन रहने में उससे ज्यादा रिस्क भी बढ़ता जा रहा है। सिर्फ आंकड़ों की बात करें तो यह प्रत्येक दिन औसतन 35 से अधिक लोगों के लापता होने की गंभीर तस्वीर को उजागर करता है। यह न केवल कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाता है, बल्कि समाज में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी एक बड़ी बहस को जन्म देता है। यदि उत्तर पूर्वी जिले की बात करें तो कुल 730 मामले दर्ज किए गए, जो दूसरे स्थान पर है। इसके बाद दक्षिण पश्चिम जिले में 717 व दक्षिण पूर्व जिले में 689 और बाहरी जिले में 675 मामले दर्ज किए गए। जिपनेट के मुताबिक द्वारका में 644, उत्तर पश्चिम जिले में 636, पूर्वी जिले में 577 और रोहिणी जिले में गुमशुदगी के 452 ऐसे मामले दर्ज किए गए। मध्य जिले में 363 लोगों का सुराग नहीं मिल पाया है, जबकि उत्तर, दक्षिण और शाहदरा जिलों में क्रमशः 348, 215 और 201 लोग अब भी लापता हैं। इन आंकड़ों से यह तो तय हो जाता है कि पूरी दिल्ली में मानव जीवन पर प्रहार हो रहा है। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों पर कई तरह के सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। यदि सवाल सुरक्षा का है तो यहां शासन-प्रशासन को बेहद गंभीर होने की जरूरत है, चूंकि बुनियादी जरूरत भी न मिल सके तो बाकी की उम्मीद कैसे की जाए। किसी भी सरकार व प्रशासन का पहला नियम नागरिकों को सुरक्षा देना है और यदि ऐसा नहीं हो पा रहा है तो यह निराशाजनक स्थिति पैदा करता है, इसलिए ऐसे मामलों में सभी को अपने स्तर पर सक्रियता दिखानी होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सिया राम मय सब जग जानी

संकलित

दर्शन

हमारे वेद कहते हैं- सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया...अर्थात सब सुखी हों, सब निरोगी हों। वहां कोई, वर्ण, जाति, समूह और पक्ष-विपक्ष की बात ही नहीं है। हमारे ऋषि मुनियों ने युगों पहले यह सूत्र दे दिया था-वसुधैव कुटुंबकम यानी पूरी वसुधा ही हमारा परिवार है। संपूर्ण विश्व के लोगों के सुख और स्वास्थ्य की कामना भारतीय दर्शन का मूल है। न सिर्फ मनुष्य, बल्कि जीव मात्र के हित की इच्छा रखना ही सनातनी परिचय है। मैं राम कथा गाता हूं। राम राज के मूल में भी सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया की ही भावना है। भगवान श्रीराम ने सेतु बनाया। आज पूरे विश्व में समाज के विभिन्न वर्गों के बीच सेतु बनाए जाने की आवश्यकता है। जिसमें भी राम तत्व होगा, वह केवल जोड़ने की बात करेगा, तोड़ने की नहीं। सत्य, प्रेम और करुणा प्रमुख राम तत्व हैं। जिसमें ये तत्व होंगे, वह वंचितों तक पहुंचेगा। राम समाज के वंचित लोगों के पास स्वयं चलकर गए। केवट, शबरी, अहिल्या के प्रसंग इसके प्रमाण हैं। आज समाज की एक बड़ी जरूरत है कि सक्षम लोग वंचित लोगों तक, अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों तक स्वयं चल कर पहुंचें। मानस में नौ प्रकार की भक्ति का वर्णन हुआ है। शबरी के सामने गाई गई नौ प्रकार की भक्ति में गोस्वामी जी ने सातवीं भक्ति पूरे संसार को ब्रह्ममय मानना-देखना बताई है-'सातवं सम मोहि मय जग देखा।' जब हम पूरे संसार को ब्रह्ममय देखेंगे, महसूस करेंगे तो किसी के भी दोष दिखाई नहीं देंगे।

जिसका भी मनोबल जागा

संकलित

प्रेरणा

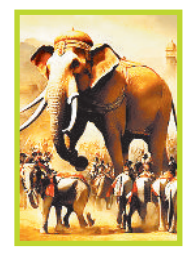

राजा सुकीर्ति के पास एक लौहश्रुन्ध नामक हाथी था। राजा ने कई युद्ध में उसपर चढ़ाई करके विजय पायी थी। बचपन से ही उसे इस प्रकार से तैयार किया गया था कि युद्ध में शत्रु सैनिको को देखकर वो उनपर इस तरह टूट पड़ता। समय गुजरता गया, अब वह पहले की तरह कार्य नहीं कर पाता था। इसलिए अब राजा उसे युद्ध क्षेत्र में भी नहीं भेजते थे। वह सिर्फ हाथी शाला की शोभा बन कर रह गया। एक दिन वह सरोवर में जल पीने के लिए गया, लेकिन वहीं कीचड़ में उसका पैर धंस गया और फिर धंसता ही चला गया। हाथी के फंसने का समाचार राजा तक भी पहुँचा। राजा समेत सभी लोग हाथी के आसपास ईकट्ठे हो गए और विभिन्न प्रकार के प्रयत्न उसे निकालने के लिए करने लगे। लेकिन बहुत देर तक प्रयास करने के उपरांत कोई मार्ग नहीं निकला। तभी गौतम बुद्ध मार्गभ्रमण कर रहे थे। राजा और सारा मंत्रीमंडल तथागत गौतम बुद्ध के पास गये और अनुरोध किया। गौतम बुद्ध ने सबसे पहले घटनास्थल का निरीक्षण किया। और फिर राजा को सुझाव दिया कि युद्ध का माहौल बनाया गया, वाद्ययंत्र मंगवाए गए। नगाड़े बजवाये गए और ऐसा माहौल बनाया गया कि शत्रु सैनिक लौहश्रुन्ध की ओर बढ़ रहे है। और फिर तो लौहश्रुन्ध में एक जोश आ गया। गले तक कीचड़ में धस जाने के बावजूद वह जोर से चिंघाड़ लगाकर सैनिको की ओर दौड़ने लगा। बड़ी मुश्किल से उसे संभाला गया। गौतम बुद्ध ने सबको स्पष्ट किया कि हाथी की शारीरिक क्षमता में कमी नहीं थी, आवश्यकता मात्र उसके अंदर उत्साह के संचार करने की थी।

अंतर्मन

आज की पाती

चाइनीज मांझा : खुलेआम बिकती मौत की धार

हर शहर, हर गली, हर मोहल्ले में, जब बच्चे और किशोर पतंग उड़ाने निकलते हैं तो उनका उद्देश्य केवल आसमान छूना होता है। लेकिन दुर्भाग्य से अब पतंग की यह उड़ान कई बार किसी की जान लेकर ही थमती है। इसका कारण कोई आम धागा नहीं, बल्कि एक जानलेवा उत्पाद है- चाइनीज मांझा। यह मांझा अब केवल पतंगों की डोर नहीं रहा, यह सड़क पर चल रहे आम आदमी की ज़िंदगी का दुश्मन बन चुका है। हर दिन अख़बारों में ऐसी खबरें आती हैं कि फलां व्यक्ति की गर्दन मांझे से कट गई, किसी पक्षी के पर मांझे में उलझकर छिल गए, किसी स्कूली बच्चे का गला बुरी तरह घायल हो गया, कोई बाइक सवार अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। आज राह में मौत एक पारदर्शी धागे में लटकी हुई है। - विक्रम पटेल, धमतरी

ट्रेंड

कोटि-कोटि नमन

महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और विचारक ईश्वर चंद विद्यासागर को उनकी पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन। वे महिलाओं, वंचितों और गरीबों के उत्थान के लिए जीवन पर्यंत समर्पित रहे। स्वाधीनता के प्रति उनकी अडिग निष्ठा प्रेरणीय है।
-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

रणनीतिक कौशल

यह सवाल करना कि हमारे लड़ाकू विमानों ने नजदीक से हमला क्यों नहीं किया, लंबी दूरी के सटीक हमलों के रणनीतिक कौशल को नजरअंदाज करना है, जिसने हमारे सैनिकों की रक्षा की और यह सुनिश्चित किया कि मिशन सफल रहे।
-एन. बीरेन सिंह, पूर्व सीएम, मणिपुर

मोदी जी में अंहकार

22 अप्रैल 2025 को पहलगाम आतंकी हमला हुआ। नेता विपक्ष राहुल गाँधी और मैंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर विशेष सत्र की मांग की, लेकिन हमें इस पत्र का कोई जवाब नहीं आया। मोदी जी के अंदर इतना अहंकार है कि वह विपक्ष के पत्र का जवाब देना भी जरूरी नहीं समझते।
- मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष, कांग्रेस

राजद की कार्रवाई

क्या राजद अपने विधायक भाई वीरेंद्र पर भी कार्रवाई करेगी, जिन्होंने बाबा साहेब आंबेडकर के आदर्शों के उलट एससी-एसटी समाज के खिलाफ शर्मनाक टिप्पणी की, जान से मारने की धमकी दी।
-तेज प्रताप यादव, पूर्व मंत्री, बिहार

करंट अफेयर

रूस, यूक्रेन से 10-12 दिन में युद्ध समाप्त करे: अमेरिका

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध रोकने के लिए अब सिर्फ 10 से 12 दिन का वक्त दे रहे हैं। इससे पहले उन्होंने पुतिन को 50 दिन की समयसीमा दी थी। ट्रंप ने 14 जुलाई को कहा था कि अगर सितंबर की शुरुआत तक शांति समझौता नहीं होता तो वह रूस पर अत्यधिक शुल्क लगाएंगे लेकिन सोमवार को ट्रंप ने कहा कि अब वह पुतिन को सिर्फ 10 से 12 दिन का वक्त दे रहे हैं यानी वह चाहते हैं कि सात से नौ अगस्त तक शांति के प्रयासों में ठोस प्रगति हो। ट्रंप के इस कदम के तहत रूस के व्यापारिक साझेदारों पर भी प्रतिबंध और अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने के आसार हैं। ट्रंप ने कहा कि इसकी औपचारिक घोषणा बाद में की जाएगी। समय सीमा घटाने को लेकर ट्रंप ने कहा, 'इंतजार की कोई ठोस वजह नहीं है। हमें कोई प्रगति होती नहीं दिख रही।' स्कॉटलैंड की यात्रा के दौरान ट्रंप ने कहा कि पुतिन को 'समझौता करना होगा। काफी संख्या में लोग मर रहे हैं।' रूस की ओर से इस मामले में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। ट्रंप से एक सम्मेलन में जब रूस के राष्ट्रपति से संभावित मुलाकात के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'अब मुझे बातचीत में ज्यादा दिलचस्पी नहीं है।'

ऑफ बीट

स्वस्थ आहार लेने वाले बुजुर्गों को बीमारियां भी धीमी गति से

कल्पना कीजिए कि 70 वर्षीय दो व्यक्ति हैं, दोनों सक्रिय हैं, स्वतंत्र रूप से जीवन व्यतीत करते हैं और जीवन का आनंद लेते हैं। लेकिन अगले 15 वर्षों में, एक व्यक्ति को हृदय रोग, मधुमेह और अवसाद जैसी दो-तीन बीमारियां हो जाती हैं, जबकि दूसरा व्यक्ति अपेक्षाकृत स्वस्थ रहता है। ऐसा क्यों होता है? एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग निरंतर रूप से स्वस्थ आहार लेते हैं, उनमें दीर्घकालिक बीमारियां धीमी गति से विकसित होती हैं, जबकि प्रसंस्कृत मांस, परिष्कृत अनाज और शर्करा-युक्त पेय जैसे असंयमित आहार लेने वाले लोगों में बीमारियां अधिक तेजी से पनपती हैं। इससे विकलांगता, अस्पताल में भर्ती होने और समय से पहले मृत्यु का खतरा बढ़ता है। अध्ययन में हृदय रोग और अवसाद, डिमेंशिया जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं पर आहार का सबसे मजबूत प्रभाव दिखा। शोधकर्ताओं का कहना है कि स्वस्थ आहार जलन तथा पेट संबंधी कुछ समस्याओं को नियंत्रित कर सकता है। सब्जियाँ, फल, साबुत अनाज और स्वास्थ्य के लिए उपयोगी वसा इस जलन को कम करते हैं, जबकि अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ इसे बढ़ाते हैं।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

दुनिया का सबसे महंगा बर्गर, जिस पर चढ़ी है सोने की परत, कीमत उड़ा देगी होश!

एजेंसी ▶▶| एम्सटर्डम

पिज्जा-बर्गर कभी महंगे-महंगे रेस्टोरेंट में मिलते थे। लोग इसे खाने के लिए मैकडॉनल्ड्स से लेकर पिज्जा हट तक में जाते थे। लेकिन, आजकल पिज्जा-बर्गर सस्ते दाम पर हर जगह मिलने लगे हैं। बड़े-बड़े शहरों से लेकर छोटे-मोटे कस्बों तक में लोग जमकर इसे खाने का लुत्फ उठाते हैं। लेकिन, क्या आपने दुनिया के सबसे महंगे बर्गर के बारे में सुना है? इसकी कीमत आज के समय में 5 लाख रुपए से भी ज्यादा है। इस बर्गर को नीदरलैंड्स के एक शेफ ने बनाया था, जिसका नाम 'गोल्डन बॉय' बर्गर रखा गया। इसने दुनिया का सबसे महंगा बर्गर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। ये बर्गर न सिर्फ स्वाद में लाजवाब है, बल्कि इससे होने वाली कमाई भूखों को खाना खिलाने के लिए दान की जाती है।

नीदरलैंड्स के वूर्थुइजेन शहर में डे डाल्टन्स रेस्तरां के मालिक रॉबर्ट यान डे वीन ने 'गोल्डन बॉय' बर्गर बनाया, जिसकी कीमत 5,000 यूरो (लगभग 5 लाख रुपए से ज्यादा) है। रॉबर्ट को ये आइडिया तब आया, जब वो कोविड-19 के दौरान अपने रेस्तरां में बैठे इंटरनेट चला कर रहे थे। उन्हें पता चला कि 2011 में अमेरिका के ओरेगन में एक रेस्तरां ने 352 किलो का बर्गर बनाकर 5,000 डॉलर (लगभग 4.1 लाख रुपए) में बेचा था। रॉबर्ट ने सोचा, 'वाह, ये रिकॉर्ड मजेदार है, लेकिन इसका क्या फायदा जब इसे एक व्यक्ति खा ही न सके? इतना भारी बर्गर बेकार है। मैं ऐसा बर्गर बनाऊंगा जो एक इंसान खा सके।' एक इंटरव्यू में रॉबर्ट ने बताया, 'महामारी के कारण रेस्टोरेंट बंद थे और कोई फूड प्रतियोगिता नहीं हो रही थी। हालांकि, हमारी फूड टेकअवे सर्विस चालू थी, मैं उदास था। मैं लोगों की पीड़ा और रेस्टोरेंट उद्योग की निराशाजनक स्थिति देखकर बुरा महसूस कर रहा था। इसलिए, मैंने दुनिया का सबसे महंगा बर्गर बनाने और पूरी आय दान में देने का फैसला किया, ताकि समाज का भला हो सके।

हर तरह की महंगी चीजों का किया गया इस्तेमाल

ऐसे में गोल्डन बॉय बनाने में रॉबर्ट को कई महीने लगे और खूब मेहनत करनी पड़ी। साथ ही कई एक्सपेरिमेंट करने पड़े। इस बर्गर में हर तरह की महंगी चीजों का इस्तेमाल किया गया, जिसमें जापानी ए5 वाग्यू बीफ, बेलुगा कैवियार, किंग क्रैब, सफेद ट्रफल, जोसिलिटो बेलोटा 100% इबेरिको हैम और अंग्रेजी चेडर चीज शामिल है। बन को डोम पेरिग्नन शैंपेन के आटे और सोने की परत से बनाया गया है। इन सभी को कोपी लुवाक कॉफी और मैकलान सिंगल माल्ट व्हिस्की रेयर कास्क से बनी बारबेक्यू सॉस और बत्तख के अंडे से बनी स्मोक्ड केसर चाइव मेयोनेज में डुबोया जाता है। ऊपर से बर्गर को व्हिस्की की खुशबू वाले धुएं में लपेटा जाता है। रॉबर्ट कहते हैं, 'सारी चीजें एक-दूसरे के साथ कमाल का स्वाद देती हैं। ये बर्गर इतना महंगा है, फिर भी इसे हाथ से ही खाना चाहिए। बन पर सोने की परत है, तो खाने के बाद उंगलियां चमकने लगेंगी।

5 लाख से ज्यादा रुपए डच नेशनल फूड बैंक को किए दान

इस बर्गर की खबर नीदरलैंड्स में फैल गई। रेमिया इंटरनेशनल के मैनेजर जॉर्ज शूरमैन ने पहला बर्गर 28 जून 2021 को 5 लाख से ज्यादा रुपए खर्च कर खरीदा। उन्होंने और रॉबर्ट ने फैसला किया कि इसे रॉबेर विलेम्स, रॉयल डच फूड एंड बेवरेज एसोसिएशन के चेयरमैन खाएंगे, जिन्होंने कोविड में हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री के लिए खूब मेहनत की थी। इस बिक्री से मिले पूरे 5 लाख से ज्यादा रुपए को डच नेशनल फूड बैंक को दान किए गए, जिससे 1,000 फूड पैकेज जरूरतमंदों तक पहुंचे। रॉबर्ट अब और गोल्डन बॉय बर्गर बेचने को तैयार हैं, लेकिन इसके लिए 2 हफ्ते पहले ऑर्डर और 750 यूरो (लगभग 75,000 रुपए) की जमा राशि चाहिए। ये बर्गर न सिर्फ स्वाद का धमाका है, बल्कि एक नेक काम का हिस्सा भी है। सोशल मीडिया पर लोग इसकी तारीफ कर रहे हैं।

रोचक खबरें

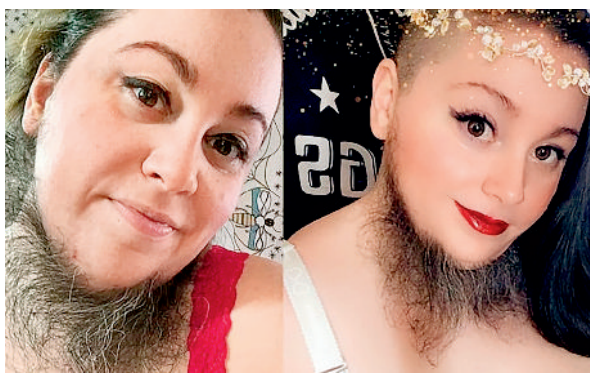

महिला को बीमारी के कारण चेहरे पर आते हैं बाल, रखती है बड़ी सी दाढ़ी!

लंदन। इंसानों को बीमारियां भी कम अजीब नहीं होती हैं। कोई बीमारी इंसान को हमेशा के लिए अपाहिज बना देती है तो किसी में अजीब तरह के लक्षण देखने को मिलते हैं। कुछ रोग ऐसे होते हैं जिनमें हारमोन का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे अजीब तरह के लक्षण दिखते हैं। सोशल मीडिया पर 'पीकाबू पंपकिन' नाम से जानी जाने वाली 39 साल की महिला के साथ ऐसा ही हुआ। एक बीमारी होने की वजह से उसके चेहरे, खास तौर से ठोढ़ी पर बाल आने लगे थे। वह सालों तक शेविंग करती रही। लेकिन, आखिरकार तंग आकर उसने शेविंग बंद कर दी और आज उसकी एक बड़ी सी दाढ़ी है। पीकाबू पंपकिन ने अपनी बढ़ी सी दाढ़ी को अपनाने का साहसिक फैसला लिया। इसने न सिर्फ उनके जीवन को बदल दिया, बल्कि कई अन्य महिलाओं को भी प्रेरणा दी। वे पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम जिसे संक्षेप में पीसीओएस भी कहते हैं, से जूझ रही है। इसकी वजह से उनके चेहरे पर लगातार बाल आते रहे। उन्होंने सालों तक अपने न बालों को हटाने की कोशिश की, लेकिन अब उन्होंने इसे गर्व से स्वीकार कर लिया है।पीसीओएस एक हार्मोनल कंडीशन है, जो अक्सर चेहरे पर अतिवृद्धि, वजन बढ़ने और बालों के झड़ने जैसे लक्षणों के साथ आती है। पीसीओएस बहुत आम है और यूके में हर 10 में से 1 महिला को इसका प्रभाव पड़ता है।

कोबाल्ट-निकल की छुट्टी, जापान को हो सकता है 26 अरब डॉलर का नुकसान

टोक्यो। जापान को टोक्यो से 1200 मील दूर मिनामी-तोरी-शिमा नाम के द्वीप के पास गहरे समुद्र में कुछ बहुत ही खास मिला है। इस खोज को जापान के वैज्ञानिक बड़ी सफलता के तौर पर देख रहे हैं। समुद्र में एक हिस्से में बड़ी मात्रा में कोबाल्ट और निकल के होने का अनुमान है, जिसकी कीमत लगभग 26 अरब डॉलर है। इनका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बैटरी बनाने में होता है। जापान सरकार ने बड़े पैमाने पर 2026 तक खनन शुरू करने की योजना बनाई थी। इससे देश की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिति के मजबूत होने की उम्मीद थी। इससे पहले इस खजाने को बाहर निकाला जाए तभी वैज्ञानिकों को बड़ी सफलता हाथ लगी। वैज्ञानिकों ने नई बैटरी तकनीक विकसित की है। इस नई बैटरी में कोबाल्ट या निकल की बिल्कुल भी जरूरत नहीं पड़ती। कनाडा की मेकगिल यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने अमेरिका और साउथ कोरिया के साथ मिलकर अगली पीढ़ी की बैटरी कैथोड बनाई है। इस नए आविष्कार से इलेक्ट्रिक गाड़ियों का भविष्य ही बदल सकता है। इसमें वैज्ञानिकों ने कोबाल्ट और निकल की जगह डीआरएक्स (अव्यवस्थित रॉक-सॉल्ट) का इस्तेमाल किया है। यह सस्ता और पर्यावरण के लिए बेहतर है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि ये नई बैटरियां अभी के समय में इस्तेमाल होने वाली लिथियम-आयन बैटरियों जितनी ही अच्छी है। अगर इसे बड़े लेवल पर इस्तेमाल किया जाने लगा तो गहरे समुद्र में खनन करना आर्थिक रूप से बेकार हो जाएगा। क्योंकि, जब उन धातुओं की जरूरत ही नहीं होगी तो उन्हें निकालने का भी कोई फायदा नहीं होगा।

क्या टूट जाएगी जापान की उम्मीद?

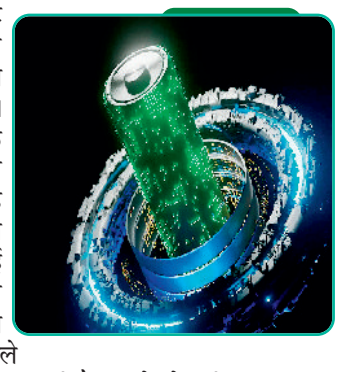

इस प्रोजेक्ट से जापान को तीन मिलियन टन से भी ज्यादा मैंगनीज नोड्यूल निकालने की उम्मीद थी। इससे देश को बैटरी की कमी झेल रही दुनिया में एक बड़ी रणनीतिक बढ़त मिलती। लेकिन, नई डीआरएक्स बैटरी ने इस पूरी योजना को बदल सकती है। अगर ईवी बनाने वाली कंपनियां कोबाल्ट और निकल के बिना बैटरी बनाना शुरू कर देती हैं तो जापान की समुद्री धातुओं की मांग में गिरावट आ सकती है। हालांकि, यह पर्यावरण के लिहाज से अच्छी खबर है। मिनामी-तोरी-शिमा के पास पहले किए गए टेस्ट में मछलियों की आबादी में 43 प्रतिशत की कमी आ गई थी।

भारतीय वैज्ञानिकों ने सूरज की सतह पर खोजा अनदेखा रहस्य

नई दिल्ली। सूरज एक विशाल रहस्यों का गोला है और यहां कई सारी चीजें ऐसे घटित होती हैं, जिन्हें खुली आंखों से देखना संभव ही नहीं होता है। भारतीय वैज्ञानिकों ने कुछ ऐसा देखा है जिन्हें दुनिया के बेहतरीन टेलिस्कोप भी नहीं देख सकते थे। आपको बता दें कि बेंगलुरु के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स के वैज्ञानिकों ने सूरज की सतह पर 'प्लाज्मा लूप्स' को खोजा है। यह सूरज की सतह पर बस सेकंड्स के लिए दिखाई देते हैं। वैज्ञानिक ऐसा मानते हैं कि यह भले ही आकार में छोटे हों, लेकिन इनका तापमान और ऊर्जा काफी ज्यादा होती है।

4,000 किमी लंबे और 100 किमी चौड़े प्लाज्मा लूप्स

सिर्फ कुछ मिनटों की जिंदगी

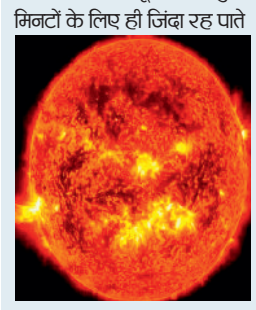

आपको जानकर हैरानी होगी की यह प्लाज्मा लूप्स सिर्फ कुछ मिनटों के लिए ही जिंदा रह पाते

हैं। यह तेजी से चमकते है और फिर सूरज की सतह में ही समा जाते हैं। यह प्लाज्मा लूप्स लंबाई में 3,000 से 4,000 किलोमीटर तक हो सकते हैं। साथ ही इनकी चौड़ाई 100 किलोमीटर से कम हो सकती है। आज के समय में प्लाज्मा लूप्स का इतनी एनर्जी छोड़ना और गायब हो जाना, वैज्ञानिकों के लिए एक बड़ी पहेली बन चुका है।

करोड़ों डिग्री का तापमान पर भी जिंदा

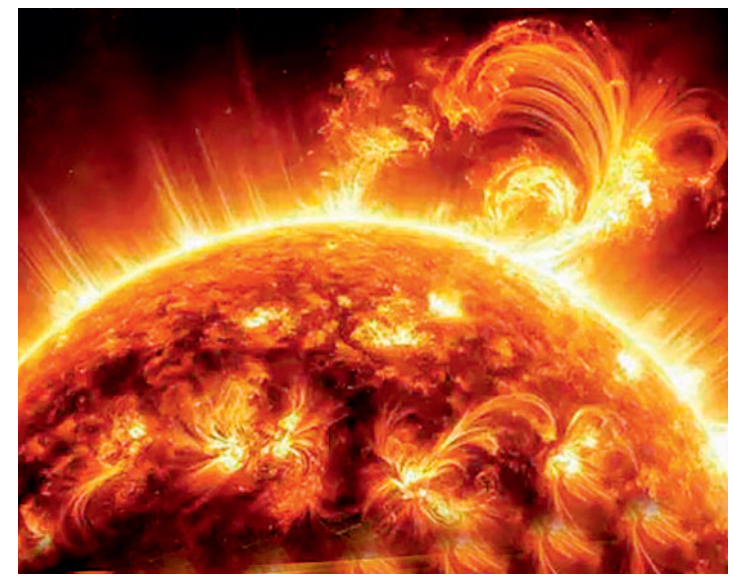

प्लाज्मा लूप्स के अंदर का तापमान हजारों-लाखों नहीं, बल्कि कई करोड़ डिग्री रहता है। इन्हे किसी खास टेलिस्कोप से ही पकड़ा जा सकता है। आपको बता दें कि यह प्लाज्मा लूप्स क्रोमोस्फेयर में पाए जाते हैं, जहां सूरज का तापमान दूसरी जगहों के मुकाबले कम होता है, जो बहुत ही हैरान कर देने वाली बात है।

क्लियर दिखा सूरज का रहस्य

इस खोज को संभव बनाने के लिए अलग-अलग वेब लेंथ पर टेलिस्कोप के डेटा को देखा गया। इसके साथ नासा के सोलर डायनामिक्स ऑब्जर्वेटरी और इंटरफेस रीजन इमेजिंग स्पेक्ट्रोग्राफ के डेटा को साथ मिलाकर अलग-अलग तरीके से जांच की गई। यहीं से पहली बार वैज्ञानिकों में प्लाज्मा लूप्स की तस्वीर को देखा और बनावट और कई अन्य डेटा को इकट्ठा किया।

8 लाख साल पहले आदमखोर था इंसान, बच्चों को बनाता था अपना निवाला

नई खोज में रोंगटे खड़े कर देने वाला हुआ खुलासा

बार्सिलोना। स्पेन में हुई एक नई खुदाई से इसानों को लेकर ऐसा खुलासा हुआ है जिसे जानकर हर कोई हैरान है। यह कहानी रोंगटे खड़े कर देने वाली है। स्पेन के उत्तरी इला के अटापुर्का में मौजूद 'ग्रान डोलिना' नाम की एक गुफा में खुदाई के दौरान आर्कियोलॉजिस्ट को एक ऐसा सबूत मिला है, जिससे हमारे पूर्वजों की खौफनाक आदतें सामने आई गई हैं। खुदाई के दौरान दो से चार साल के एक बच्चे की गर्दन की हड्डी मिली, जिस पर कटने और चीरने के साफ निशान दिख रहे हैं, जो दर्शाते हैं कि बच्चे का सिर काटा गया था।

बच्चों के साथ शिकारी की तरह सलूक

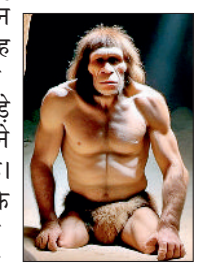

खुदाई की सह-निदेशक डॉ. पामिरा सलाढी ने एक रिपोर्ट में कहा, 'यह मामला विशेष रूप से आश्चर्यजनक है, न केवल बच्चे की उम्र के कारण, बल्कि कट के निशानों की सटीकता के कारण भी।' उन्होंने आगे कहा, 'कशेरुका में सिर को अलग करने के लिए महत्वपूर्ण शारीरिक बिंदुओं पर साफ चीरे लगे हैं। यह डाइरेक्ट प्रमाण है कि बच्चे के साथ किसी अन्य शिकार की तरह ही व्यवहार किया गया था।'

पुष्टि का इंतजार

एक बार तस्दीक हो जाने के बाद यह खोज इस तरह की प्रथा का सबसे पहला मालूम मिसाल बन सकती है। होमो एन्टिसेसर 1.2 मिलियन से 800,000 साल पूर्व रहते थे तथा मॉडर्न ह्यूमेन्स की तुलना में औसतन छोटे और मोटे थे, तथा उनके दिमाग का आकार (लगभग 1,000 से 1,150 घन सेंटीमीटर के बीच) होमो सेपियंस में देखे जाने वाले औसत 1,350 घन सेंटीमीटर से भी छोटा था।

हल्का होने की वजह से ज्यादातर फ्लाइट्स का रंग होता है सफेद

नई दिल्ली। शायद ही कोई ऐसा होगा जो आज के समय में फ्लाइट पर ना बैठा हो, जो नहीं भी बैठे होंगे उन्होंने आसमान में उड़ते हुए हवाई जहाज को तो जरूर देखा होगा। जब भी हवा में हवाई जहाज को उड़ते हुए देखते हैं तो मन में एक सवाल हमेशा आता है कि यह सिर्फ सफेद रंग का ही क्यों होता है।

अब चाहे किसी अन्य देश की फ्लाइट हो या भारत की सब रंग लगभग सफेद ही होता है। फ्लाइट में हल्का सा भी स्क्रैच उसके संतुलन को बिगाड़ सकता है। दरअसल, हवाई जहाज के सफेद रंग होने से उसपर लगी हल्की सी खरोच भी नजर आने लगती है। अगर खरोच को सही से ध्यान नहीं दिया गया और इसको सही नहीं किया गया तो इसका भयानक खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। ज्यादातर फ्लाइट्स सफेद रंग की इसलिए होती है ताकि किसी भी गड़बड़ी को आसानी से देखा जा सके।

सफेद रंग आसानी आता है नजर

सफेद रंग को सबसे हल्का रंग माना जाता है और आपको बता दें कि ऐसा माना जाता है कि अगर हवाई जहाज पर डार्क रंग का पेंट किया जाता है तो इससे 8 पैसेंजर के बराबर का वजन बढ़ सकता है। इसके अलावा सफेद रंग की ये खासियत होती है कि यह आसानी से नजर आ जाता है और यह आसानी से फीका नहीं पड़ता है।

NOTICE

MAHADHAN

In order to make the Indian Farmers internationally competitive, Mahadhan Agritech Limited, brings to you the following Imported & Indigenous 100% Water Soluble Mixture of Fertilisers as per order dated 24.10.2015, issued by Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Govt. of India, New Delhi.

Sr. No.	Particulars / Grade	NPK 14:25:10	NPKS 9:6:31:8	NPK 24:24:0	NPK 0:40:40	NPK 12:30:20
1	Moisture percent by weight, maximum	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5
2	Total Nitrogen percent by weight, minimum	14	9	24	0	12
3	Total Phosphorous and water soluble phosphorous (as P_2O_5) percent by weight, minimum	25	6	24	40	30
4	Water Soluble Potassium (as K_2O) percent by weight, minimum	10	31	0	40	20
5	Sulphur (as S) percent by weight, minimum	0	8	0	0	0
6	Total Chloride per cent by weight, maximum	1.5	1.5	1.5	1.5	1.5
7	Matter insoluble in water per cent by weight, maximum	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5
8	Sodium as NaCl per cent by weight, maximum	0.5	0.5	0.5	0.5	0.5
9	Lead (as Pb) per cent by weight, maximum	0.003	0.003	0.003	0.003	0.003
10	Cadmium (as Cd) per cent by weight, maximum	0.0025	0.0025	0.0025	0.0025	0.0025
11	Arsenic (as As) per cent by weight, maximum	0.01	0.01	0.01	0.01	0.01

Salient Features:
1. 100% Water Soluble.
2. Improves quality and yield of the produce.
3. Suitable to use through drip irrigation and foliar application.

Packing : Available in 500 gm, 1 Kg, 5 Kg, 10 Kg and 25 Kg Packing.

Supply and sales of above Mahadhan WSF grades will be done after 30-35 days.

Manufactured / Imported & Marketed by -
MAHADHAN AGRITECH LIMITED
Registered Office : Sai Hira, Survey No. 93, Mundhwa Road, Mundhwa, Pune - 411036, Maharashtra.
www.mahadhan.co.in

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
छत्तीसगढ़ सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित

BAJAJ Allianz — Caringly yours

अब प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ उठाईये बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस के साथ

फसल बीमा कराओ, सुरक्षा कवच पाओ

बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025

अधिसूचित जिले: बस्तर, बेमेतरा, बीजापुर, कोरिया, सारंगगढ़-बिलाईगढ़, गरियाबंद, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, कांकेर, सक्ती, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी

खरीफ 2025 मौसम हेतु अधिसूचित फसलें: धान सिंचित, धान असिंचित, मक्का, उड़द, अरहर, मूँग, मूँगफली, सोयाबीन, कोदो, कुटकी, रागी

योजना के मुख्य बिंदु :
- कृषक द्वारा देय प्रीमियम बीमित राशि का अधिकतम 2 प्रतिशत
- शेष प्रीमियम राशि का भुगतान भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा किया जावेगा
- ओलावृष्टि, जलभराव, बादल फटने, आकाशीय बिजली से नुकसान होने पर स्थानीय आपदा अंतर्गत दावा भुगतान
- फसल कटाई के उपरांत आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाने हेतु बंडलो में रखी फसल को चक्रवात, बेमौसम/चक्रवाती वर्षा से नुकसान होने पर दावा भुगतान
- कम वर्षा या विपरीत मौसम अवस्थाओं के कारण फसल बुवाई विफलता पर दावा भुगतान
- फसल कटाई प्रयोग से प्राप्त उपज आंकड़े, निर्धारित थ्रेसहोल्ड उपज से कम आने पर दावा भुगतान
- अनावरी के आंकड़े इस योजना अतंर्गत दावा भुगतान के लिए मान्य नही होंगे

योजनांतर्गत शामिल होने वाले कृषक :
- ऋणी कृषकों का बीमा ऋण दायी संस्था द्वारा नियमानुसार किया जायेगा।
- गैर-ऋणी कृषक अपना बीमा बैंक शाखा/कॉपरेटिव सोसाइटी/लोक सेवा केंद्र (CSC)/पोस्ट ऑफिस/AIDE-एजेंट/फसल बीमा ऐप एवं पोर्टल के माध्यम से निर्धारित तिथि के अंदर फसल का बीमा करा सकते है।
- गैर-ऋणी कृषकों हेतु आवश्यक दस्तावेज- नवीनतम आधार कार्ड, बैंक पासबुक, भूमि एवं फसल बुवाई संबंधित दस्तावेज।

ऋणी कृषक: योजना ऋणी कृषकों के लिए विकल्प चयन (Opt-out) आधार पर क्रियान्वित होगी। ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी चयन (Opt-out) प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र बीमा आवेदन की अंतिम तिथि के 7 दिन पूर्व तक संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।

- ऑप्ट-आउट की कार्यवाही केवल एक मौसम-वर्ष के लिए ही लागू होगी; जिसके लिए किसान द्वारा ऑप्ट-आउट घोषणा दी गई है।
- बैंक शाखाएं किसानों द्वारा प्रस्तुत योजना से बाहर होने (Opt-out) की प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र को निरीक्षण/सत्यापन हेतु सुरक्षित रखेंगी।

अऋणी कृषक: अधिसूचित इकाई में अधिसूचित फसल लगाने वाले सभी गैर ऋणी कृषक ऐच्छिक तौर पर योजना का लाभ लेने हेतु पात्र होंगें।

योजना सम्बंधित अधिक जानकारी एवं अपनी शिकायत दर्ज करने हेतु कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क करे या व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर 70655-14447 का उपयोग करे या www.pmfby.gov.in पर जाएँ या क्रॉप इंश्योरेंस मोबाइल एप का प्रयोग करें या अपने निकटतम कृषि कार्यालय, बैंक शाखा, CSC सेंटर या बीमा कंपनी से संपर्क करें।

स्थानीय आपदाओं से बीमित फसल में नुकसान होने पर 72 घंटे के भीतर फसल नुकसान की सूचना देना अनिवार्य है

PMFBY अंतर्गत दावा भुगतान सफल बनाने हेतु कृपया अपने संबंधित बैंक शाखा से PFMS पोर्टल से खाता संख्या को सत्यापित करवाये अथवा आधार नंबर को सही बैंक खाता से लिंक कराये।

योजना संबंधित अधिक जानकारी के लिए फार्ममित्र ऐप डाउनलोड करें — Google Play — FARMITRA

बजाज अलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लि., बजाज अलियांज हाउस, एयरपोर्ट रोड, येरवडा, पुणे - 411006 । आईआरडीएआई पंजीकरण संख्या: 113 • सीआईएन: U66010PN2000PLC015329 • यूआईएन: IRDAN113CP0001V02201617 • www.bajajallianz.com • टोल फ्री नंबर: सेल्स - 1800 209 0144 / सर्विस - 1800 209 5858 • अधिक जानकारी के लिए जोखिम कारक, नियम और शर्तों को जानने के लिए कृपया विवरणिका पढ़े, यह सुनिश्चित करने से पहले । BJAZ-O-5174/05-06-2025
लोगो PMFBY, छत्तीसगढ़ शासन, फार्ममित्र कैरिंगली योर्स एक विवरणात्मक लोगो है, जिसका उपयोग उत्पाद के उद्देश्य को प्रतिष्ठापित करने और सरलीकृत करने के लिए किया जाता है, और यह कंपनी का व्यापार लोगो नहीं है।

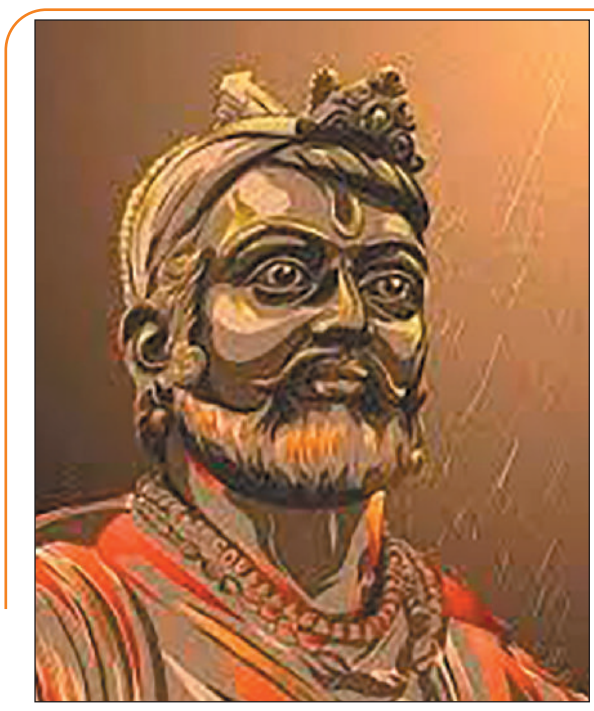

शिवाजी की सेना में रहा शूरवीर सैनिक सांबाजी भोंसला

ऐतिहासिक

डा. देवी प्रसाद वर्मा

शिवाजी की सेना में सांबाजी भोंसला शूरवीर और आज्ञाकारी सैनिक था। शिवाजी की सेना का प्रतिनिधित्व करने वाला परसो जी का भाई था। यह परसोजी आगे चलकर नागपुर के भोंसला राज्य का संस्थापक बना। शिवाजी ने सांबाजी की सेवाओं से प्रसन्न होकर उसे सेना साहब सूबा की उपाधि से विभूषित किया। सन 1674 में एक अधिकार पत्र लिखकर उसे दे दिया कि वह गोंडवाना और बरार से चौथ वसूल करे पर उस समय यह दोनों प्रदेश उसके अधिकार में नहीं थे।

इस सनद पत्र की परिणित यह हुई कि सांबाजी ने अपने भाई परसो जी को भेज कर दोनों प्रदेशों से चौथ वसूल करने को लगा दिया। जब सन 1699 में शिवाजी का निधन हो गया तब शिवाजी के उत्तराधिकारी से इस पत्र का नवीनीकरण करा लिया। उसमें छत्तीसगढ़ का स्पष्ट उल्लेख कराते हुए कुछ अन्य प्रदेश भी शामिल करा लिया, जिससे सेना साहब सूबा का अधिकार क्षेत्र और विस्तृत हो गया। सांबाजी के भाई होने के साथ साथ परसो जी शिवाजी के घुड़सवारों का एक सरदार भी था और शिवाजी के राज्यकाल से बाहर पहुंच कर लूटमार मचाया करता था। औरंगजेब ने शिवाजी के निधन होने के बाद उनके पुत्र संभाजी को मरवा दिया था तथा उसके पुत्र को कैद कर रखा था। सन 1707 में औरंगजेब की मौत के बाद उनके उत्तराधिकारी ने चौथ वसूल करने का अधिकार वापस कर दिया। आगे यह उसके अधिकार क्षेत्र के साथ मान सम्मान में भी बढ़ोतरी होती गई। लेकिन आगे चल कर इनका पतन होता गया और आपसी मतभेद के कारण भोंसला राज्य की तीन शाखाएं विभक्त हो गई।

लोक साहित्य

डा. सुधीर पाठक

सरगुजा रियासत में भखारी बोली का प्रभाव

सरगुजा समूह की पूर्व पांच रियासतों सरगुजा, कोरिया, चांग भखार, जशपुर तथा उदयपुर के आमजन की भाषा भखारी है। सरगुजिहा भाषा भाषी समूह के पश्चिमी क्षेत्र, वर्तमान कोरिया जिला के भरतपुर तहसील को रियासतकाल में चांगभखार रियासत के नाम से जाना जाता है। संभवतः रियासत का नामकरण चांग देवी के नाम पर चांगभखार किया जाना प्रतीत होता है। चांखभखार की पूर्वी सीमा कोरिया से स्पर्श करता है, वहीं उत्तर, पश्चिमी और दक्षिण सीमा वर्तमान मध्यप्रदेश के रीवा जिले के संपर्क में आता है। चांगभखार सतपुड़ा की उच्च समतल भूमि पर स्थित है। इसमें कई विशाल पर्वत श्रेणियां फैली हुई हैं। प्रायः पूरा क्षेत्र पर्वतों से ढंका हुआ है, इन पर्वतों के बीच में कई स्थानों में समतल भूमि है। इसमें कई विशाल पर्वत श्रेणियां फैली हुई हैं। प्रायः पूरा क्षेत्र पर्वतों से ढंका हुआ है, इन पर्वतों के कई स्थानों पर समतल भूमि है, चांगभखार तीन ओर से रीवा जिले से घिरा है, जहां की बोली बघेली है, इसलिए भरतपुर की सरगुजिहा बोली पर निकटवर्ती पश्चिमी बघेलखंड की बघेली बोली का प्रभाव पड़ा है, जिससे इस क्षेत्र में व्यवहार में सरगुजिहा बोली का इसके विशिष्ट स्वरूप के कारण ही क्षेत्र का नाम भखारी अथवा भखरिही के नाम से जाना जाता है।

लोकगीत

डॉ. मुक्ति बैस

वनस्पति संरक्षण का संदेश भोजली गीत में

छत्तीसगढ़ के लोक गीतों में भोजली गीत का विशेष महत्व है। सावन के महीने में जब चारों ओर हरियाली बिखर जाती है, तब शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को भोजली बोई जाती है। बांस की छोटी छोटी टोकरियों में मिट्टी तैयार कर धान गेहूं बोया जाता है। इनमें छोटे छोटे पौधे तैयार हो जाते हैं जिसमें हल्दी रंग छिड़का जाता है, जिससे पौधे पीले पीले दिखाई देते हैं। इन पौधों को देवी मान कर इनकी पूजा की जाती है, तथा नारियों द्वारा गीत गाए जाते हैं। सावन पूर्णिमा के दिन भोजली का विसर्जन किया जाता है। भोजली के पौधे बांटे जाते हैं, भोजली बदी जाती है। इस पर्व का वैज्ञानिक पक्ष भी है। भोजली गीत गाए जाते हैं जिसमें धर्म, विज्ञान, प्रकृति, सामाजिक सद्भावना और प्राकृतिक स्नेह का सुंदर समन्वय होता है -

देवी गंगा देवी गंगा लहर तुरंगा हो
लहर तुरंगा।
हमरो भोजली दाई के भीजै आठों अंगा ।
आई गईस पूरा बोहाई गईस कचरा।
हमर भोजली दाई के सोने सोन के अचरा।
आई गईस पूरा बोहाई गईस मलगी।
हमर भोजली दाई बर सोने सोन के कलगी।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

आस्था

कमलेश यादव

अनेक तथ्यों को उजागर करता गुप्तेश्वर धाम

छत्तीसगढ़ और ओडिशा प्रांत के मध्य बहने वाली शबरी नदी के किनारे गुप्तेश्वर धाम है। इस शिवालय के बाजू में कारी गाय नामक प्राकृतिक गुफा है। चून पत्थर से निर्मित यहां की संरचनाएं भक्तों को भाव विभोर करती हैं। गुफा के भीतर एक शिवलिंग है जिस पर लगातार चट्टानों से रिस कर दूधिया जल टपकता रहता है, इसलिए इसे गाय की गुफा कहा जाता है। जगदलपुर से जैपुर होकर गुप्तेश्वर महादेव तक पहुंचा जा सकता है।

मंदिर के सम्बन्ध में प्राचीन मान्यता है कि जब भस्मासुर ने भगवान शिव से मिले वरदान का परीक्षण करने शिव जी के ऊपर हाथ रखने का प्रयास किया तो महादेव ने इसी गुफा में छिप कर अपने ऊपर आए संकट को टाला था। एक मान्यतानुसार भगवान राम वनवास के दौरान जब दंडकारण्य पहुंचे तब गुप्तेश्वर गुफा में अपना चातुर्मास व्यतीत किया था। जनश्रुति है कि भस्मासुर वाली घटना के बाद भगवान शिव इसी गुफा में रहते थे और शबरी नदी के किनारे टहलते थे। एक दिन शिकार करने आए आदिवासियों के झुंड में से एक व्यक्ति ने उन्हें देख लिया। भगवान ने इस बात को जन समक्ष रखने से मना किया था, बताने पर सजा भुगतने की चेतावनी भी दी थी। लेकिन वह रोक नहीं सका और जैपुर राजा को बता दिया। इस बात पर उन्हें दंड मिला। राजा को पछतावा हुआ और गुफा की तलाश में निकल पड़ा। सावन मास में इस महादेव मंदिर में भक्तों की अपार भीड़ होती है। कावड़िए भी जल लेकर महादेव शिवलिंग पर अपनी मान्यता पूरी होने या अन्य अपेक्षा पूरी होने पर शिव मंदिर दर्शन हेतु अवश्य आते हैं।

गांव की कहानी: बालचंद्र जैन

रियासतकालीन तथ्यों से भरा है तोषगांव

फुलझर राज के अति प्राचीन तोषगांव बलौद के समकालीन अस्तित्व में आया होगा। इस राज्य के अधिकांश कृषक कुरमी जाति के थे। यहां पूर्व में किसी कुरमी जाति के मालगुजार सामंत कृषक ने देव नदी सुरंगी के तट पर इस प्रमुख ग्राम की स्थापना की थी। जिसका नाम संभवतः तोषराम रहा होगा। कालांतर में यही तोषराम नाम तोषगांव के नाम से जाना गया। राजा मोगरा साय ने सम्पन्न एवं सुविधायुक्त ग्राम तोषगांव को अपनी राजधानी बनाया था। राजा मोंगरा साय ने अपने पुत्र हड़राज साय को अपना राज सौंपकर गढ़ फुलझर में अपना शेष जीवन बिताया। राजा हड़राज साय एक शक्तिशाली शासक था और 18 वर्ष तक शासन किया। राजधानी तोषगांव प्रारम्भ से ही सम्पन्न ग्राम रहा है। खाडाबंद तालाब को संभवतः राजा हड़राज साय ने खुदवाया था, क्योंकि गोंड जाति सूर्यवंशीय राजपूत थे, जो विजया दशमी पर्व को धूमधाम से मनाते थे। विजया दशमी पर्व पर खाड़ा धोने की परम्परा यहां थी, जो आज भी है। राजा हड़राज ने अपने कार्यकाल में अनेक तालाब खुदवाए। राजा ने अपनी वीरता से कई राज्य को जीता, लेकिन राजधानी में कोई परिवर्तन नहीं किया। उस काल में यहां मिट्टी ढूंलाने के लिए गधे का उपयोग करते थे। राजा हड़राज के पुत्र बली साय ने भी 10 वर्ष तक इस राज्य में शासन किया।

सुरता

प्रो. अश्विनी केशरवानी

भारतेंदुकालीन साहित्यकार पं. हीराराम त्रिपाठी

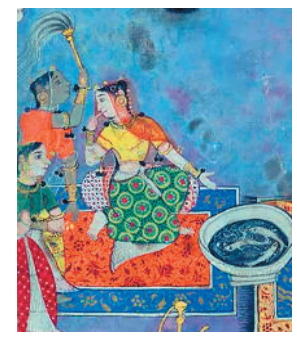

पं. हीराराम त्रिपाठी का जन्म 1826 में उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के छोटे से ग्राम में हुआ था। वे किसी काम के सिलसिले में कसडोल आए और यही के होकर रह गए। आप यहां के मालगुजार के पास मुख्तियार के रूप में काम करते साहित्य साधना करने लगे। आगे आपकी नियुक्ति तहसील कार्यालय में खजांची के पद पर हुई। इसके बाद शिवरीनारायण में अर्जीनवीस पद पर कार्य किए। शिवरीनारायण में आपने काशी के भारतेंदु मंडल की तर्ज पर जगमोहन मंडल बनाकर यहां के बिखरे साहित्यकारों को समेटने का सफल प्रयास किया।

आपने अपनी कृति सज्जनाष्टक में यदुनाथ भोगहा, अर्जुन दास, गौतम दास, माखन दास, मोहन पुजारी, ऋषि राम और रमानाथ का जिक्र किया है जो साहित्य जगत में सक्रिय योगदान दे रहे थे। आपने श्री शिवरीनारायण माहात्म्य को संस्कृत से ब्रज भाषा में अनुवाद कर संशोधित किया। त्रिपाठी जी की रचनाएं एक आस्थावान व्यक्ति की भावानुभूति है। उनकी काव्य में जो भक्ति निरूपण है, उसका स्वरूप व्यापक आंदोलन या सामाजिक व्याप्ति में न होकर सीमित तथा संकीर्ण व्यक्तिगत निष्ठा पर है। उनकी भक्ति भावना में सगुण तथा निर्गुण सभी एकाकार है।

जनजाति विशेष : हीरालाल शुक्ल

बस्तर में गोंडी और दंडामी भाषा का प्रभावी क्षेत्र

दंडामी भाषा बस्तर की उत्तर पश्चिम की हिलमाडिया तथा उत्तर की मुरिया और झोरिया के ही समान है। मौलिक रूप से ऐसा संभव है और वास्तविकता भी है। इन बोलियों के उच्चारण में सुस्पष्ट अंतर देखते हैं, जिससे कि अत्यधिक निकट की पड़ोसी जनजातियों के लिए भी एक दूसरे को समझना असंभव हो जाता है। दंतेवाड़ा के दंडामी माडिया अबूझमाडिया को नहीं समझ पाते, तथा उन्हें यदा कदा एक दूसरे से बातचीत करने के लिए हल्बी का सहारा लेना पड़ता था। अबूझमाड़ तथा उससे लगी हुई तलहटी या गिरिपाद में भी अधिक मात्रा में अंतर देखने को मिलता था, तथा मैदानी क्षेत्र में प्रयुक्त गोंडी से उपर्युक्त दोनों भिन्न थे। किन्तु यह प्राचीन भेद अब शीघ्रता से नष्ट हो रहे हैं। भेदों के मिटने का जहां एक कारण सड़कों या मार्गों का प्रसार है, वहीं दूसरी ओर इन आदिवासी कबीलों की घुमक्कड़ प्रवृत्ति भी है। इन लोग बस्तर व चांदा जमींदारी में आते जाते थे। पहले भी इन लोगों का आवागमन व्यापारिक केंद्रों यथा दूमागुड़ेम, वारंगल, अल्लापल्ली, चांदा तथा कोरापुट आदि में होता रहता था। बस्तर में गोडो की आदर्श बोली दंडामी माडिया ही प्रतीत होती है। कम से कम मध्य व दक्षिण की दंडामी माडिया।

बारिश से हाहाकार

पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त | मंडी, हिमाचल में घर-गाड़ियां दबे | दिल्ली में लगा लंबा जाम

नई दिल्ली। देश के अधिकतर राज्यों में बारिश के चलते इन दिनों हाहाकार मचा हुआ है। पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के मंडी में बादल फटने के बाद मलबा आने से कई गाड़ियां दब गई हैं, लोग घरों के अंदर फंसे हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित पश्चिम बंगाल, बिहार जैसे राज्यों में लोगों के घरों में घुटनों तक पानी घुस गया है तो राजस्थान में तो सड़कों पर नावें चल रही हैं। मंगलवार को दिल्ली में यहां बारिश के चलते मुख्य मार्ग पर लंबा जाम लगा रहा। बारिश के चलते ही राजधानी दिल्ली से लगे हरियाणा के गुरुग्राम जैसे शहरों में हालात बुरे हैं, सड़कों पर पानी है।

मंडी

नई दिल्ली

खबर संक्षेप

सुशांत मामला : रिया चक्रवर्ती को नोटिस

मुंबई। मुंबई की एक मजिस्ट्रेट कोर्ट ने एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर की गई क्लोजर रिपोर्ट के सिलसिले में भेजा गया है। रिपोर्ट एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले से जुड़ी है। सीबीआई ने यह रिपोर्ट मार्च 2025 में पेश की थी। एक मीडिया के मुताबिक, मजिस्ट्रेट आर.डी. चव्हाण ने सुनवाई के दौरान निर्देश दिया, 'मूल शिकायतकर्ता / पीड़ित / प्रभावित व्यक्ति को नोटिस जारी करें।'

रोमानिया में नौका पलटी चार लोगों की मौत

बुखारेस्ट। रोमानिया में डेन्यूब डेल्टा पर तूफान के कारण एक नौका के पलट जाने से चार लोगों की डूबकर मौत हो गई। मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है। नौसेना के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। काला सागर के पास तुलसिया काउंटी में डेन्यूब की सुलिना शाखा पर सोमवार को यह हादसा हुआ और इस नौका पर 14 लोग सवार थे। रोमानियाई नौसेना प्राधिकरण ने कहा कि यह घटना 'प्रतिकूल मौसम' में हुई, जिसमें समुद्र में दो मीटर ऊंची लहरें उठ रही थीं। आपात स्थिति निरीक्षण निदेशालय के अनुसार, दस जीवित बचे लोगों को अस्पताल ले जाया गया।

बिहार चुनाव : एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

'अगर बड़े पैमाने पर वोटरों के नाम कटे तो हम हस्तक्षेप करेंगे'

सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सुनवाई हुई। इस दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि बड़े पैमाने पर बहिष्करण होता है, तो कोर्ट हस्तक्षेप करेगा। कोर्ट ने यह टिप्पणी बिहार एसआईआर प्रक्रिया में भारत के चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित की जाने वाली मसौदा सूची से 65 लाख मतदाताओं के बाहर होने की आशंकाओं के बीच की।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 12 और 13 अगस्त को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से पेश हुए अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कोर्ट को चुनाव आयोग के इस कथन के बारे में बताया कि 65 लाख लोगों ने एसआईआर प्रक्रिया के दौरान गणना फॉर्म जमा नहीं किए हैं, क्योंकि वे या तो मर चुके हैं या स्थायी रूप से कहीं और चले गए हैं। भूषण ने पीठ को बताया कि इन लोगों को सूची में शामिल होने के लिए नए सिरे से आवेदन करना होगा। बता दें, सुप्रीम कोर्ट 12 अगस्त से बिहार एसआईआर मामले की सुनवाई शुरू करेगा।

खास बातें

- मसौदा सूची से 65 लाख मतदाताओं के बाहर होने की आशंका
- 12 अगस्त से बिहार एसआईआर मामले की सुनवाई शुरू करेगा शीर्ष कोर्ट

15 लोगों को लेकर आइए

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि भारत का चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था होने के नाते, कानून के अनुसार कार्य करने वाला माना जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि कोर्ट आपकी चिंताओं पर सुनवाई करेगा। जस्टिस बागची ने कहा कि आपकी आशंका है कि 65 लाख मतदाता इसमें शामिल नहीं होंगे। हम न्यायिक प्राधिकारी के रूप में इस मामले की समीक्षा कर रहे हैं। यदि बड़े पैमाने पर बहिष्कार होता है, तो हम तुरंत हस्तक्षेप करेंगे। आप ऐसे 15 लोगों को लेकर आइए जो कहें कि वे जीवित हैं और उनको मरा दिखाकर नाम काट दिया गया है।' राजद सांसद मनोज झा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि वे जानते हैं कि 65 लाख लोग कौन हैं, अगर वे मसौदा सूची में नामों का उल्लेख करते हैं, तो हमें कोई समस्या नहीं है।

24 जून से शुरू हुई यह प्रक्रिया : बता दें, 24 जून, 2025 के एक आदेश के तहत निर्वाचन आयोग ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21(3) के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार के लिए एसआईआर प्रक्रिया शुरू की थी। कल, न्यायालय ने चुनाव आयोग को मतदाता सूची में संशोधन करते समय आधार कार्ड और ईपीआईसी कार्ड पर विचार करने का सुझाव दिया , क्योंकि इन दोनों दस्तावेजों के मामले में !सत्यता की धारणा' है ।

ये है मामला

गौरतलब है कि चुनाव आयोग 1 अगस्त को बिहार की मतदाता सूची का मसौदा सार्वजनिक करने वाला है। हालांकि कल इस मसौदा सूची को जारी करने से रोकने का अनुरोध किया गया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए इसे अस्वीकार कर दिया कि यह केवल एक मसौदा सूची है और अगर अंततः कोई अवैधता पाई जाती है, तो पूरी सूची को रद्द किया जा सकता है। साथ ही,जस्टिस कांत ने चुनाव आयोग पर जोर दिया कि "सामूहिक बहिष्कार" के बजाय, मतदाताओं का "सामूहिक समावेश" होना चाहिए।

निमिषा को नहीं मिली है माफी, विदेश मंत्रालय ने नकारा ग्रैंड मुफ्ती का दावा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

यमन में भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की सजा को लेकर अभी भी संशय की स्थिति बनी हुई है। 28 जुलाई को पहले खबर आई कि निमिषा प्रिया की मौत की सजा को पूरी तरह से खत्म कर दिया गया है। सोमवार को ग्रैंड मुफ्ती अबू बकर मुसलियार के कार्यालय ने दावा किया कि निमिषा प्रिया की मौत की सजा आधिकारिक रूप से रद्द कर दी गई है। लेकिन अब भारत के विदेश मंत्रालय ने ग्रैंड मुफ्ती अबू बकर मुसलियार के दावे का खंडन कर दिया। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि निमिषा प्रिया पर कुछ लोगों द्वारा साझा की जा रही जानकारी गलत है। ग्रैंड मुफ्ती इस मामले में मध्यस्थता कर रहे हैं।

■ यमन में मिली है मौत की सजा

यह कहा था ग्रैंड मुफ्ती ने : 94 साल के ग्रैंड मुफ्ती के दफ्तर से जारी किए गए एक बयान में कहा गया था कि निमिषा प्रिया की मृत्युदंड की सजा जिसे पहले निलंबित कर दिया गया था, अब रद्द कर दी गई है। सना में हुई एक उच्च-स्तरीय बैठक में मृत्युदंड की सजा को पूरी तरह से रद्द करने का फैसला किया गया।

ये है आरोप

केरल की रहने वाली निमिषा प्रिया 38 वर्ष की है। पेश से नर्स निमिषा साल 2008 में बेहतर रोजगार के लिए वह यमन गई थीं। निमिषा ने एक सरकारी अस्पताल में काम किया। 2017 में निमिषा पर यमनी नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या का आरोप लगा। बाद में उन्हें दोषी पाया गया। तलाल के भाई अब्दुल फत्ताह महदी ने निमिषा को तुरंत मृत्युदंड देने की सार्वजनिक रूप से मांग की है।

हमलावर ने खुद को भी मारी गोली

न्यूयार्क में 5 पुलिसकर्मियों की गोली मारकर हत्या

न्यूयार्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मिडटाउन मैनहट्टन में सोमवार शाम को एक भीषण गोलीबारी की घटना में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जिसमें एक न्यूयॉर्क पुलिस विभाग (एनवाईपीडी) का अधिकारी भी शामिल है। यह घटना 345 पार्क एवेन्यू में स्थित एक 44 मंजिला ऑफिस बिल्डिंग में हुई, जिसमें ब्लैकस्टोन, केपीएमजी और नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) जैसे प्रमुख संगठनों के कार्यालय हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, संदिग्ध की पहचान नेवादा निवासी शेन तमुरा के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी के बाद तमुरा ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

2002 का मामला

गोधराकांड के बाद दंगा मामलों के 3 दोषी बरी

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान तीन लोगों को बरी कर दिया। इन्हें 2006 में आणंद सेशन कोर्ट ने 2002 के गोधरा कांड के बाद हुए दंगों के मामले के लिए दोषी ठहराया था। हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष के गवाह ने इनकी पहचान कैसे की यह नहीं बताया। और न ही गवाह ने 100 से अधिक लोगों की भीड़ में देखे गए प्रत्येक आरोपी की भूमिका का उल्लेख किया। जस्टिस गीता गोपी ने यह आदेश दो अपीलों को स्वीकार करते हुए पारित किया। उक्त अपीलों में से एक सचिनभाई पटेल और अशोकभाई पटेल द्वारा दायर और दूसरी अशोक बनारसी भरतभाई गुप्ता द्वारा दायर की गई थी।

राशिफल

मेष किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

स्वदेशी मिसाइल 'प्रलय' का लगातार दो बार सफल टेस्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत को रक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी कामयाबी मिली है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने जानकारी दी है कि भारत की स्वदेशी मिसाइल 'प्रलय' का 28 और 29 जुलाई 2025 को लगातार दो बार सफल परीक्षण किया गया। ये परीक्षण सेना की जरूरतों के मुताबिक किए गए थे ताकि यह देखा जा सके कि मिसाइल कम और ज्यादा दूरी तक कितनी सटीकता से मार कर सकती है। दोनों दिनों में मिसाइल ने तय दिशा में उड़ान भरी और अपने लक्ष्य को बिल्कुल सही तरीके से भेदा। डीआरडीओ ने बताया कि यह परीक्षण सभी तय मानकों और उद्देश्यों पर खरा उतरा है। यानी मिसाइल ने जैसा उससे उम्मीद की गई थी, ठीक वैसा ही प्रदर्शन किया।

500 किमी तक बना सकती है निशाना- वहीं बात अगर इस मिसाइल की ताकत की करें तो 'प्रलय' मिसाइल 150 किलोमीटर से लेकर 500 किलोमीटर तक के लक्ष्य को सटीकता से निशाना बना सकती है। यानी यह कम दूरी पर दुश्मन के बंकर, रडार या हथियारों को तबाह कर सकती है। यह मिसाइल सुपरसोनिक गति से उड़ान भरती है, यानी यह आवाज की गति से भी तेज चलती है। इसका वजन लगभग 5 टन (5000 किलो) है, जिसमें इसका फ्यूल और वॉरहेड शामिल होता है।

जनजातीय समाज के अधिकारों की पैरवी

■ 'संसारी उरांव' को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने तोखन मिले मांडविया से

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ राज्य के जशपुर जिले सहित सरगुजा, बलरामपुर और रायगढ़ में निवासरत उरांव समाज के प्रतिनिधिमंडल ने आज केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्य एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से नई दिल्ली में भेंट की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने छत्तीसगढ़ राज्य की अनुसूचित जनजातियों की सूची में 'संसारी उरांव', 'सन्सारी उरांव' एवं 'सनसारी उरांव' नामों को शामिल किए जाने की पुरजोर माँग रखी।

यह महत्वपूर्ण बैठक केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तथा बिलासपुर से लोकसभा सांसद तोखन साहू की सक्रिय पहल पर आयोजित की गई। श्री साहू ने स्वयं इस माँग को गंभीर सामाजिक विषय बताते हुए केंद्रीय मंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि केवल नामों की वर्तनी में त्रुटि के कारण अनुसूचित जनजाति समाज के हज़ारों लोगों को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि यह समुदाय उरांव समाज का अभिन्न हिस्सा है, जिनकी संस्कृति, परंपरा, सामाजिक संबंध, भाषा एवं जीवनशैली मूल उरांव समाज के समान है। समाज के लोग वर्षों से एक-दूसरे से विवाह-संबंध, धार्मिक मान्यताएँ एवं सामाजिक आयोजनों में सहभागी होते आए हैं। फिर भी, मात्र लिखावटी विविधता के कारण जाति प्रमाण-पत्र मिलने में अड़चन आ रही है। जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई), छत्तीसगढ़ द्वारा इस संदर्भ में सर्वेक्षण किया जा चुका है और विषय गृह मंत्रालय के अधीन भारत के महापंजीयक (आरजीआई) के पास विचाराधीन है। केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि यह एक संवेदनशील सामाजिक विषय है, और वे इसे गृह मंत्रालय तथा अन्य संबंधित विभागों के समक्ष शीघ्रता से रखने हेतु आवश्यक कदम उठाएँगे। प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख रूप से नयूराम मगत (अध्यक्ष),कुबर राम भगत (कार्यकारी अध्यक्ष), रामवृक्ष भगत (सचिव), जगन राम भगत (उपाध्यक्ष) एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

शब्द पहेली - 5943

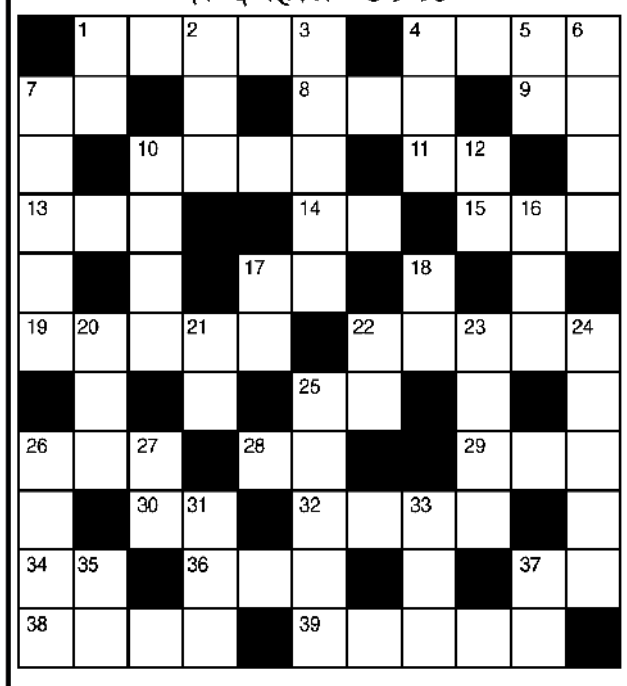

बाएँ से दाए

1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल,समय, पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु, मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र, बेटा-3
14. क्षार, खारा-2
15. दर, मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा, भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी, सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरुपता-4
34. इसाई साध्वी -2
36. टेंशन, परेशानी-3
37. खुजली -2
38. अशक्त, निर्बल-4
39. नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा, बैर, द्वेष-2
2. सद्पुरुष, अच्छे कुल का-3
3. सार-संभाल-2,3
4. विचार करना-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा, धर्मविधी-4
7. आवास, गरीबखाना-5
10. संपत्ति-4
12. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. मां की मां-2
18. भय, खौफ-2
20. वेग, गति-3
21. मुंह, चेहरा-2
22. पैर, ओहदा-2
23. वर्धनशील, बढ़नेवाला-4
24. शकरगंजी, कंद-5
25. सभागार, सभाकक्ष-5
26. भयंकर, खतरनाक-4
27. मोड़-2
31. कायर, डरपोक-3
33. तीन घंटे का समय, प्रहर-3
35. भीगा हुआ-2
37. नौकरानी-2

शब्द पहेली- 5942 का हल

■	रा	ज	क	पू	र	■	अ	च	र	ज
ज	य	■	रा	■	क्षि	ति	ज	■	त	ला
ना	■	अ	मा	न	त	■	र	वा	■	व
न	सी	ह	■	■	व	ह	■	म	का	न
खा	■	म	■	र	न	र	■	■	ल	■
ना	म	क	र	ण	■	स	ला	ह	का	र
■	हा	■	■	बी	रा	ना	■	र	■	ज
का	न	न	■	र	ज	■	■	जा	ग्र	त
म	■	र	ज	■	ध	ब	रा	ना	■	प
का	र	■	ग	ज	रा	■	ज	■	प	ट
ज	न	म	त	■	■	ना	ट	क	का	र

सूडोकु नवताल- 5953

सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5952 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

प्रथम पृष्ठ का शेष

पीएम मोदी बोले-...

बाद मैंने एक बैठक बुलाई। उस बैठक में मैंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आतंकवाद को करारा जवाब देना होगा, और यह हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। मोदी ने कहा, सेना को कार्रवाई की खुली छूट दी गई। हमें गर्व है, आतंकियों को वो सजा दी कि आज भी आतंक के उन आकाओं की नींद उड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि भारत ने सिद्ध कर दिया है कि 'न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग' अब नहीं चलेगी, और न ही इसके सामने झुकेगा। उन्होंने कहा, 22 अप्रैल को पहलगाम में जिस प्रकार की क्रूर घटना हुई, जिस तरह आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों से धर्म पूछकर गोलियां चलाईं, यह क्रूरता की पराकाष्ठा थी। यह भारत को हिंसा की आग में झोंकने का एक सुविचारित प्रयास था, भारत में दंगे फैलाने की साजिश थी। मैं आज देशवासियों का धन्यवाद करता हूं कि देश ने एकता के साथ उस साजिश को नाकाम कर दिया।

पीएम में इंदिरा...

पांच विमानों का नुकसान नहीं होता। उनका कहना था कि नुकसान के लिए भारतीय वायुसेना जिम्मेदार नहीं है, बल्कि राजनीतिक नेतृत्व जिम्मेदार है, जिसने पायलटों के हाथ बांध दिए थे। **ट्रंप ने 29 बार कहा, युद्धविराम कराया** -नेता प्रतिपक्ष राहुल ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति ने 29 बार कहा है कि उन्होंने युद्धविराम कराया है। अगर वह (ट्रंप) गलत हैं तो प्रधानमंत्री यहां सदन में कहें कि ट्रंप असत्य बोल रहे हैं। अगर प्रधानमंत्री में इंदिरा गांधी की तरह साहस है तो वह यहां पर कह दें कि ट्रंप ने असत्य बोला है। कांग्रेस नेता ने कहा, अगर प्रधानमंत्री में इंदिरा गांधी का 50 प्रतिशत भी साहस है तो ट्रंप के बयान को खारिज कर दें।

राज्यसभा में नड्डा-...

सदन में खड़गे के संबोधन के बाद केंद्रीय मंत्री ने नड्डा ने कहा कि खड़गे जी अपने कद के मुताबिक शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। मैं चाहता हूं कि उन शब्दों को कार्यवाही से निकाल दिया जाए। वह एक वरिष्ठ नेता हैं, लेकिन जिस तरह से उन्होंने प्रधानमंत्री पर टिप्पणी की, मैं उनका दर्द महसूस कर सकता हूं। उन्होंने (पीएम मोदी ने) उन्हें पिछले 11 साल से वहां (विपक्ष में) बैठा रखा है, जबकि वह दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। नड्डा ने आगे कहा कि हम सभी को इस पर गर्व होना चाहिए, लेकिन चूंकि आप अपनी पार्टी की गतिविधियों में इतने बिजी हैं, इसलिए राष्ट्र का मुद्दा आपके लिए गौण हो जाता है और अपना 'मेंटल बैलेंस' खोने के बाद, आप पीएम मोदी के लिए असंसदीय शब्द कहते हैं। जेपी नड्डा के इस बयान के बाद विपक्षी सांसदों ने सदन में हंगामा शुरू कर दिया। हंगामा बढ़ता देख जेपी नड्डा ने कहा कि मैं अपने शब्द वापस लेता हूं। उन्होंने कहा कि मानसिक असंतुलन नहीं, रिकॉर्ड में भावावेश कर दीजिए। उन शब्दों को एक्सपंज करने की कृपा करें, यही मैं कहूंगा, लेकिन नड्डा के बयान पर हंगामा थमा नहीं और विपक्षी सांसद नारेबाजी करते रहे। जेपी नड्डा के बाद खड़गे ने कहा कि मैं नड्डा साहब का आदर करता हूं। राजनाथ सिंह और नड्डा साहब कुछ ऐसे मंत्री हैं, जो अपना संतुलन खोए बिना बात करते हैं, लेकिन वह मुझे मेंटल बोल रहे हैं, यह शर्म की बात है। उन्हें माफी मांगनी चाहिए, मैं छोड़ने वाला नहीं हूं। इस पर फिर से नड्डा ने कहा कि मैंने अपने शब्द वापस ले लिए हैं और आपकी भावनाओं को ठेस पहुंची है तो मैं माफी भी मांगता हूं। जेपी नड्डा ने आगे कहा कि लेकिन आप भावावेश में बह गए, आप इतने बह गए कि प्रधानमंत्री की गरिमा का भी ध्यान नहीं रख पाए, इस बात को याद रखने की जरूरत है।

पहलगाम नरसंहार...

आतंकी हमले में वह लिप्त था, इसके बहुत सारे सबूत हमारी एजेंसियों के पास हैं। अफगान और जिब्रान भी ए श्रेणी के आतंकवादी थे। गृह मंत्री ने कहा, जिन्होंने पहलगाम की बैसरन घाटी में हमारे निर्दोष नागरिकों को मारा था, उनमें ये तीनों आतंकवादी शामिल थे और कल तीनों ही मारे गए। मैं सेना के पैरा 4, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के सभी जवानों को सदन और पूरे देश की ओर से बहुत-बहुत साधुवाद देता हूं।

महादेव सट्टा में...

कराने की बात कही। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया है। इधर एसपी के निर्देश पर एएसपी द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है लेकिन इन सब के बीच 29 जुलाई की सुबह वर्तमान में बलरामपुर जिले में यातायात विभाग में पदस्थ आरक्षक प्रवीण सिंह ने जहर पीकर आत्महत्या का प्रयास किया। आरक्षक ने अपने घर में जहर पी लिया जिसके बाद उसे आनन फानन में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पीएससी 2021 :...

सीबीआई की जांच और हाईकोर्ट के फैसले के अधीन रहेगी। ज्ञात हो कि पीएससी में हुई नियुक्ति को लेकर लगाई गई जनहित याचिका की सुनवाई बिलासपुर हाईकोर्ट में चल रही है। इस मामले में राज्य सरकार की ओर से कहा गया था कि जब तक मामले के अगली सुनवाई नही हो जाती, तब तक जिन लोगों पर आरोप लगे हैं, उनकी नियुक्तियां अभी नहीं होंगी। जिनकी नियुक्तियां हो चुकी हैं, वह न्यायालय के आदेश के अधीन रहेगी। इसके बाद सरकार ने जांच के लिए सीबीआई को मामला सौंपा था। इधर जिन लोगों की नियुक्ति पर रोक लगी थी, उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। इसमें कहा गया कि पूरी जांच में लंबा समय लग सकता है। तब तक ज्वाइनिंग से वंचित करना अन्याय है। पिछले एक साल से लगी रोक के कारण सभी उम्मीदवार परेशान हैं। प्रारंभिक सीबीआई और राज्य शासन की जांच में भी इन अभ्यर्थियों के खिलाफ कुछ नहीं मिला है। हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद कहा है कि जिन अभ्यर्थियों के खिलाफ जांच में कुछ नहीं मिला है और जिनके खिलाफ सीबीआई ने चार्जशीट पेश नहीं की है उन्हें 60 दिनों के भीतर राज्य शासन ज्वाइनिंग दे।

इंडिया गठबंधन ...

याचिका कोर्ट नामंजूर कर दी है। छत्तीसगढ़ पहुंचे सांसदों में केरल से बेनी बहनन, फ्रांसिस जॉर्ज, एनके प्रेमचंदन, अनिल ए थॉमस शामिल हैं। उनके अलावा विधायक रोजी एम जॉन, कांग्रेस सांसद सप्तगिरी शंकर उल्का, छत्तीसगढ़ कांग्रेस की सह प्रभारी जरिता लेतफलांग समेत दुर्ग के नेता भी उनके साथ दोनों से जेल में मुलाकात की। सांसदों ने कहा कि वो इस मुद्दे को सदन में भी उठाएंगे, क्योंकि बिना किसी सबूत और आधार के ननों को ना सिर्फ गिरफ्तार किया गया, बल्कि गंभीर धाराएं भी लगाई गई हैं। उन्होंने बताया कि मुलाकात के बाद रिपोर्ट तैयार कर सांसद कांग्रेस आलाकमान को सौंपेंगे। सांसदों के दल में शामिल केरल के सांसद एनके प्रेमचन्दन ने कहा, छत्तीसगढ़ में दो धार्मिक महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। दोनों पर मानव तस्करी और धर्मांतरण के बेसलेस आरोप लगाए गए है। ये माइनॉरिटी पर अटैक है। उन्होंने कहा, तीनों महिलाओं की उम्र 21, 23 और 25 है, जिन्हें काम करने के लिए ले जा रहे थे। उन्होंने कहा, बजरंग दल ने मानव तस्करी और धर्मांतरण का आरोप लगा दिया। दरअसल, यह धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार पर हमला किया जा रहा है। यह अटैक ओडिशा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मणिपुर में हो रहे हैं। बीजेपी रूल्ड स्टेटस में अटैक की खबरें आ रही हैं। सांसद ने कहा, क्रिश्चियंस पर अटैक हो रहा है, इसलिए हमने ये कमेटी बनाई है। कल लोकसभा में ये विषय उठाया जाएगा। इस मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह से और हो सके, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाक़ात करेंगे। **कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल ननों से मिला** - ननों से मिलने वाले लोगों में कांग्रेस सांसद सप्तगिरी उल्का, केरल के नेता बेनी बेहनान, फ्रांसिस जॉर्ज, एनके प्रेमचंदन और कांग्रेस अल्पसंख्यक नेता अनिल ए थॉमस आए हैं। कांग्रेस सांसदों समेत प्रतिनिधिमंडल में जेल में जाकर ननों से मुलाकात की। साथ ही ननों को निर्दोष बताकर की रिहाई की मांग की है। **सिर्फ कपड़ों के आधार पर बना दिया मुजरिम** -ओडिशा से कांग्रेस सांसद सप्तगिरी शंकर उलाका ने आरोप लगाया कि दुर्ग रेलवे स्टेशन पर सिर्फ कपड़ों के आधार पर दो ननों पर गंभीर आरोप लगाकर बिना किसी जांच के पुलिस ने अरेस्ट कर लिया। इसके बाद उन्हें नॉन बेलेबल धाराओं में जेल में डाल दिया गया है। ये सरासर अन्याय है। किसी को जॉब देना गुनाह नहीं है। यदि ऐसा है तो अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का जिम्मा कौन उठाएगा। हमने ननों से मुलाकात की है. जो भी तथ्य सामने आए हैं उनको हम लोकसभा की सदन में रखेंगे। कानून व्यवस्था को ताक पर रखकर इस तरह से एकतरफा कार्रवाई करना सही नहीं है। **ननों को जबरन फंसाया गया** -इस मौके पर सांसद फ्रांसिस जॉर्ज ने कहा, दोनों नन निर्दोष हैं, उन्हें जबरन फंसाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिन युवतियों को उनके साथ ले जाया जा रहा था, वे पहले से ही ईसाई धर्म अपना चुकी थीं और जॉब के लिए जा रही थीं। यह मामला धर्मांतरण का नहीं, बल्कि एक सामाजिक भ्रम है। **जानिए पूरा मामला** -25 जुलाई को दुर्ग रेलवे स्टेशन पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मानव तस्करी और धर्मांतरण का आरोप लगाते हुए दो ननों और एक युवक को रोका था। आरोप था कि तीनों, नारायणपुर जिले की तीन लड़कियों को बहला-फुसलाकर आगरा ले जा रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने रेलवे स्टेशन पर नारेबाजी करते हुए सभी को पुलिस के हवाले कर दिया था। थाना भिलाई-3 के अंतर्गत दुर्ग जीआरपी चौकी में मामले की जांच के बाद धर्मांतरण की धारा 4 के तहत मामला दर्ज कर तीनों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया था।

भूपेश बघेल भी...

आपने समय दिया है, तो मिलने क्यों नहीं दिया जा रहा है। मैं ये नहीं जानता कि पूरा मामला क्या है, लेकिन यदि कोई लोकसभा छोड़कर सिर्फ मुलाकात करने के लिए यहां आया तो क्यों नहीं मिलने दिया जा रहा है। केरल से ही बीजेपी का डेलीगेट रायपुर में बैठा है, इसलिए कांग्रेस के सांसदों को आज मिलने नहीं दिया जा रहा था।

डिप्टी सीएम...

वाली हैं। श्री शर्मा ने मीडिया से कहा कि नन मामले में जीआरपी थाने में केस दर्ज हुआ है। अबूझमाड़ की लड़कियों को ले जाया जा रहा था, ऐसी घटनाएं पूर्व के वर्षों में हुई हैं,यह भी जांच में पता चला है। दोनों नन अभी जेल में है।कानून अपना काम कर रहा है ।आने वाले समय में वो अपनी प्रक्रिया करेंगे। हम अपनी प्रकिया करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ...

अपनी 20 साल की सजा पूरी कर ली है। सजा समीक्षा बोर्ड ने यादव के आचरण का हवाला देते हुए उसकी माफी की याचिका खारिज कर दी थी। शीर्ष अदालत ने एसआरबी की कार्रवाई पर आश्चर्य व्यक्त किया। कहा कि वह कोर्ट द्वारा पारित आदेश पर कैसे रोक लगा सकता है। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि सजा समीक्षा बोर्ड न्यायिक प्राधिकारी के आदेश को कैसे दबा सकता है? अगर यही रवैया रहा तो हर दोषी जेल में ही मरेगा। क्या यही कार्यपालिका का आचरण है? शीर्ष कोर्ट ने कहा कि यादव को 20 साल की सजा पूरी होने के बाद रिहा कर दिया जाना चाहिए था। दिल्ली सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अर्चना पाठक दवे ने तर्क दिया कि 20 साल की सजा के बाद स्वतः रिहाई नहीं हो सकती। आजीवन कारावास का अर्थ है जीवन शेष रहने तक जेल में रहना। हालांकि, यादव की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ मृदुल ने दलील दी कि उनके मुवक्किल ने 9 मार्च 2025 को अपनी सजा पूरी कर ली है। उन्होंने कहा कि यादव को 9 मार्च के बाद हिरासत में रखने का कोई वैध कारण नहीं है। कहा कि दिल्ली सरकार ने सजा की गलत व्याख्या की है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने यादव को तीन महीने की फर्लो दी थी। यादव ने बिना किसी छूट के 20 साल की निर्बाध कारावास की सजा काटी है। फर्लो जेल से एक अस्थायी रिहाई है। यह आमतौर पर उन लंबी अवधि के कैदियों को दी जाती है जिन्होंने अपनी सजा का एक हिस्सा पूरा कर लिया हो।

मुठभेड़ में नक्सली...

विस्फोटक सामग्री व अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गई हैं। आईजी ने बताया कि अभियान के दौरान प्रेशर आईईडी ब्लास्ट में डीआरजी के तीन जवान घायल हुए हैं।

नक्सलियों के शहीदी...

बनाकर उन्हें याद करते हुए गांव गांव में सभा आयोजित किया जाता है, जहां इलाके के ग्रामीणों को भी बुलाया जाता है। इस दौरान नक्सली अपने मारे गए साथियों की याद में विरोध प्रदर्शन और हिंसक गतिविधियों को अंजाम देते हैं। इसे देखते हुए सुरक्षाबलों ने पहले ही अभियान को तेज कर दिया था।

बेमेतरा जिला...

कम है। मौसम विशेषज्ञों की मानें, तो पूर्व में यह हालात कबीरधाम में बनते थे, मगर अब वहां की स्थिति में सुधार आ चुका है। मानसून ने इस बार जुलाई के महीने में छत्तीसगढ़ का पूरा साथ दिया है और यहां पर्याप्त मात्रा में हुई बारिश के बाद कुल वर्षा 611.5 मिमी. दर्ज हो चुकी है। रायपुर समेत 31 जिले में जुलाई की औसत बारिश का आंकड़ा पार हो चुका है। केवल कोंडागांव में 22 और बेमेतरा में 38 फीसदी का संकट है। मौसम विशेषज्ञों की मानें, तो बेमेतरा जिला ही ऐसा है जहां हर साल कम पानी गिरता है। शुरुआत से बना संकट मौसम के समाप्त होने तक बरकरार रहता है। विशेषज्ञों की मानें, तो वर्ष 2019 के बाद से बेमेतरा जिले में इस तरह की दिक्कत हो रही है। बारिश की समस्या से ग्रसित इलाके को वृष्टि छाया एरिया कहा जाता है। आमतौर पर ऐसा क्षेत्र पहाड़ों के पीछे होता है, जहां नमीयुक्त हवा नहीं पहुंच पाती, मगर बेमेतरा जिले के सामने पहाड़ का अवरोध भी नहीं है, इसलिए मौसम विशेषज्ञ वहां कम वर्षा के कारणों पर केवल कयास लगाते हैं।

पड़ोसी जिलों में...

520 मिमी. बारिश हो चुकी है। इसके अलावा अन्य जिले भी सामान्य, अधिक और औसत से काफी अधिक बारिश की श्रेणी में शामिल हो चुके हैं।

RAIPUR MUNICIPAL CORPORATION
New Head Office Building. White House, Gandhi Chowk, Raipur (C.G.) - 492001
Tele fax: 0771-2227395, E-mail: dc_rmc@rediffmail.com

.NIT NO 53/DC/RMC/2025 Raipur, Date: 29/07/2025

Expression of Interest (EOI)

Raipur Municipal Corporation invites Expression of Interest (EOI) for selection of agency for reputed Firms Agencies/Companies to submit a proposal expressing their interest for "Shortlisting of eligible agencies to participate in the RFP process for selection of most suitable of them to provide necessary services for Basemap updation & property survey for Raipur Municipal Corporation" upto 14/08/2025 at 04.00 PM by speed post Registered post only. The EOI document can also be viewed and downloaded at www.nagarnigamraipur.nic.in

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें

Dy. Commissioner (IT)
Municipal Corporation
Raipur (C.G.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ.ग.)
Phon No-07765-233823
Email ID cmonpp123@gmail.com
क्र./616/न.प./2025 पत्थलगांव दिनांक 28/07/2025

''रूचि की अभिव्यक्ति''(EOI)

कार्यालय नगर पालिका परिषद् पत्थलगांव द्वारा ''Amrut Mitra'' योजना अंतर्गत समूह चयन के स्व सहायता समूहों से रूचि की अभिव्यक्ति (EOI)-(Project Code: AMT-CG-PATHALGAON-6781) एवं (Project Code: AMT-CG-PATHALGAON-6825) दिनांक 04/08/2025 को सायं 4.30 बजे तक स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक द्वारा आमंत्रित की जाती है कार्य का विस्तृत विवरण एवं नियम तथा शर्तें अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से रूपये 100.00 का भुगतान कर प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद
पत्थलगांव, जिला- जशपुर (छ.ग.)

संचालनालय, आयुर्वेद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी सिद्ध एवं होम्योपैथी, (आयुष) छत्तीसगढ़
ब्लॉक-1, तृतीय तल, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर 492002
फोन नं. (0771) 2221640, फैक्स 2221641, ईमेल- cgayush@gmail.com

क्रमांक / महा./ प्रवेश / स्नातक/ 2025-26/3504 नवा रायपुर, दिनांक 25 जुलाई 2025

// आवश्यक सूचना //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य के सभी शासकीय एवं निजी आयुष महाविद्यालयों के आयुष स्नातक (बी.ए.एम.एस./ बी.एच.एम.एस./बी.एन.वाय.एस.) पाठ्यक्रमों में प्रवेश की कार्यवाही ''छत्तीसगढ़ आयुष स्नातक पाठ्यक्रम प्रवेश नियम, 2023'' में निहित प्रावधान अनुसार संचालनालय द्वारा गठित राज्य काउंसिलिंग समिति द्वारा किया जावेगा। अतः किसी व्यक्ति/संस्था/एजेंसी के प्रलोभन में न फसें।

संयुक्त संचालक
आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी,
सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) छत्तीसगढ़

जी -252602426/2

कार्यालय नगरपालिक निगम, जगदलपुर जिला-बस्तर (छ.ग.)

''रूचि की अभिव्यक्ति (EOI)''

क्र./ 1192 / न.पा.नि./ लो.नि.वि./2025 जगदलपुर दिनांक 28/07/2025

नगरपालिक निगम जगदलपुर द्वारा ''AMRUT MITRA'' योजना अंतर्गत समूह चयन के लिए स्व सहायता समूहों से रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) (AMT-CG-JAGDALPUR-6779, 6806, AND 7967 हेतु दिनांक 05.08.2025 को दोपहर 03.00 बजे तक स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक द्वारा रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाती है । कार्य का विस्तृत विवरण एवं नियम तथा शर्तें अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से रू. 100.00 का भुगतान कर अथवा संचालालय नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के छ.ग. नवा रायपुर अटल लगर के वेबसाईट http://uad.cg.gov.in से डाउनलोड कर प्राप्त किया जा सकता है ।

आयुक्त
नगरपालिक निगम, जगदलपुर

सं-44724

Vrinda Multispeciality Hospital
Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
24 घंटे आपात चिकित्सा
उपलब्ध सुविधाएं
• जनरल मेडिसीन • छाती रोग • हृदय रोग • सांस एवं फेफड़ा रोग • दंत रोग • डायबिटीज • त्वचा रोग • प्रसूति एवं स्त्री रोग • बच्चों के रोग • जोड़ एवं हड्डी रोग • आंख, कान, गला रोग • जनरल सर्जरी • ऑन्कोलॉजी विभाग • यूरोलॉजी • फिजियोथेरेपी • सोनोग्राफी • डिजिटल एक्स-रे • सीटी स्कैन • क्रिटिकल केयर यूनिट • आईसीयू • ट्रॉमा केयर
अवंति विहार चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) 8962566221, 07714916125, 7223065604

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें

बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

---

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है- (1) हॉस्टल कार्य हेतु लड़के, लड़की (2) रिसेप्शन सम्भालने हेतु स्मार्ट लड़के लड़कियां (3) पार्सल, खाना डिलीवरी हेतु लड़के (4) इंडियन, चाइनीज खाना बनाने हेतु कुक चाहिए सम्पर्क करें 9329233000 **(38342)**

आवश्यकता है- घरेलु कार्य करने हेतु युवक चाहिए रहने के लिये निवास दिया जावेगा संपर्क गगन फोटो कापी सेंटर 27 खोली चौक बिलासपुर 9039768650 समय 11.00 से 2.00 शाम 5 से 9 रात्रि **(38333)**

आवश्यकता है- साईड सुपरवाईजर हेतु शिक्षित लड़कों की आवश्यकता है सैलरी योग्यता अनुसार संपर्क करें सरकंडा बिलासपुर 8878715510, 7582972087 **(38334)**

आवश्यकता है- फैक्ट्री मेस में कार्य करने हेतु खाना मिस्त्री रोटी मिस्त्री काउंटर में खाना देने, बर्तन धोने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। रहना, खाना की सुविधा फ्री पता- बिलासपुर 8871824812, 9993334937 **(38336)**

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीशियन एवं दुकान में काम करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- नूतन इनवर्टर, प्रथम तल, निगम कॉम्पलेक्स, देवकीनंदन चौक, बिलासपुर 98266 77626, 9827188163 **(38338)**

आवश्यकता है- डेंटल क्लीनिक में कार्य करने हेतु अटेंडर की आवश्यकता है संपर्क करें जीवी डेन्टल क्लीनिक भारतीय स्टेट बैंक के सामने राजकिशोर नगर बिलासपुर बिलासपुर **(38335)**

आवश्यकता है- घर में खाना बनाने वाली बाई की आवश्यकता है सुबह 7:30 बजे और शाम को 4:30 बजे पता - विद्या नगर बिलासपुर सम्पर्क करें- 9685901101 **(38340)**

आवश्यकता है- बिलासपुर में फील्ड में काम करने के लिए लड़का, लड़की, महिला, पुरुष की आवश्यकता है जो डोर टू डोर मार्केटिंग कर सके वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9109511248, 9993711248 **(38341)**

आवश्यकता है- रजिस्ट्री संबंधित कार्य हेतु अनुभवी कम्प्युटर आपरेटर चाहिए जिसे MS Word का अनुभव हो। (समय सुबह 10 से शाम 6 बजे) संपर्क करें गंगवानी कम्प्यूटर्स रजिस्ट्री ऑफिस के पास बिलासपुर 9770111119, 9827954450 **(38339)**

आवश्यकता है-थोक कपड़ा दुकान में काम करने हेतु लड़कों, लड़कियों की आवश्यकता है पेमेंट योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री साईं टैक्स, भाजपा कार्यालय के पास, करबला रोड, बिलासपुर 7415105000 **(38328)**

आवश्यकता है-बिलासपुर, कोरबा, जांजगीर, रायगढ़ अंबिकापुर, मनेन्द्रगढ़ जिलों में सुरक्षागार्ड, सुपरवाईजर गनमैन की आवश्यकता है। PF, ESI, मेडिकल, आवास सुविधा फ्री सम्पर्क करें- सिद्धी विनायक सिक्यूरिटी राजेन्द्र नगर बिलासपुर 9111175190 9098318675 **(38141)**

आवश्यकता है-मार्केटिंग मैनेजर- 1, फिल्ड अफिसर- 7, काउंसलर- 1 टेलीकॉलर-2 की आवश्यकता है योग्यता ग्रेजुएट, वेतन 6000 से 15000 सम्पर्क करें- अग्रसेन चौक बिलासपुर 9039980553 **(38330)**

आवश्यकता है-राजकिशोर नगर स्थित रियल स्टेट ऑफिस हेतु टेलीकॉलर युवती- 2 एवं सेल्स एक्जीक्युटिव युवक- 3 की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7566635955, 9713185566 **(38303)**

आवश्यकता है-प्रतिष्ठित हॉटल में कार्य करने हेतु एक वेटर एवं एक ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- हॉटल रोहित जूनी लाइन गोल बाजार बिलासपुर 78699 19506 **(38318)**

आवश्यकता है-यश सुपर बाजार में कम्प्यूटर आपरेटर एवं सेल्स के लिए लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है पता- रिंग रोड नं.-2, महाराणा प्रताप चौक, भारतीय नगर चौक, व्यापार विहार रोड बिलासपुर 9329941444 **(38324)**

आवश्यकता है-गर्ल्स हॉस्टल में कार्य हेतु महिला वार्डन, ड्राइवर, मेस कर्मचारी सिक्युरिटी गार्ड की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- गायत्री गर्ल्स हॉस्टल पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 9755996699, 7000390346 **(38323)**

आवश्यकता है- कम्प्यूटर ऑपरेटर जो बिलिंग का काम एवं कम्प्यूटर चलाना जानता हो एवं एक और लड़के की मेडिकल दुकान में काम करने के लिए आवश्यकता है संपर्क करेंः- 8319774327, 74898 74508 **(38325)**

आवश्यकता है- साड़ी, रेडीमेड दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- आकांक्षा जींस, बिलासा चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर 9827916580, 8889993188 **(38322)**

आवश्यकता है-ऑटो पार्ट्स दुकान में काम करने के लिए लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- गोल बाजार बिलासपुर 96910 61066 **(38320)**

आवश्यकता है-छत्तीसगढ़ से बाहर ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की अति शीघ्र आवश्यकता है योग्यता 10वी, 12वी, स्नातक वेतन 10000 रहना फ्री ट्रेनिंग के बाद कमाए 20000 से 25000 सम्पर्क करें- 7389769528 **(6754)**

आवश्यकता है- डीजे शोरूम मैनेजमेंट हेतु संवाद कुशल, कस्टमर हैंडलिंग, स्टॉक मेनटेनेन्स, सेल्स, बिलिंग, टेलीकॉलिंग के लिए अनुभवी लड़की चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- कपूर चन्द & सन्स सदर बाजार बिलासपुर 9685005500 **(38316)**

आवश्यकता है-प्रतिष्ठित संस्थान में कार्य करने हेतु एकाउंटेंट टैली ऑपरेटर (फीमेल) की आवश्यकता है। वेतन- 9000 से 12000 प्रतिमाह सम्पर्क करें- 95754 88884 **(38317)**

आवश्यकता है-औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षागार्ड वेतन 14000 सुपरवाइजर वेतन 16000 फील्ड ऑफिसर वेतन 15000 आवास फ्री PF+ ESIC सम्पर्क करें- Alert SGS Private Limited, भर्ती कार्यालय, साकरा चौक, सिलतरा रायपुर, छ.ग. 77470 00019, 7746000016, 7747000016, 77460 00019 **(074)**

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5-G कंपनी घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Name, Address, Qualification,Call/ WhatsApp करें- 07903284986 **(1069)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु लड़के की आवश्यकता है मोटर साईकिल चलाना आना चाहिए लोकल लड़को को प्राथमिकता मिले 11 से 3बजे तक ऑफिस- सरकार मिनरल्स, बजरंग चौक मेन रोड तालापारा बिलासपुर 93005 16198 **(195)**

आवश्यकता है-अर्जेंट भर्ती वन सुरक्षा को जिला अनुसार लड़के, लड़कियों की, पद संख्या- 940 वन रक्षक फील्ड ऑफिसर माली वन सिपाही सैलरी 24500 से 52500 पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना+ खाना की सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधार कार्ड मार्क शीट फोटो व्हाट्सएप करे सचिन शर्मा- 9915947081 **(1071)**

आवश्यकता है- सुनहरा अवसर नौकरी-10500, सीटों पर सीधी पक्की भारती परमानेंट बेसिस पर पद-वन रक्षक, क्लर्क, वन पाल, चपरासी, (10th +12th) पास लड़के लड़कियां आवेदन कर सकते हैं आवेदन के लिए- आधार कार्ड, पास पोर्ट फोटो, मार्क शीट, अस्थाई निवास प्रमाण पत्र व्हाट्सएप /कॉल करें - 9685327774 **(1075)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है उम्र 18 से 25 जो बाहर रहकर कार्य करे, रहना फ्री, सैलरी 10000+ कमीशन+ बोनस सम्पर्क करें- मुंगेली नाका चौक बिलासपुर 8085106943 **(191)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं पास छात्रों की आवश्यकता है जो कानपुर में रहकर काम कर सके वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस+ प्रमोशन+ रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15000 से 20000 महीना सम्पर्क करें- 8770508791, 72258 15090 **(604)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28वर्ष के अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है। योग्यता 10वी 12वी स्नातक पास सैलरी 10000 रहना फ्री ज्वाइनिंग के बाद कमाए 15000 से 20000 स्थान उज्जैन, म.प्र. सम्पर्क करें-9630773028, 96912 33111 **(361)**

बेचना है

बेचना है-बिरकाना रोड में अशोक वाटिका के पास 3000 वर्गफुट डायवर्टेड एवं बैमा नगोई मेन रोड रामाग्रीन सिटी के सामने 6 डिसमिल डायवर्टेड जमीन बेचना है सम्पर्क करें- विनोद जायसवाल 93003 26304 **(38326)**

बेचना है- कमर्शियल प्लॉट मसानगंज मेनरोड पर डबल रोड पुराना बना, 3 मंजिल बना हुआ मकान मिश्रा पुस्तकालय से मध्य नगरी चौक के बीच में साइज 26×50= 1292sq जमीन है शीघ्र बेचना है संपर्कः- 9827973444 **(196)**

बेचना है- बिलासपुर के प्राइम लोकेशन मुंगेली रोड ग्रीन गार्डन के पीछे शुभम विहार शिक्षक कॉलोनी फुल फर्निश्ड 2850 वर्गफुट में बना उत्तर मुखी डुप्लेक्स 4BHK मकान बेचना है। सम्पर्क करें- 62625 25232 **(38321)**

बेचना है- सरकंडा जबड़ापारा, राम गली के पास में 3 डिसमिल जमीन पर बना सर्व सुविधायुक्त 2 मंजिला मकान अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें 8328988650 **(38337)**

बेचना है-लगरा में RTO ऑफिस के आगे मेन रोड से 200 मीटर की दूरी पर 4800 वर्गफीट प्लॉट एवं चिल्हाटी में 2000 वर्गफुट प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 7828539364, 8770382324 **(38314)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका... पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड सब कुछ है यहां

सूचना पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

CLASSIFIED RATE CARD
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/ Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sqcm
Bhilai+Durg Edition	440	560	520	150/- Sqcm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sqcm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sqcm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sqcm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sqcm
All CG+MP	1280	1750	1600	330/- Sqcm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sqcm

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
COLOUR 20% Extra Charge For Disply

SCHEME
(Running) 3+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50
Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25
1. Pick of the day 15% extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100 Rs. EXTRA.

ADVT. Booking Time 10.30 am to 4.00 pm.
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL- Fix Size 10x3 Scheme

EDITION	RATE	Scheme
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500/- 1 Sunday	800/- 1 Sunday
900/- 2 Sunday	1200/- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

Edition	(30 Days)	(60 Days)	(90 Days)
Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur
Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778
E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur.
Mob.: 9826782100
E-mail- hbclassified375@gmail.com

गिल-विराट सहित इन बल्लेबाजों ने टेस्ट क्रिकेट कप्तानी में डेब्यू करते ही लगाए सर्वाधिक शतक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी का प्रभाव खिलाड़ी पर पड़ता है। कुछ लोग इसके दबाव में बिखर जाते हैं और उन्हें कप्तानी रास नहीं आती। वहीं, कुछ खिलाड़ी अतिरिक्त जिम्मेदारी मिलने पर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। शुभमन गिल ने भी अपनी कप्तानी की डेब्यू सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ बल्लेबाजी में कमाल किया है। इस बीच टेस्ट क्रिकेट इतिहास में कप्तानी में डेब्यू करते हुए सीरीज में सर्वाधिक शतक लगाने वाले खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं।

शुभमन गिल (4* शतक)

गिल ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में 700 से अधिक रन बनाए हैं। कप्तानी करते हुए उनकी बल्लेबाजी और बेहतर नजर आई है। यही कारण है कि उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर निरंतर रन बनाने में सफलता हासिल की है। लॉर्ड्स टेस्ट को छोड़कर उन्होंने हेडिंग्ले, एजबेस्टन और मैनचेस्टर टेस्ट में शतक जड़े। दिलचस्प रूप से उन्होंने एजबेस्टन में 269 और 161 रन की पारियां खेलते हुए जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

गिल ने हासिल की ये उपलब्धि

गिल अब किसी एक टेस्ट सीरीज में 700 से अधिक रन बनाने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय कप्तान बने हैं। उनसे पहले सुनील गावस्कर (732 रन बनाम वेस्टइंडीज) ऐसा कर चुके हैं।

विराट कोहली (3 शतक)

बतौर कप्तान अपनी पहली टेस्ट सीरीज में 3 शतक लगाने वाले पहले भारतीय कप्तान विराट कोहली हैं। 2014-15 में ऑस्ट्रेलिया में हुई टेस्ट सीरीज में कोहली ने टेस्ट कप्तानी में पदार्पण किया था और इस बल्लेबाज ने 2 शतक (115 और 141) लगाए थे। उस सीरीज में कप्तान के रूप में उनका दूसरा शतक सिडनी टेस्ट की दूसरी पारी में (147) आया था। उन्होंने उस सीरीज में कुल 4 शतक लगाए (1 धोनी की कप्तानी में) थे।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तानों ने लगाए 3 शतक

केवल 4 अन्य ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने कप्तानी करते हुए अपनी पहली टेस्ट सीरीज में 3 शतक बनाए थे। डॉन ब्रैडमैन ने 1936-37 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 3 शतक बनाए थे। वारविक आर्मस्ट्रांग ने भी 1920-21 में घरेलू एशेज सीरीज में इतने ही शतक बनाए थे। ग्रेग चैपल ने 1975-76 में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में यह उपलब्धि हासिल की थी। भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज 2014-15 में स्टीव स्मिथ ने कप्तानी करते हुए 3 शतक जड़े थे।

खबर संक्षेप

कारेनो बस्टा ने लियाम ड्राक्सल को हराया

टोरंटो। स्पेन के पाब्लो कारेनो बस्टा ने नेशनल बैंक ओपन टेनिस चैम्पियनशिप में कनाडा के वाइल्ड कार्डधारक लियाम ड्राक्सल को 2-6, 6-4, 6-4 से हराकर जीत के साथ आगाज किया। कारेनो बस्टा ने 2022 में यह टूर्नामेंट जीता था। स्पेन के ही जाउमे मुनार ने कनाडा के डान मार्टिन को 6-3, 6-0 से हराया। आस्ट्रेलियाई क्वालीफायर ट्रिस्टन स्कूलकेट ने ब्राजील के जोओ फोंसेका को 7-6, 6-4 से हराया। अमेरिका के मैकेंजी मैकडोनाल्ड ने बेल्जियम के डेविड गोफिन को 6-4, 6-4 से मात दी।

अश्विन ने झूठी खबर फैलाने वालों को लताड़ा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम इस साल सितंबर में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ एशिया कप में मुकाबले खेलेगी। इसको लेकर के सोशल मीडिया में एक खबर वायरल हो रही थी, जिसमें रविचंद्रन अश्विन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के इस फैसले की आलोचना कर रहे थे। अब अश्विन ने इसे झूठी खबर करार दिया है। इसके साथ-साथ उन्होंने ऐसी गलत खबर फैलाने वालों को लताड़ लगाई है। अश्विन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस खबर को झूठा करार दे दिया। उन्होंने पोस्ट करते हुए लिखा, 'मुझे इस झूठी खबर से मत जोड़िए। शर्म आनी चाहिए उन लोगों पर जो ये सब फैला रहे हैं।' बता दें कि अश्विन क्रिकेट जगत में अपनी मुखर प्रतिक्रियाओं के लिए पहचाने जाते हैं। वह खेल से जुड़े हर बड़े मुद्दे पर अपनी बात को कहने से नहीं चूकते हैं।

इंग्लैंड बनाम भारत का निर्णायक और आखिरी टेस्ट मैच 31 जुलाई से ओवल मैदान में

मैदान में पिच क्यूरेटर से भिड़े कोच गंभीर बोले-तुम हमें नहीं बताओ कि क्या करना है ?

एजेंसी ▶▶| केनिंग्टन ओवल

इंग्लैंड क्रिकेट टीम और भारतीय क्रिकेट टीम के बीच 31 जुलाई से सीरीज का निर्णायक और आखिरी 5वां टेस्ट 'द ओवल' मैदान पर खेला जाना है। फिलहाल सीरीज में 2-1 से पिछड़ रही भारतीय टीम को सीरीज बचाने ओवल टेस्ट जीतना बहुत जरूरी हो गया है। टीम इंडिया जीत का परचम फहराने अपनी

तैयारियों में जुटी है। इस बीच खबर है कि भारतीय टीम के प्रमुख कोच गौतम गंभीर ओवल के मैदान के पिच क्यूरेटर ली फोर्टिस से नाराज दिखे और दोनों के बीच तीखी बहस भी हुई। बता दें कि इस मैदान के इतिहास में भारतीय टीम ने सिर्फ दो टेस्ट मैच ही जीते हैं वहीं इस मैदान में 45 टेस्ट मैच जीतकर इंग्लैंड टॉप पर है।

पिच क्यूरेटर के सामने आपा खो बैठे गंभीर

रिपोर्ट के मुताबिक, गंभीर अभ्यास के लिए दी गईं सुविधाओं को लेकर नाराज थे। इसी बात को लेकर के फोर्टिस के सामने अपना आपा खो बैठे। दोनों की बातचीत एक बड़े विवाद में बदल गई। गुस्से में गंभीर ने फोर्टिस को उंगली दिखाते हुए कहा, तुम हमें नहीं बता सकते कि क्या करना है। बता दें कि इससे पहले भी भारतीय महिला टीम के एक मैच के दौरान भी फोर्टिस विवाद का हिस्सा रह चुके हैं।

अभ्यास के लिए दी गई सुविधाओं से नाखुश थे गंभीर

कथित तौर पर गंभीर केनिंग्टन ओवल में भारतीय टीम को अभ्यास के लिए दी गई सुविधाओं से नाखुश थे और क्यूरेटर के व्यवहार से वे बेहद नाराज हो गए थे। बता दें कि यह कोई पहला मौका नहीं है, जब ओवल के पिच क्यूरेटर फोर्टिस का नाम विवाद में आया हो।

भारत ने ओवल में जीते हैं केवल 2 टेस्ट मैच

1936 से 2023 के बीच भारत ने द ओवल में 15 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से सिर्फ 2 में उन्हें जीत मिली है और 6 में शिकस्त का सामना किया है। इस बीच 7 मैच ड्रॉ भी रहे हैं। भारत ने इस मैदान पर क्रमशः 1971 और 2021 में अजीत वाडेकर और विराट कोहली के नेतृत्व में जीत हासिल की थी। इंग्लैंड और भारत ने 1979 से 2007 के बीच यहां लगातार 5 मैच ड्रॉ खेले हैं।

इंग्लैंड 45 मैच इस मैदान में जीतकर शीर्ष पर

रिपोर्ट के अनुसार, 1880 से 2024 के बीच, इंग्लैंड ने ओवल के मैदान पर कुल 106 टेस्ट खेले हैं। मेजबान टीम ने यहां पर 45 टेस्ट जीते हैं और 24 मैच हारे हैं, जबकि 37 मैच ड्रॉ रहे हैं। इस मैदान पर सर्वोच्च टीम स्कोर का रिकॉर्ड भी इंग्लैंड के नाम ही दर्ज है। मेजबान टीम ने 1938 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 903/7 के स्कोर पर अपनी पारी घोषित की थी।

इन भारतीय खिलाड़ियों का रहा है अच्छा प्रदर्शन

ओवल में राहुल द्रविड़ सर्वाधिक रन वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। उन्होंने 110 की औसत के साथ 443 रन बनाए थे, जिसमें 2 शतक शामिल हैं। सक्रिय खिलाड़ियों में केएल राहुल ने यहां 62.25 की औसत से 249 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में रविंद्र जडेजा ने द ओवल में भारत के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट (15) लिए हैं। इस मामले में किसी अन्य भारतीय के नाम 10 से ज्यादा विकेट नहीं हैं।

इन इंग्लिश खिलाड़ियों ने ओवल में किया है कमाल

लियोनार्ड हटन टेस्ट क्रिकेट में द ओवल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने यहां 89.47 की औसत से 1,521 रन बनाए हैं। उनके नाम एक तिहरा शतक (364) भी है। इस बीच जो रूट ने इस मैदान पर 11 टेस्ट में 41.73 की औसत से 793 रन (2 शतक) बनाए हैं। इयान बॉथम ने ओवल में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट (52) लिए हैं।

बैडमिंटन टूर्नामेंट

सात्विक-चिराग मकाऊ ओपन के दूसरे दौर में

एजेंसी ▶▶| मकाऊ

सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय जोड़ी ने मंगलवार को यहां मलेशिया के लो हैंग यी और एनजी इंग चियोंग पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में फिर से जगह बनाने वाले सात्विक और चिराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशियाई जोड़ी को केवल 36 मिनट में 21-13, 21-15 से हराया। महिला एकल में अनमोल खरब और तस्नीम मीर अपने-अपने क्वालीफिकेशन मैच जीतकर मुख्य ड्रॉ में पहुंच गईं।

अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन

अनमोल ने अजरबैजान की कीशा फातिमा अजाहरा को 21-11, 21-13 से, जबकि तस्नीम ने थाईलैंड की टिडाप्रोन क्लेबीसुन को 21-14, 13-21, 21-17 से हराया। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला युगल जोड़ी चीनी ताइपे की लिन जियाओ मिन और पेंग यू वेई की जोड़ी से हारकर पहले दौर में ही बाहर हो गई। पुरुष युगल में डिंगकू सिंह कोंथौजम और अमान मोहम्मद ने हांगकांग के लॉ चेउक हिम और येउंग शिंग चोई को हराकर मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया। जहां उनका सामना हमवतन पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रतीक के से होगा।

सात्विक- चिराग बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में शीर्ष दस में लौटे

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी बीडब्ल्यूएफ पुरुष युगल विश्व रैंकिंग में फिर शीर्ष दस में पहुंच गए। दोनों पिछले सप्ताह चीन ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे जिससे उन्हें तीन पायदान का फायदा मिला।

आम सूचना

4 बी एच के फ्लैट क्रमांक A 102 प्रथम तल, Property UID No. RPR227Q0071B, सुपर बिल्ड अप एरिया - 2665 वर्गफुट स्थित यूफोरीया अपार्टमेंट (परिवर्तित भूमि खसरा नम्बर 262/1, 262/4, 262/20 के भाग पर निर्मित), वार्ड क्रमांक - 27, डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड (नया वार्ड क्रमांक - 11), मौजा - मोवा, प.ह.नं.- 109/45, रा.नि.मं.- रायपुर - 07, तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.) के संबंध में

सर्वविदित हो कि हमारे पक्षकार श्रीमती रजनी नाहटा पति श्री महेन्द्र नाहटा निवासी - ए - 25, जैन मन्दिर के पीछे, न्यू राजेन्द्र नगर, वर्धमान नगर रायपुर (छ.ग.) द्वारा श्रीमती प्रीती अग्रवाल पति श्री अंकित अग्रवाल निवासी- ए- 102, प्रथम तल, यूफोरिया अपार्टमेंट, शंकरा हुंडई के पास, मोवा, रायपुर (छ. ग.) से 4 बी एच के फ्लैट क्रमांक - A 102 प्रथम तल, (छ.ग.) Property UID No. RPR227Q0071B, सुपर बिल्ड अप एरिया - 2665 वर्गफुट स्थित यूफोरीया अपार्टमेंट (परिवर्तित भूमि खसरा नम्बर 262/1, 262/4, 262/20 भाग पर निर्मित), वार्ड क्रमांक - 27, डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड (नया वार्ड क्रमांक - 11), मौजा - मोवा, प.ह.नं.- 109/45, रा.नि.मं.- रायपुर - 07, तहसील व जिला - रायपुर (छ.ग.) को क्रय करने का पक्का सौदा कर लिया है तथा बयाना राशि अदा की जा चुकी है, केवल सीमांकन, बटांकन एवं विक्रय पत्र पंजीयन की प्रक्रिया शेष है ।

अतः उपरोक्त सम्पत्ति के स्वत्व, आधिपत्य, भारमुक्तता एवं अंतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, व्यक्तियों, शासकीय, अर्द्धशासकीय विभागो, बैंक, वित्तीय संस्थाओं एवं निकायों को किसी भी प्रकार का उजर, दावा या आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन से 15 (पन्द्रह) दिनों के अंदर अपनी आपत्ति मय दस्तावेज के नीचे लिखे पते पर अनिवार्य रूप से प्रस्तुत कर देवें, बाद म्याद हमारे पक्षकार द्वारा विक्रय पत्र का पंजीयन करवा लिया जायेगा। तत्पश्चात प्रस्तुत आपत्ति अवैध एवं शून्य होने से हमारे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं रहेगी ।

सो सूचना जाने।

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक - 28.07.2025

भवदीय
सुनील कुमार दुआ, सतीश मानके, वैभव देवांगन
अधिवक्तागण
निवास / कार्यालय - डी 306 / 5,
टैगोर नगर रायपुर (छ.ग.)
मो. 94252-12941, 79877-71417

बेन ने कप्तानी करते हुए बनाया ये बड़ा रिकॉर्ड

मेनचेस्टर। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में बड़ा रिकॉर्ड बनाया। दरअसल, इस ऑलराउंडर ने भारत के विरुद्ध सीरीज में बल्लेबाजी में 300 से अधिक रन बनाने के साथ-साथ गेंदबाजी में 15 से ज्यादा विकेट हासिल किए। इसके साथ ही वह किसी एक टेस्ट सीरीज में 300+ रन बनाने के साथ-साथ 15+ विकेट हासिल करने वाले पहले इंग्लिश कप्तान बने हैं।

एशियाई कप : भारत महिला टीम ग्रुप सी में जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे के साथ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत को अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप सी में जापान, पूर्व चैंपियन चीनी ताइपे और वियतनाम के साथ रखा गया है। एक से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाले 12 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ मंगलवार को सिडनी टाउन हॉल में आयोजित किये गए, जिसमें भारतीय मिडफील्डर संगीता बासफोर तीन ड्रॉ सहायकों में से एक थीं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है।

ग्रुप ए और बी में ये टीमें हैं शामिल

ग्रुप ए में मेज़बान ऑस्ट्रेलिया के साथ कोरिया गणराज्य, ईरान और फिलीपींस शामिल हैं। ग्रुप बी में उत्तर कोरिया, चीन, बांग्लादेश और उज़्बेकिस्तान शामिल हैं। चीन गत विजेता है और वह रिकार्ड 10वां खिताब

जीतने की कोशिश करेगा।

भारतीय टीम का अभियान 4 मार्च से : भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत चार मार्च, 2026 को पर्थ रेक्टेंगुलर स्टेडियम में वियतनाम के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद भारत सात मार्च को इसी मैदान पर जापान से और फिर 10 मार्च को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में चीनी ताइपे से भिड़ेगा।

विश्व चैंपियनशिप में भारतीय तैराकों का निराशाजनक प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶| सिंगापुर

भारतीय तैराकों का दोहा में चल रही विश्व तैराकी चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन मंगलवार को लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा जब कोई भी तैराक अपनी हीट से आगे नहीं बढ़ पाया। अनुभवी साजन प्रकाश अपने पसंदीदा 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में 24वें स्थान पर रहे और सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गए। प्रकाश ने 1:59.33 सेकंड का समय लिया। शीर्ष 16 तैराकों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस परिणाम के साथ ही 31 साल के प्रकाश का मौजूदा चैंपियनशिप में अभियान समाप्त हो गया। वह इससे पहले वह सोमवार को वह 200 मीटर फ्रीस्टाइल में 43वें स्थान पर रहे थे।

अन्य खिलाड़ियों का ऐसा रहा प्रदर्शन

पुरुषों की 800 मीटर फ्रीस्टाइल में आर्यन नेहरा 8:21.30 सेकंड के सामान्य से कम समय के साथ 23वें स्थान पर रहे। फाइनल में केवल शीर्ष आठ तैराक ही आगे बढ़े। नेहरा ने चैंपियनशिप के पिछले सत्र (2023) में 08:00.76 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। उनका अभियान भी समाप्त हो गया। वह 50 मीटर बटरफ्लाई में 91 तैराकों में से 57वें स्थान पर रहे थे। एसपी लिकित ने पुरुषों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक में 28.45 सेकंड के समय के साथ 50वां स्थान हासिल कर अपना अभियान समाप्त किया।

वनडे रैंकिंग : मंधाना से ब्रंट ने छीनी बादशाहत, बनीं नंबर वन

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी ने महिला वनडे खिलाड़ियों की नई रैंकिंग जारी की है, जिसमें टॉप पर बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। भारतीय स्टार ओपनर स्मृति मंधाना को एक पायदान का नुकसान हुआ है। वे अब नंबर-2 पर खिसक गई हैं।

उनकी जगह इंग्लैंड की कप्तान नेट साइवर ब्रंट ने नंबर-1 की कुर्सी हासिल कर ली है। दोनों के बीच महज 3 अंकों का ही फासला है। मंधाना जुलाई 2023 से लेकर अप्रैल 2024 और फिर जून से दिसंबर 2024 तक नंबर-1 पर काबिज रह चुकी हैं, लेकिन इस बार उन्हें मामूली अंतर से पीछे हटना पड़ा।

हरमनप्रीत की सेंचुरी का बड़ा इनाम

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी मैच में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 82 गेंदों पर 102 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर टीम इंडिया को मजबूती दी। इस प्रदर्शन का उन्हें सीधा फायदा मिला और वह आईसीसी विमेंस वनडे रैंकिंग में 10 स्थान की छलांग लगाकर 11वें नंबर पर पहुंच गईं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निर्माण कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र.: सीएओ/सी/बीएसपी/25-26/09, दिनांक: 22.07.2025. (ओपेन ई-टेंडर) (टू पैकेट सिस्टम)
कार्य का नाम: "दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के एलबीओ – बीएकाए स्टेशनों के बीच किमी 919/13-14 पर मानवयुक्त एलसी संख्या डीडी–46 को समाप्त करने के लिए लाइट रोड ओवर ब्रिज (एलआरओबी) का निर्माण।"
निविदा मूल्य: ₹ 18,57,39,370.69.
अमानत राशि: ₹ 10,78,700.00. निविदा दस्तावेज की लागत: शून्य। कार्य पूर्ण होने की अवधि: 18 (अठारह) माह, स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से।
निविदा बंद होने की तिथि व समय: 19.08.2025 को 15:00 बजे तक। निविदा खुलने की तिथि व समय: 19.08.2025 को 15:30 बजे।
विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर पिन–495004 अथवा उप मुख्य अभियंता /निर्माण/ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर पिन–495004 अथवा उप मुख्य अभियंता/निर्माण/I/ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर पिन–492009, मुख्य परियोजना प्रबंधक/ पश्चिम/ निर्माण/दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर पिन– 440001 के कार्यालय में संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर/देख सकते है।

उप मुख्य अभियंता/निर्माण/
सीपीआर/10/196 बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

अतिथि व्याख्याता/अतिथि शिक्षण सहायक हेतु संक्षिप्त विज्ञापन

शासकीय नवीन महाविद्यालय सोनहत जिला कोरिया छ.ग.में सहायक प्राध्यापक (प्राणी विज्ञान 01, वनस्पति विज्ञान 01, वाणिज्य विषय 02) रिक्त पदों के विरुद्ध अध्यापन हेतु योग्य एवं निर्धारित अर्हताधारी आवेदकों से अतिथि व्याख्याता हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदक अपने समस्त प्रमाण पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन दिनांक 11.08.2025 को सायं 05:30 बजे तक केवल रजिस्टर डाक अथवा वाहक के हस्ते (कार्यालय से पावती प्राप्त करें) प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। चयन प्रक्रिया अतिथि व्याख्याता नीति 2024 के अनुसार किया जाएगा।

नोट- विस्तृत विज्ञापन महाविद्यालय की बेवसाइट www.govtnaveencollegesonhat.edu.in एवं नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध है जिससे विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय नवीन महाविद्यालय नागपुर, जिला-मनेन्द्रगढ-चिरमिरी - भरतपुर (छ.ग.)
Email - naveencollege.nagpur@gmail.com

क्रमांक /54/ स्था./2025 नागपुर दिनांक 28-07-25

// अतिथि व्याख्याता एवं अन्य हेतु संक्षिप्त विज्ञापन //

शासकीय नवीन महाविद्यालय नागपुर जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.) में प्राध्यापक / सहायक प्राध्यापक, क्रीड़ा अधिकारी के रिक्त पदों के विरूद्ध अध्यापन/खेल-कूद व्यवस्था हेतु योग्य एवं निर्धारित अर्हताधारी आवेदकों से अतिथि व्याख्याता, अतिथि ग्रंथपाल, अतिथि क्रीड़ा अधिकारी एवं अतिथि शिक्षण सहायक / क्रीड़ा सहायक हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदक अपने समस्त प्रमाणपत्र एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित प्रारूप में आवेदन दिनांक 07.08.2025 तक कार्यालयीन समय तक केवल रजिस्टर्ड डाक अथवा वाहक के हस्ते जमा कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नही किया जायेगा। विस्तृत विज्ञापन संस्था के नोटिस बोर्ड शासकीय नवीन महाविद्यालय नागपुर जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.) के सूचना पटल / कार्यालय से जानकारी प्राप्त कर सकते है।

प्राचार्य/
शासकीय नवीन महाविद्यालय, नागपुर
जिला-मनेन्द्रगढ-चिरमिरी - भरतपुर (छ.ग.)

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर
NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY RAIPUR
(An Institute of National Importance)
Under Ministry of Education, Govt. of India

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर सिविल कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित करता है जिसका विवरण निम्नानुसार है: Name of Work : Construction work of badminton court in NIT Raipur. Enquiry no.: No./NITRR/EE/EO/ETender/2025/0240, Raipur, Dated: 28-07-2025.
जो की ई-निविदा के माध्यम से www.tenderwizard.in/NITR पोर्टल पर करना है। निविदा जमा करने कि अंतिम तिथि 23/08/2025 18:00 बजे तक व निविदा खुलने की तिथि 25/08/2025 16:00 बजे। फॉर्म व अन्य जानकारियाँ वेबसाइट www.nitrr.ac.in व www.tenderwizard.in/NITR से डाउनलोड की जा सकती है।

-सही-
कार्यपालन अभियंता
संपदा विभाग, एन.आई.टी.रायपुर

NAAC GRADE B+
College Code-3503

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
E-mail id-gcbishrampur2016@gmail.com,
Web Site www.govtcollegebsbishrampur.ac.in

क्र.854 स्था./अ0व्या0/2024 बिश्रामपुर, दिनांक 29/07/2024

कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय का पत्र क्रमांक 289/01/आउशि/राज. स्था./2025 नवा रायपुर, अटल नगर, दिनांक 23.07.2025 के परिपालन में शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर जिला सूरजपुर (छ.ग.) में अध्यापन व्यवस्था हेतु योग्य एवं निर्धारित शैक्षणिक अर्हताधारी आवेदको से सहायक प्राध्यापक पद के रिक्त पदों के विरूद्ध अतिथि व्याख्याता एवं अतिथि शिक्षण सहायक हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। आवेदक अपने समस्त प्रमाण पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन दिनांक 02/08/2025 को सायं 05:30 बजे तक केवल रजिस्टर्ड डाक अथवा वाहक के हस्ते (कार्यालय से पावती प्राप्त करें) प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नही किया जायेगा।

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर
जिला- सूरजपुर (छ.ग.)

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN: L65910KL1992PLC006623,
Registered Office : W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16/08/2025 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुनः सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :
बिलासपुर, बस स्टैंड बिलासपुर, 117040700025109, 5450, 5497, 117040730046234, 6457, 6461, 6638, 6640, 6699, लिंक रोड बिलासपुर, 131560700016613, 131560730019693, 9875, 131560730020095, 0328, 0329, 0335, 0407, 2875, महाराणा प्रताप चौक, 124630700020531, 0803, 0809, 124630730020722, 1035, 1274, 1346, 1354, 1383, 1408, 1409, 1416, 1430, 1478, 1619, मंगला चौक बिलासपुर, 122000700025549, 5649, 5667, 5790, 5852, 5854, 122000730035058, 5347, 5718, 6074, 6167, 6185, 6377, 6378, सदर बाजार बिलासपुर, 129660700018633, 129660730017600, 7705, 8030, 8377, 8378, 129660780000373, सरकंडा बिलासपुर, 121440700023624, 3668, 3679, 3829, 3843, 3845, 3854, 3887, 121440730029792, 9894, 9915, 121440730030051, 0052, 0094, 0143, 0144, 0191, 0241, व्यापार विहार, 115450700020033, 0038, 0044, 0197, 0210, 0284, 115450730027264, 7505, 7592, 7829, 8107, 8119, 8120, 8184, 8185, 8190, 8221, जंजगीर चंपा, अकलतरा, 138220700004314, 138220730037603, 7723, 8127, 8248, 8275, बरपाली चौक जाँजगिर-चांपा, 134380730022948, 3012, 3508, 3582, 3610, 3647, कोर्बा, कोसाबाडी, 125440700027895, 8031, 8067, 8080, 8088, 125440730056339, 6376, 6510, 6718, 6749, 6839, 6889, 6998, 6999, 7104, 7254, निहारिका टॉकीज, 116970700022401, 2474, 2615, 116970730044343, 4534, 4548, 4633, 4726, 4752, 4832, 4991, 5092, पॉवर हाउस रोड, 114460700017835, 7973, 7986, 8036, 114460730031909, 2308, 2377, 2378, 2401, 2413, 2417, 2424, 2468, टी पी नक्शर, 126470700016777, 126470730029429, 9457, ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा, 114450730045557, 5967, 6116, 6129, 6132, 6133, 6144, 6250, 6255, 6256, 6311, 6341, 6414, 6479, 6548, 6646, 6698, 6705, 114450780000284, रायगढ़, जगतपुर छत्तीसगढ़, 123720700034144, 123720730044958, 5299, 5450, 5774, 6094, 6387, 6572, 6630, 6725, 6792, 6852, 7137, कोटरा रोड़, 126070730040256, 0396, 0437, 0552, 0562, 0633, रामनिवास टॉकीज रोड़, 117520730041057, 1152, 1205, 1230, 1235, 1297, 1324, 1643, 1693, 1786, सरगुजा, अंबेडकर चौक अंबिकापुर, 131880700021158, 2064, 131880730034371, 4429, 4575, 4592, 4593, 4594, 4731, 6463, 7758, ब्रह्मा रोड अंबिकापुर, 131900700013441, 3535, 3618, 131900730018362, 8488, 8504, खरसिया रोड अंबिकापुर, 131960700015060, 5120, 5305, 6591, 7497, 7726,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू. 10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 8089292353 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

राष्ट्रीय स्तर पर टॉप-100 में छत्तीसगढ़ के 25 शहर

शहरी स्वच्छता में छत्तीसगढ़ की लंबी छलांग, स्वच्छता सर्वे में शामिल 169 में से 115 शहरों की सुधरी रैंकिंग

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

भारत सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर दमदार उपस्थिति दर्ज कराई है। राज्य के नगरीय निकायों के उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिणाम है कि इस बार सर्वेक्षण में शामिल 169 शहरों में से 115 शहरों ने अपनी रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार किया है। स्वच्छता के इस राष्ट्रीय मूल्यांकन में देशभर के 4,566 शहरों के बीच छत्तीसगढ़ के 25 शहर टॉप-100 में शामिल हुए हैं, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में बड़ी छलांग है, जब केवल 16 शहर टॉप-100 में आ पाए थे। राज्य के 62 नगरीय निकायों ने गारबेज-फ्री सिटी स्टार रेटिंग में अपना दर्जा बढ़ाया है, जबकि सिंगल, थ्री और फाइव स्टार प्राप्त करने वाले शहरों की संख्या 71 से बढ़कर अब 114 हो गई है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर ने इस बार फाइव स्टार से बढ़कर सेवन स्टार की सर्वोच्च रेटिंग प्राप्त की है। रायपुर को गारबेज-फ्री सिटी श्रेणी में यह सम्मान प्राप्त हुआ है, साथ ही स्वच्छता में उसे वाटर प्लस शहर का दर्जा भी मिला है। पिछले डेढ़ वर्षों में 62 नगरीय निकायों ने अपने सतत प्रयासों के माध्यम से गारबेज-फ्री सिटी स्टार रेटिंग में सुधार किया है। बिलासपुर और अंबिकापुर ने अपने थ्री स्टार स्तर को बढ़ाकर फाइव स्टार किया है, जबकि भिलाई नगर, जगदलपुर नगर निगम, जामुल नगर पालिका और घरघोड़ा नगर पंचायत ने 2023-24 के सिंगल स्टार दर्जे से आगे बढ़ते हुए अब थ्री स्टार प्राप्त किया है। वहीं, धमतरी, शिवरीनारायण और राजपुर जैसे शहर, जो पूर्ववर्ती सर्वे में स्टार रेटिंग में नहीं थे, उन्होंने सीधे थ्री स्टार श्रेणी में प्रवेश किया है। राज्य के 52 नगरीय निकायों ने नो स्टार से उन्नत होकर अब सिंगल स्टार दर्जा प्राप्त कर लिया है।

इन निकायों की रैंकिंग में सुधार

इस बार कई नगरीय निकायों की राष्ट्रीय रैंकिंग में बड़ा सुधार देखने को मिला है। वर्ष 2023-24 में राष्ट्रीय स्तर पर 649वें स्थान पर रहे सिमगा ने इस बार 95वीं रैंक हासिल की है। इसी तरह जशपुर 637वें से 91वें, राजपुर 630वें से 63वें और घरघोड़ा 616वें से 71वें स्थान पर आ गया है। भिलाई-चरोदा ने अपनी रैंकिंग 587 से सुधारकर 68, दोरनापाल ने 557 से 81, दंतेवाड़ा ने 552 से 70, जगदलपुर ने 461 से 55, मुंगेली ने 447 से 86, कवर्धा ने 430 से 77, कुनकुरी ने 426 से 84, दुर्ग ने 314 से 80, राजनांदगांव ने 268 से 46, भिलाई नगर ने 267 से 22, छुरा ने 230 से 76, प्रतापपुर ने 173 से 62, बलरामपुर ने 65 से 53 और रायपुर ने 12वीं रैंक से बढ़कर चौथा स्थान प्राप्त किया है।

163 निकाय ओडीएफ प्लस

इस बार बिलासपुर, कोरबा और भिलाई नगर—ये तीन नगर निगम ओडीएफ प्लस प्लस से बढ़कर वाटर प्लस श्रेणी में पहुंच गए हैं। राज्य के 163 नगरीय निकायों को ओडीएफ प्लस प्लस का दर्जा प्राप्त हुआ है, जिनमें किरंदुल और भाटापारा नगर पालिका तथा कुंरा नगर पंचायत जैसे निकाय भी शामिल हैं, जो पहले केवल ओडीएफ श्रेणी में थे। सीतापुर नगर पंचायत ने भी ओडीएफ प्लस से आगे बढ़कर ओडीएफ प्लस प्लस दर्जा हासिल किया है।

गारबेज-फ्री सिटी स्टार रेटिंग में रायपुर को सेवन स्टार

सामूहिक प्रयास का परिणाम- साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य के शहरों की इस उपलब्धि को स्थानीय निकायों और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि शहरी सरकार, राज्य सरकार और केंद्र सरकार मिलकर नवाचारों के साथ शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के शहरों की रैंकिंग में और भी सुधार होगा और इस बार की राष्ट्रीय सफलता सभी नगरीय निकायों को और अधिक प्रेरित करेगी।

साव ने की सराहना

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नगरीय निकायों की सराहना करते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में नगरीय विकास और स्वच्छता हेतु राज्य सरकार द्वारा 7,400 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई थी, जिसका यह सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है।

पांच आईएएस के तबादले

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन ने आईएएस अधिकारियों का तबादला किया है। इसमें भारतीय प्रशासनिक सेवा के पांच अधिकारी प्रभावित हुए हैं। सुकमा जिला पंचायत की सीईओ नम्रता जैन को रायपुर का अपर कलेक्टर बनाया गया है। वहीं हेमंत रमेश नंदनवार बीजापुर जिला पंचायत के सीईओ को महासमुंद जिला पंचायत सीईओ, मुकुंद ठाकुर को उप सचिव कृषि से सुकमा जिला पंचायत का सीईओ, सरायपाली की एसडीएम नम्रता चौबे को बीजापुर जिला पंचायत का सीईओ तथा सारंगढ़ एसडीएम प्रखर चंद्राकर को गरियाबंद जिला पंचायत का सीईओ के पद पर पदस्थ किया गया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com